नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 15

अंक : 37

सोमवार, 27 अक्टूबर से 02 नवम्बर 2025

मूल्य : 5 रूपए

रू 250 वार्षिक

दिल्ली को विकास की ऊंचाइयों पर ले जाने का किया आह्वान : रेखा 03

हिन्दू पत्नी को छोड़ देंगे अमेरिकी उपराष्ट्रपति? 08

NCR समाचार

सुंदर की आतिशी पारी ने भारत को दिलाई बराबरी 10

टूरिज्म में इन 8 क्षेत्रों में मिलेंगे बेहतरीन मौके 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in

BY C.R.O. TEAM

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

खलनायक 2 का निर्देशन नहीं करेंगे सुभाष 12

भारत की बेटियां बनी नई महिला विश्वकप चैंपियन

नवीं मुम्बई, एजेंसी। शेफाली वर्मा (87 रन/ दो विकेट) और दीप्ति शर्मा (58 रन/ पांच विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन के दम पर भारतीय टीम ने रविवार को फाइलन मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर एकदिवसीय महिला विश्वकप का खिताब अपने नाम किया।

299 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका को भारतीय गेंदबाजों ने 45.3 ओवर में 246 के स्कोर पर समेटकर 52 रनों से मुकाबला जीत लिया। दक्षिण अफ्रीका के लिए कप्तान लॉरा वुलफार्ट और तेजमिन बिट्स की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 51 रन जोड़े। ब्रिट्स (23) के रनआउट होने पर यह साझेदारी टूटी। इसके बाद भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज नियमित अंतराल पर विकेट गंवाते रहे, हालांकि इस दौरान लॉरा वुलफार्ट एक छोर थामे रन बनाती रही। सुने लुस (25) और मैरीजान कप्प (चार) और सिनोला जाफ्टा (16) रन बनाकर आउट हुई। एक समय दक्षिण अफ्रीका ने 148 के स्कोर पर अपने पांच विकेट गंवा दिये थे। ऐसे सकंट के समय एनरी डर्कसन ने लॉरा वुलफार्ट का साथ बखूबी निभाया और दोनों बल्लेबाजों ने तेजी के साथ रन जोड़े।

दोनों बल्लेबाजों के बीच छठे विकेट के लिए 61 रनों की साझेदारी हुई। 40वें ओवर में दीप्ति शर्मा ने एनरी डर्कसन (35) को बोल्ड कर इस साझेदारी का अंत किया। इसी ओवर में लॉरा वुलफार्ट ने अपना शतक पूर किया। इसके बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर ने दीप्ति शर्मा को गेंद थमाई और उन्होंने 42वें ओवर की पहली गेंद पर वुलफार्ट का शिकार कर भारत को बड़ी सफलता दिलाई।

वुलफार्ट ने 98 गेंदों में 11 चौके और एक छक्का लगाते हुए 101 रनों की पारी खेली। इसी ओवर की चौथी गेंद पर दीप्ति ने क्लोई ट्राइऑन (नौ) को पगबाधा कर भारत को आठवीं सफलता दिलाई। 45वें ओवर की आखिरी गेंद पर श्री चारणी ने ए खाका (एक) को रनआउट कर पवेलियन भेज दिया। 46वें ओवर की तीसरी गेंद पर दीप्ति ने एन डी क्लर्क (18) को आउटकर भारतीय टीम को विश्वकप का नया चैंपियन बना दिया। भारतीय महिला टीम के लिए दीप्ति शर्मा ने 39 रन देकर पांच विकेट लिये। शेफाली वर्मा को दो विकेट मिले। श्री चारणी ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने वर्षा बाधित मुकाबले में टॉस जीतकर भारतीय महिला टीम को पहले बल्लेबाजी का न्यौता दिया। बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने शेफाली वर्मा (87), दीप्ति शर्मा (58) और स्मृति मंधाना 45 रनों की पारी के दम पर निर्धारित 50 ओवरों में सात विकेट पर 298 रनों का स्कोर बनाया। स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरूआत करते हुए पहले विकेट के लिए 104 रन जोड़े। 18वें ओवर में क्लोई ट्राइऑन ने स्मृति मंधाना को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा।

स्मृति मंधाना ने 58 गेंदों में आठ चौको की मदद से 45 रन बनाये। शतक की ओर बढ़ रही शेफाली वर्मा को अयोबोंगा खाका ने आउट किया। शेफाली वर्मा ने 78 गेंदों में सात चौके और दो छक्के लगाते हुए 87 रन बनाये। जेमिमाह रोड्रिग्स (24), कप्तान हरमनप्रीत कौर (20), अमनजोत कौर (12) और ऋचा घोष 34 रन बनाकर आउट हुई। 50वें ओवर की आखिरी गेंद पर दीप्ति शर्मा रनआउट हुई। दीप्ति शर्मा ने 58 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए 58 रनों की पारी खेली।

दक्षिण अफ्रीका के लिए अयोबोंगा खाका ने तीन विकेट लिये। क्लोई ट्राइऑन, एन डी क्लर्क और एन म्लाबा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

मोदी ने महिला टीम को दी जीत की बधाई

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के फाइनल में भारत की शानदार जीत की बधाई देते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक जीत आने वाली पीढ़ियों को खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा, "आईसीसी महिला विश्व कप 2025 के फाइनल में भारतीय टीम की शानदार जीत। फाइनल में उनके खेल में शानदार कौशल और आत्मविश्वास दिखा। टीम ने पूरे टूनार्मेंट में शानदार टीमवर्क और लगन दिखाई। हमारे खिलाड़ियों को बधाई। यह ऐतिहासिक जीत भविष्य के चैंपियन को स्पोर्ट्स में आने के लिए प्रोत्साहित करेगी।"

अमित शाह, शिवराज और पीयूष गोयल ने दी बधाई

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के फाइनल में भारत की शानदार जीत की बधाई दी है। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि "वर्ल्ड चैंपियन टीम इंडिया को सलाम। यह देश के लिए एक शानदार पल है, क्योंकि हमारी टीम ने वर्ल्डकप जीतकर भारत का गौरव आसमान पर पहुंचाया है। आपके शानदार क्रिकेट स्किल्स ने लाखों लड़कियों के लिए प्रेरणा का रास्ता बनाया है।" श्री चौहान ने सोशल मीडिया पर लिखा, "हमारी बेटियाँ चैंपियन हैं ,बेटियों ने दिल भी जीता है और दुनिया भी। वर्ल्डकप की यह जीत इस बात की गवाह है कि भारत की बेटियों की उड़ान आसमान से भी ऊंची है। श्री गोयल ने कहा, "ट्रॉफी घर लाने की उनकी कोशिश बहुत अच्छी रही है, और पूरा देश इस पल का जश्न मना रहा है। उनमें से हर एक वर्ल्ड चैंपियन है और हमारे युवाओं के लिए एक सच्ची रोल मॉडल है।

बिहार में फिर एनडीए सरकार बनी तो एक करोड़ युवाओं को मिलेंगे रोजगार, बिछेंगे उद्योगों के जाल : पीएम मोदी

नवादा, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि अगर बिहार में फिर से एनडीए की सरकार बनती है तो एक करोड़ युवाओं को रोजगार मिलेंगे। उद्योग धंधों का जाल बिछाया जाएगा। वे रविवार को नवादा के कुंती नगर के मैदान में आयोजित एक माहती जनसभा को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री मोदी ने मंच पर उपस्थित सभी एनडीए प्रत्याशियों को जीताने का आह्वान करते हुए कहा कि कांग्रेस तथा राष्ट्रीय जनता दल फिर से बिहार को जंगल राज की स्थिति में धकेलना चाहते हैं।जिससे बिहारवासी सतर्क होकर एनडीए को वोट दें।

उन्होंने बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ श्री कृष्णा सिंह की जन्मस्थली नवादा बताते हुए कहा कि आज बिहार उनके विकास को नहीं भूल सकता।उन्होंने कहा कि कृषि एनडीए सरकार बनी तो बिहार में उद्योगों का जाल बिछाया जाएगा। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाकर एक ऐतिहासिक कार्य किया है। ऑपरेशन सिंदूर कर उन्होंने विरोधियों को घर में घुसकर मारा है। जिसका वादा हमने पहले भी किया था। मोदी पाल-पाल वादा निभाना जानता है।

उन्होंने कहा कि विकसित बिहार के संकल्पों को पूरा करने के लिए एक जुट होकर एनडीए को वोट दें। ताकि जंगल राज की स्थापना बिहार में नहीं हो सके।उन्होंने कहां की जंगल राज के समय बिहार में नरसंहारों का दौर चल रहा था।आम आदमी घर से निकलने में भी डरते थे। लेकिन एनडीए सरकार ने सुशासन की स्थापना की है। टिप्पणी मामले में व्यापार मंडल के महामंत्री को मिली अग्रिम जमानत

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर, बाबू जगजीवन राम तथा सीताराम केसरी को अपमानित किया है।लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने अपने पुरखों को सदा सम्मानित किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 60 लाख परिवारों को पक्का मकान दिया गया है।

'जंगलराज' वालों का घोषणा पत्र झूठ, छल और गुमराह करने की कोशिशों से भरा है: मोदी

आरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को बिहार के आरा में जनसभा के दौरान महागठबंधन पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि 'जंगलराज' वालों का घोषणा पत्र झूठ, छल और जनता को गुमराह करने की कोशिशों से भरा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आपके क्षेत्र में 6 नवंबर को मतदान होगा। अब ज्यादा दिन नहीं बचे हैं। एनडीए ने विकसित बिहार के लिए एक ईमानदार और दूरदर्शी घोषणापत्र जारी किया है। हर वादा, हर योजना बिहार के तेज विकास के लिए समर्पित है। जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, ङ्खएनडीए के संकल्प पत्र में बच्चों की शिक्षा, परिवार के स्वास्थ्य, युवाओं के लिए रोजगार और किसानों के लिए सिंचाई पर विशेष जोर दिया गया है। इसके अलावा, महिलाओं और बेटियों के सशक्तिकरण के लिए कई मजबूत प्रावधान किए गए हैं। विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, एक तरफ एनडीए का ईमानदार घोषणापत्र है और दूसरी तरफ जंगलराज वाले हैं। उन्होंने अपने घोषणापत्र को झूठ, छल और जनता को गुमराह करने की कोशिशों से भरा दस्तावेज बना दिया है।

खड़े ट्रक से टकराई बस, 15 लोगों की मौत

- घायलों को अस्पताल में भर्ती किया गया है जिनमें दो की हालत गंभीर बताई गयी

फलौदी, एजेंसी। राजस्थान में फलौदी जिले के मतोड़ा थाना क्षेत्र में रविवार को जोधपुर जा रही एक बस ने खड़े ट्रक को टक्कर मार दी, जिसके कारण 15 लोगों की मौत हो गयी जबकि चार अन्य घायल हुए हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जोधपुर के सूरसागर क्षेत्र के लोग एक बस से बीकानेर जिले के कोलायत गये थे। वहां लौटते समय फलौदी में मतोड़ा क्षेत्र में शाम करीब सात बजे बस ने सड़क किनारे खड़े ट्रक को टक्कर मार दी। पुलिस ने 15 लोगों की मौत की पुष्टि की है।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधिकारी पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंच गये और स्थानीय लोगों की मदद से लोगों को बस से निकालकर अस्पताल पहुंचाया। घायलों को अस्पताल में भर्ती किया गया है जिनमें दो की हालत गंभीर बताई गयी है।

मोदी ने हादसे पर जताया दुख, अनुग्रह राशि की घोषणा की

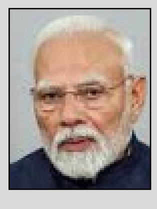

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान के फलौदी में हुए सड़क हादसे पर दुख जताया है और मृतकों परिजनों को दो लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। श्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, "राजस्थान के फलौदी ज़िले में हुए एक हादसे में जान-माल की हानि से दुखी हूँ। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएँ प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूँ। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को दो लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। गौरतलब है कि राजस्थान में फलौदी जिले के मतोड़ा थाना क्षेत्र में रविवार को जोधपुर जा रही एक बस ने खड़े ट्रक को टक्कर मार दी, जिसके कारण 15 लोगों की मौत हो गयी जबकि चार अन्य घायल हुए हैं।

डोनाल्ड ट्रंप से डरते हैं मोदी, अडाणी और अंबानी के हाथ में हैं उनका कंट्रोल : राहुल

बेगूसराय, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रविवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र सिर्फ अमेरिका के राष्भ्रपति डोनाल्ड से नहीं डरते हैं, बल्कि वह उद्योगपति अडाणी और अंबानी के चंगुल में भी हैं।

श्री गांधी ने आज यहां चुनावी सभा में प्रधानमंत्री श्री मोदी पर हमला करते हुये कहा कि 56 इंच की छाती वाले श्री मोदी डरपोक है। उन्होंने कहा कि गांधी की छाती बड़ी नहीं थी, लेकिन वो किसी से डरते नहीं थे। श्री मोदी से ज्यादा दम इंदिरा गांधी में था। श्री मोदी ट्रम्प से डरते हैं। अमेरिकी के राष्ट्रपति ट्रंप ने कई बार बोला है कि उन्होंने नरेंद्र मोदी को डराकर ऑपरेशन सिंदूर बंद कराया है।

ट्रंप ने अलग-अलग देशों में जाकर श्री मोदी का अपमान किया है। ट्रंप कहते हैं कि उन्होंने मोदी को झुका दिया। इस बारे में श्री मोदी के मुंह से एक आवाज नहीं निकली। ट्रम्प हमारी सेना के बारे में बोल रहे हैं। हमारी वायुसेना के बारे में बोल रहा है। श्री मोदी चुप हैं।ट्रम्प कहते है मैंने मोदी को फोन लगाया कि ऑपरेशन सिंदूर रोको और फिर ऑपरेशन रुक गया। उन्होंने कहा कि वह श्री मोदी को चुनौती देते हैं कि वह बिहार आकर कहें कि ट्रम्प झूठ बोल रहे है।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि श्री मोदी सिर्फ अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप से नहीं डरते हैं, उनका कंट्रोल अडाणी और अंबानी के भी हाथ में हैं। चुनाव के दिन तक आप जो भी कहेंगे मोदी वो करेंगे. चुनाव के बाद न आएंगे, न कुछ करेंगे। उन्होंने कहा कि श्री मोदी को आप बोलो योग के 3-4 आसन करो हम आपको जिता देंगे। वो करने लगेंगे। आप डांस करो, हम जिता देंगे वो डांस करने लगेंगे। चुनाव के बाद अडाणी, अंबानी इनसे जो मांगेंगे ये दे देंगे।

श्री गांधी ने कहा कि एक समय होता था जब नालंदा की यूनिवर्सिटी पूरी दुनिया में मशहूर थी। जापान, कोरिया, इंग्लैंड से लोग पढ़ाई करने आते थे। दुनिया की शिक्षा का सेंटर नालंदा था। आज बिहार की यूनिवर्सिटी के बार में दूसरे लोगों से पूछिए। कहते हैं यहां सिर्फ पेपर लीक होता है। जिनकी सेटिंग है उन्हें पेपर मिल जाता है। बिहार के बाकी युवा देखते रह जाते हैं।

सेना प्रमुख ने युवाओं से किया 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ आगे बढ़ने का आह्वान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने युवाओं से राष्ट्र प्रथम की भावना सर्वोपरि रखने का आह्वान किया है। सेना प्रमुख ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अनुशासित, आत्मविश्वासी और उद्देश्यपूर्ण नागरिक बनें और 'राष्ट्र प्रथम' की भावना को सर्वोपरि रखें।

उन्होंने युवाओं को ऐसा नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया, जो 'राष्ट्र प्रथम' के आदर्श के प्रति समर्पित हों। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मध्य प्रदेश के सतना और रीवा क्षेत्र में स्थित शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों से यह संवाद किया है। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मध्य प्रदेश में दो दिवसीय प्रवास किया और इस दौरान मध्य प्रदेश के सतना और रीवा के शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों व शिक्षकों से मुलाकात की।

एनसीआर समचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन : 9210761111

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में
आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अत: भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ङ्क नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062, दूरभाष (मोबाईल) 9210761111 सम्पर्क करें।

जयपुर में एक फार्मा कंपनी की जुकाम–एलर्जी की दवाई अमानक मिली

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर में एक फार्मा कंपनी की जुकाम–एलर्जी की दवाई अमानक मिली। इस पर इस मेडिसिन को बेचने पर रोक लगा दी गई है। ड्रग कंट्रोल डिपार्टमेंट ने शुक्रवार को रिपोर्ट जारी कर वाईएल फार्मा कंपनी की जुकाम–एलर्जी में दी जाने वाली दवाई को अमानक माना है। डिपार्टमेंट ने इस फार्मा कंपनी की दूसरी दवाईयों के भी सैंपल लेकर उसकी जांच के आदेश दिए हैं। ड्रग कंट्रोलर फर्स्ट से जारी आदेशों के मुताबिक हिमाचल प्रदेश के सोलन स्थित कंपनी की दवाई विन्सेट एल नाम से राजधानी जयपुर सहित प्रदेश के अन्य शहरों में दवाईयां सप्लाई होती हैं। पिछले दिनों इस कंपनी के बैच नं. एलटी25023 सहित अन्य दो बैच के सैंपल लिए गए थे। इन सैंपल की जब जांच की गई, तब दवाई अमानक निकली। यानी जिन सॉल्ट को इस दवाईयों में होना बताया, वह पर्याप्त मात्रा में इसमें नहीं मिले। कंपनी इस दवाई में लेवोसेट्रीजीन और डाइहाइड्रोक्लोराइड सॉल्ट होने का क्लेम करती है। आदेशों में अब ड्रग कंट्रोलर ने इस कंपनी की आने वाली दूसरी दवाईयों के भी सैंपल लेने और उनकी जांच करवाने के आदेश दिए हैं।

भारत पाकिस्तान सीमा से एक संदिग्ध को पकड़ा– पुलिस जांच में जुटी

जैसलमेर (एजेंसी)। राजस्थान के जैसलमेर जिले में भारत–पाकिस्तान सीमा के पास घूमते एक संदिग्ध दिखने वाले व्यक्ति को बीएसएफ ने पकड़ा है। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। सूत्रों के अनुसार, बिहार के अररिया जिले का निवासी मोहम्मद इकबाल (लगभग 40) नामक व्यक्ति को मुरार सीमा क्षेत्र में बीएसएफ जवानों ने नियमित गश्त के दौरान पकड़ा। कथित तौर पर वह प्रतिबंधित सीमा क्षेत्र के पास संदिग्ध तरीके से घूम रहा था। अधिकारियों ने कहा कि पुलिस ने यह पता लगाने के लिए विस्तृत जांच शुरू कर दी है कि वह बिना किसी रोक–टोक के अत्यधिक प्रतिबंधित क्षेत्र में कैसे पहुंच गया। एक पुलिस सूत्र ने इस मामले को राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से अत्यधिक संवेदनशील बताते हुए कहा कि उसकी पृष्ठभूमि, यात्रा मार्ग और संभावित उद्देश्यों की पूरी तरह से जांच की जा रही है। इकबाल के संभावित संपर्कों और संचार नेटवर्क का पता लगाने के लिए खुफिया एजेंसियां जांच में जुट गई हैं। बीएसएफ की एक टीम ने तुरंत इकबाल को हिरासत में ले लिया और घटनास्थल पर ही उससे प्रारंभिक पूछताछ की। एक सूत्र ने कहा कि वह व्यक्ति कोई वैध पहचान पत्र या संवेदनशील क्षेत्र में जाने की अनुमति दिखाने में विफल रहा। उन्होंने आगे कहा कि उसके जवाबों से और भी संदेह पैदा हुआ। प्रारंभिक पूछताछ के बाद बीएसएफ ने इकबाल को आगे की जांच के लिए शाहगढ़ पुलिस को सौंप दिया। संदिग्ध के मोबाइल फोन, कॉल रिकॉर्ड और डिजिटल उपकरणों की जांच संभावित संपर्कों या संदिग्ध संचार के लिए की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सीमा के इतने करीब इकबाल की मौजूदगी ने संभावित सीमा पार संबंधों या टोही गतिविधि को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।एक सूत्र ने कहा कि पाकिस्तान सीमा से निकटता को देखते हुए, ऐसी घटनाओं को बहुत गंभीरता से लिया जाता है। अधिकारियों ने आसपास के गांवों में सुरक्षा कड़ी कर दी है और आगे घुसपैठ रोकने के लिए सीमा क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी है।

मराठी अभिनेत्री का खुलासा... रोहित आर्य ने उन्हें भी एक फिल्म प्रोजेक्ट के सिलसिले में बुलाया

मुंबई (एजेंसी)। मराठी अभिनेत्री रुचिता जाधव ने खुलासा किया है कि मुंबई में होस्टेज कांड के आरोपी रोहित आर्य ने उन्हें भी एक फिल्म प्रोजेक्ट के सिलसिले में बुलाया था। दरअसल मुंबई में 31 अक्टूबर को होस्टेज कांड, में रोहित आर्य ने 17 बच्चों, दो महिलाओं और एक बुजुर्ग को बंधक बना लिया था और बाद में पुलिस की कार्रवाई में मारा गया। मराठी फिल्मों की अभिनेत्री रुचिता जाधव ने अपने पोस्ट में बताया कि यही रोहित आर्य कुछ हफ्ते पहले उन्हें एक फिल्म प्रोजेक्ट के लिए बुला रहा था। रिपोर्ट के अनुसार, 4 अक्टूबर को रोहित ने खुद को फिल्ममेकर बताकर रुचिता को मैसेज किया था। रोहित ने बताया कि वह होस्टेज सिचुएशन पर आधारित फिल्म बना रहा है। 23 अक्टूबर को रोहित ने रुचिता से 27, 28 या 29 अक्टूबर को मिलने के लिए पूछा। उन्होंने 28 अक्टूबर को मुलाकात तय की थी। 27 अक्टूबर को रोहित ने उन्हें पवई स्थित एक स्टूडियो की लोकेशन भेजी और अगली सुबह (28 अक्टूबर) आने को कहा। लेकिन रुचिता जाधव ने पारिवारिक कारणों से वह मीटिंग रद्द कर दी थी। इसके बाद 31 अक्टूबर को टीवी पर खबर देखकर कि वही रोहित आर्य पवई में होस्टेज कांड में शामिल था और मारा गया, रुचिता स्तब्ध रह गईं। उन्होंने कहा कि उस दिन को सोचकर वह कांप जाती हैं कि अगर वह चली जातीं, तब क्या होता। उन्होंने भगवान और परिवार का शुक्रिया अदा किया जिन्होंने उन्हें बाहर जाने से रोक लिया। रुचिता ने अपनी पोस्ट के अंत में लोगों को यह घटना याद दिलाकर कहा कि काम के सिलसिले में किसी नए व्यक्ति से मिलने से पहले बेहद सावधान रहना चाहिए और हमेशा अपने परिवार या दोस्तों को इसकी जानकारी देनी चाहिए।

आसमान में चक्कर लगाती रही फ्लाइट्स... यात्रियों को हुआ खौफनाक लम्हों का एहसास

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर से दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाले यात्रियों के लिए सफर किसी डरावने अनुभव से कम नहीं था। एक नहीं बल्कि दो इंडिगो फ्लाइट्स के पैसेंजर्स को हवा में उस वक्त खौफनाक लम्हों का सामना करना पड़ा। जब दोनों एयरक्राफ्ट दिल्ली एयरपोर्ट के ऊपर लंबे समय तक होल्ड पर रखे गए। दरअसल, दिल्ली एयरपोर्ट पर देर रात एयर ट्रैफिक कंजेशन बढ़ने के कारण कई फ्लाइट्स को समय पर लैंडिंग क्लियरेंस नहीं मिली। इसी वजह से जयपुर से दिल्ली के लिए रवाना हुई दोनों इंडिगो फ्लाइट्स को आसमान में गोल चक्कर (होल्डिंग पैटर्न) में घूमना पड़ा। पहली फ्लाइट रात 10 बजकर 26 मिनट पर जयपुर से रवाना हुई थी। दूसरी फ्लाइट रात 12 बजकर 6 मिनट पर दिल्ली के लिए उड़ी। दोनों ही फ्लाइट अपने निर्धारित समय पर लैंड नहीं हुई। इसके बाद दिल्ली एयर ट्रैफिक कंट्रोल की अनुमति मिलने तक करीब 20 से 30 मिनट तक दोनों एयरक्राफ्ट आसमान में लैंडिंग का इंतजार करते रहे। इसके बाद फ्लाइट रात 11 बजकर 50 मिनट पर जबकि दूसरी फ्लाइट रात एक बजकर 16 मिनट पर दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंड हुई। इस दौरान फ्लाइट के निर्धारित वक्त पर पहुंच जाने के बावजूद बार–बार आसमान में घूमने से पैसेंजर्स में घबराहट फैल गई। कुछ पैसेंजर्स ने बताया कि फ्लाइट बार– बार गोल चक्कर काट रही थी। खिड़की से नीचे देखकर ऐसा लग रहा था मानो हम एक ही जगह पर फंसे हुए हैं।

तेलंगाना कैबिनेट में पहले मुसलमान मंत्री बने कांग्रेस नेता मोहम्मद अजहरुद्दीन

राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई

हैदराबाद (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कांग्रेस नेता मोहम्मद अजहरुद्दीन ने शुक्रवार को तेलंगाना कैबिनेट में मंत्री के तौर पर शपथ ली। उन्हें राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने राजभवन में पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस दौरान अजहरुद्दीन ने अल्लाह के नाम पर शपथ ली और आखिर में जय तेलंगाना और जय हिंद के नारे लगाए। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, अन्य मंत्री, स्पीकर, विधान परिषद के चेयरमैन, टीपीसीसी अध्यक्ष और उनके बेटे मोहम्मद असदुद्दीन (हाल ही में टीपीसीसी महासचिव नियुक्त) मौजूद थे। राज्य कैबिनेट ने अगस्त में अजहरुद्दीन को राज्यपाल के कोटे से विधान परिषद सदस्य के तौर पर नॉमिनेट करने का फैसला किया था। उन्हें अल्पसंख्यक कल्याण विभाग मिलने की संभावना है। वह फिलहाल तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के कार्यकारी अध्यक्ष और इसकी पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी के सदस्य हैं। 62 वर्षीय अजहरुद्दीन को 11 नवंबर को होने वाले जुबली

हिल्स विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव से पहले कैबिनेट में शामिल किया गया है।

चुनावी पृष्ठभूमिः वह 2023 में अपने गृह क्षेत्र से चुनाव हार गए थे। वह फिर से चुनाव लड़ना चाहते थे, लेकिन कांग्रेस ने नवीन यादव को मैदान में उतारा और अजहरुद्दीन को कैबिनेट में जगह देने का वादा किया। उनके शपथ ग्रहण के साथ राज्य कैबिनेट में मंत्रियों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है। (अधिकतम सीमा मुख्यमंत्री सहित 18 है)। वह रेवंत रेड्डी की कैबिनेट में पहले मुस्लिम मंत्री बने है। सत्ताधारी पार्टी को पहले मुस्लिम मंत्री न होने के कारण आलोचना झेलनी पड़ रही थी। 2023 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी के सभी प्रमुख मुस्लिम उम्मीदवार हार गए थे। यह कदम मुसलमानों तक पहुंचने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है, जो जुबली हिल्स में मतदाताओं का लगभग 30 प्रतिशत हैं।

वहीं भाजपा ने चुनाव आयोग से कैबिनेट विस्तार की इजाजत न देने की अपील की थी, क्योंकि उनका मानना है कि अजहरुद्दीन को उपचुनाव में वोटर्स के एक खास ग्रुप को खुश करने के लिए मंत्री बनाया जा रहा है, जो मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन है।

कैबिनेट गठन की प्रक्रियाः गठन 7 दिसंबर, 2023 को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और 11 मंत्रियों के शपथ ग्रहण के साथ हुआ था। 8 जून को तीन मंत्रियों को शामिल करके विस्तार किया गया था, लेकिन तीन पद खाली रखे गए थे।

अजहरुद्दीन का राजनीतिक इतिहासः 2009 में कांग्रेस में शामिल हुए और उसी साल उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा के लिए चुने गए। 2014 में राजस्थान के टोंक-सवाई माधोपुर से चुनाव लड़े, पर हार गए। 2018 में तेलंगाना कांग्रेस का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

बेमौसम बारिश से यूपी के 20 शहरों में फसलें बर्बाद... योगी सरकार ने सर्वे करने के दिए आदेश

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी, बलिया, मऊ सहित लगभग 20 शहरों में तूफान मोन्था के कारण बेमौसम बारिश हो रही है। इसकारण इन जिलों में खेतों में पानी भर गया है, जिससे कटी पड़ी धान की फसलें बर्बाद हो रही हैं। बलिया और मऊ जैसे जिलों में किसान भीगी फसलों को ऊंची जगहों पर ले जाने को मजबूर हैं। मऊ में एक किसान ने बताया कि उसकी लगभग 70 प्रतिशत फसलें बर्बाद हो गई हैं। किसानों के अनुसार, इतना ही नहीं पशुओं का दाना-चारा सब खराब हो गया है। मोन्था के कारण आई तेज हवाओं से खड़ी धान की फसलें गिर गई हैं, और भीगी फसल में दाने खराब होने और फफूंद लगने की आशंका है। वहीं उत्तरप्रदेश के वाराणसी में बीते 30 घंटों से रिमझिम बारिश हो रही है और लुढ़कते पारे ने 8 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है, जिससे वाराणसी में अक्टूबर सबसे ठंडा महिना साबित हुआ है। प्रदेश

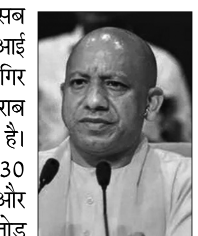

की राजधानी लखनऊ में लगातार तीसरे दिन सूरज के दर्शन नहीं हुए। बनारस के अलावा प्रयागराज, गोंडा, अयोध्या, जौनपुर, गाजीपुर और आजमगढ़ में भी बारिश हो रही है। जिससे आमजन को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। किसानों को अपनी खराब होती धान की फसलों को लेकर चिंता सता रही है। किसानों को डर हैं कि ये बारिश का दौर यदि कुछ दिन और चल गया तब बची हुई फसल भी बेकार हो सकती है। वहीं किसानों की फसल को हुए नुकसान को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को सर्वेक्षण कराकर आपदा से प्रभावित किसानों को मुआवज़ा देने का निर्देश दिया है। यह बारिश गेहूं, चना, मसूर, मटर और सरसों की बुआई के लिए अच्छी है, क्योंकि मिट्टी में पर्याप्त नमी आ गई है, जिससे बुआई आसान होगी और अंकुरण अच्छा होगा। लेकिन ये बारिश धान के लिए काल बन गई है।

मेरा दाऊद इब्राहिम से दूर-दूर तक लेना देना नहीं, पर वह आतंकवादी नहीं था

–अभिनेत्री से साध्वी बनी ममता के बयान से सोशल मीडिया पर मची हलचल

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेत्री से साध्वी बनी ममता कुलकर्णी अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। ग्लैरस भरी जिंदगी छोड़ अध्यात्मिक राह पर चली ममता अपने बयानों को लेकर चर्चा बटोरती हैं। हाल ही में वह डॉन दाऊद इब्राहिम को लेकर दिए बयान को लेकर खबरों में हैं। हाल ही में जब उनसे गोरखपुर में डॉन दाऊद इब्राहिम को लेकर सवाल किया तो उन्होंने कहा कि मेरा दाऊद से दूर-दूर तक कोई लेना देना नहीं था। किसी एक का नाम जरूर था, लेकिन आप देखोगे उसने कोई बम ब्लास्ट या एंटी नेशनल चीज नहीं की थी। देश के अंदर, मैं उनके साथ तो नहीं हूं...वह आतंकी नहीं था, जिनके साथ आप मेरा नाम लेते हो, उन्होंने मुंबई में बम ब्लास्ट नहीं किया। दाऊद को मैं अपने जीवन में कभी नहीं मिली। इस बयान के बाद ममता कुलकर्णी सुर्खियों में हैं।

दरअसल, ममता कुलकर्णी का नाम विक्की गोस्वामी के साथ जुड़ा रहा है, माना जा रहा है कि डॉन दाऊद के सवाल पर विक्की गोस्वामी का नाम लिए बिना कहा कि वो आतंकवादी नहीं थे। ऐसे में

दाऊद इब्राहिम के समर्थन में ममता के चौकाने वाले बयान ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है।

अपने ही बयान पर ममता कुलकर्णी ने सफाई देते हुए कहा कि बयान को ठीक तरीके से सुने और साधु-संत विवेक का इस्तेमाल करें। उनका नाम कभी दाऊद से नहीं जुड़ा... कुछ समय के लिए विक्की गोस्वामी से जुड़ा था, लेकिन उसका नाम कभी देश विरोधी गतिविधियों में नहीं आया। बता दें ममता महामंडलेश्वर यमाई किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर लक्ष्मी किन्नर के साथ गोरखपुर में एक कार्यक्रम का हिस्सा बनी। 90 के दशक में अपनी खूबसूरती और एक्टिंग से सबका दिल जीतने वाली ममता कुलकर्णी अब संन्यास ले चुकी हैं और अब महामंडलेश्वर यमाई ममता नंदगिरी बन गई हैं।

सरदार पटेल ने एकजुट करके आधुनिक भारत का स्वरूप प्रदान किया: कुमार विश्वास

नोएडा (एजेंसी)। सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर कवि कुमार विश्वास ने आधुनिक भारत के निर्माण में उनके अमूल्य योगदान की तारीफ की। उन्होंने कहा कि आधुनिक भारत के नक्शे को निर्माण करने की दिशा में सरदार वल्लभ पटेल ने उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने कहा कि तत्कालीन नीति नियंताओं की वजह से इस देश को विभाजित करना पड़ा था। ऐसी स्थिति में भारत को एकजुट करने की दिशा में सरदार पटेल के योगदान को सदैव याद किया जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कुमार विश्वास ने कहा कि भारत की आजादी के बाद जिस तरह से सभी रियासतों को सरकार पटेल ने एकजुट करके आधुनिक भारत का स्वरूप प्रदान किया, उसे देश कभी नहीं भूल सकता है। आज हम उन्हीं की स्मृति में दौड़ रहे हैं। हम

यह कामना करते हैं कि जिस गति के साथ हमारा देश मौजूदा समय में प्रगति कर रहा है, आगे भी उसी गति के साथ प्रगति करता रहे। देश की प्रगति के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

वहीं भारतीय महिला क्रिकेट टीम की जीत पर भी कुमार विश्वास ने खुशी जताते हुए कहा कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम को बहुत-बहुत शुभकामनाएं। बेटियां हमेशा से ही भारत का नाम ऊंचा करती आई हैं। बेटियों ने देश के लोगों को गौरवान्वित किया है, जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता।

मिस यूनिवर्स शेरी सिंह ने भी सरदार पटेल की जयंती पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि हमारे देश में विवधिता के बावजूद भी एकता बनी रहे। यह हमारी ताकत है। मैं यही चाहूंगी कि हमारे घर की बेटियां खुले आसमान में आगे बढ़े। उन्हें बंधनमुक्त समाज मिले। उन्हें भी आगे बढ़ने की संभावना मिले। यूट्यूबर अमित भड़ाना ने सरकार पटेल की जयंती पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि मुझे इस बात की खुशी है कि इस खास मौके पर नोएडा में इतने बड़े कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उन्होंने कहा कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम को भी जीत की बधाई दी। उन्होंने कहा कि हमारी महिला क्रिकेट टीम ने शानदार जीत हासिल की है, जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है। मैच दिलचस्प रहा। भारतीय महिला टीम की जीत उनके सशक्तिकरण का प्रतीक है। सभी महिला खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार रहा। गायक गिरिक अमन ने सरदार पटेल की जयंती पर नोएडा पुलिस की तरफ से आयोजित किए गए रन फॉर यूनिटी की प्रशंसा की।

उन्होंने कहा कि इस आयोजन में शामिल हुए सभी युवाओं के बीच उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है, जो कि हम सभी लोगों के लिए अच्छी बात है। मैं तो चाहता हूं कि इसी तरह का आयोजन आगे भी होते रहे। हमारी ख्वाहिश है कि हमारा भारत सोने की चिड़िया बने।

बुजुर्ग ने रोकी राबड़ी की कार, कहा– आप राघोपुर को सौतेला मानते हैं, आपदा में भी नहीं आए

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव का प्रचार चरम पर है। यहां अपने अपने विधानसभा क्षेत्रों में प्रत्याशी घर घर पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। इसी कोशिश के चलते पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी राजद की परंपरागत सीट राघोपुर पहुंची और राजद के लिए वोट मांगे। इसी दौरान एक बुजुर्ग ने उनकी कार रोकी और कहा कि अब चुनाव आ गए है तो वोट मांगने आप लोग आ गए। उस वक्त कहां थे जब हम लोग बाढ की आपदा से जूझ रहे थे। आप लोग राघोपुर को सौतेला बेटा मानते हैं क्या? इस राबड़ी देवी हाथ जोड़ती नजर आईं और जनता के गुस्से के देखते हुए बिना कुछ बोले आगे बढ़ गईं। वायरल वीडियो ने सबका ध्यान खींच लिया है! राबड़ी देवी, जो अपने बेटे तेजस्वी यादव के लिए प्रचार करने राघोपुर पहुंचीं थीं, उन्हें जनता के तीखे सवालों का सामना करना पड़ा। राघोपुर सीट लालू परिवार का परंपरागत गढ़ मानी जाती है। लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी यहां से कई बार विधायक रह चुके हैं, और तेजस्वी यादव भी 2015 से इसी सीट से चुनाव जीतते आए हैं। लेकिन इस बार हालात कुछ बदले–बदले नज़र आ रहे हैं। राबड़ी देवी ने समझाने की कोशिश करते हुए कहा, राघोपुर बिहार का सबसे प्यारा विधानसभा क्षेत्र है। लेकिन बुजुर्ग का गुस्सा शांत नहीं हुआ, उन्होंने जवाब दिया – तेजस्वी बाढ़ में नहीं, सिर्फ चुनाव में घूमते हैं! स्थिति को भांपते हुए राबड़ी देवी ने शांत भाव से बुजुर्ग की बातें सुनीं और हाथ जोड़कर आगे बढ़ गईं।

राज ठाकरे ने शिंदे को दी चुनौती कहा- अगर नमो सेंटर बनाए गए तो हम तोड़ देंगे

मुंबई (एजेंसी)। कभी हिंदी के नाम पर तो कभी बाहरी के नाम पर आए दिन मारपीट और थप्पड़बाजी के लिए पहचान बना चुकी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना यानी मनसे ने अब एक नया मसला प्रकट किया है। मसला ये है कि खुद मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को खुली चुनौती दी है। उन्होंने कहा है कि अगर ऐतिहासिक किलों पर नमो पर्यटन केंद्र बनाए गए, तो उन्हें तोड़ देंगे। खबरें थी कि राज्य सरकार ने ऐसे केंद्रों के लिए 20 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। इसके अलावा ठाकरे ने चुनावों में ईवीएम के इस्तेमाल पर भी सवाल उठाए हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार, मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में ठाकरे ने मनसे कार्यकर्ताओं से कहा, कुछ अखबारों में खबरें छपी हैं कि राज्य सरकार हमारे छत्रपति शिवाजी महाराज के किलों पर नमो टूरिज्म सेंटर्स बनाने की योजना बना रही है। यह शहरी विकास विभाग के तहत हो रहा है, जो एकनाथ शिंदे की अगुवाई है। उन्हें एक नमो केंद्र बनाने दो, हम उसे तबाह कर देंगे। ये आम स्थल नहीं हैं। ये स्थल महाराष्ट्र के लिए

पवित्र हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शिंदे को लेकर उन्होंने कहा, सिर्फ उपमुख्यमंत्री बने रहने के लिए कितनी चापलूसी की जरूरत है? शायद प्रधानमंत्री को भी अंदाजा नहीं है कि यहां कितनी चटुकारिता हो रही है।

ईवीएम के मुद्दे पर उद्धव के साथ खड़े है राज

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे, राकांपा (एसपी) प्रमुख शरद पवार और मनसे अध्यक्ष राज सहित महाविकास अघाडी के शीर्ष नेता मतदाता सूचियों में कथित अनियमितताओं के खिलाफ मुंबई में एक नवंबर को होने वाले विपक्ष के विरोध मार्च का नेतृत्व करेंगे। गुरुवार को उद्धव ठाकरे, राज ठाकरे और पवार ने यहां एक बैठक की, जिसमें संयुक्त रैली की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया गया। इस बैठक में वरिष्ठ कांग्रेस नेता नसीम खान, शेतकरी कामगार पक्ष के जयंत पाटिल और वामपंथी दलों के नेता भी मौजूद थे।

विरोध मार्च का समर्थन करेगी कांग्रेस

पूर्वी महाराष्ट्र में गृहनगर बुलढाणा में पत्रकारों से बात करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि उनकी पार्टी विरोध मार्च का पूरी तरह से समर्थन करती है। हालांकि, खुद मार्च में भाग लेने के सवालों को वह टाल गए। सपकाल ने कहा, कोई एक नेता महत्वपूर्ण नहीं हैं। जो भी जाएगा, वह पार्टी का प्रतिनिधित्व करेगा। महत्वपूर्ण बात मतदाता सूचियों को त्रुटिरहित करने और उन्हें अपडेट करने की मांग है। यह मुद्दा (मतदाता सूचियों में अनियमितताओं का) सबसे पहले कांग्रेस ने उठाया था।

साल 2025 में अब तक 2,790 भारतीयों को अमेरिका से भारत भेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में अवैध तरीके से रह रहे भारतीयों को ट्रंप प्रशासन ने वापस भारत भेज दिया है। साल 2025 में अब तक 2,790 भारतीयों को अमेरिका से वापस भेजा गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि ये व्यक्ति मानदंडों को पूरा नहीं करते थे और वहां अवैध रूप से रह रहे थे। उन्होंने कहा, इस साल जनवरी से अब तक हमारे पास ऐसे लगभग 2,790 से अधिक भारतीय नागरिक हैं जो मानदंडों को पूरा नहीं करते थे। वे वहां अवैध रूप से रह रहे थे। हमने उनकी साख और राष्ट्रीयता की जांच की। वे लौट आए हैं।

प्रवक्ता जायसवाल ने स्पष्ट किया कि प्रत्येक मामले की जांच की गई ताकि व्यक्ति की भारतीय राष्ट्रीयता की पुष्टि हो सके, उसके बाद ही प्रत्यावर्तन किया गया। उन्होंने कहा, हमने उनकी साख और राष्ट्रीयता की जांच की, उसके बाद

वे लौटे। उन्होंने जोर दिया कि निर्वासन भारत और अमेरिकी अधिकारियों के बीच स्थापित कानूनी और कूटनीतिक प्रक्रियाओं का पालन करते हुए किए गए।

अमेरिका में अवैध रूप से प्रवेश करने की कोशिश करने वाले भारतीय नागरिकों की संख्या में तेज गिरावट आई है, जो चार साल के निचले स्तर पर पहुंच गई है। अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा की ओर से यह जानकारी दी गई। अक्टूबर 2024 से सितंबर 2025 के बीच अमेरिकी अधिकारियों ने बिना अनुमति के देश में प्रवेश करने की कोशिश करने वाले 34,146 भारतीयों को हिरासत में लिया, जो पिछले वित्तीय वर्ष में दर्ज 90,415 हिरासतों से 62 प्रतिशत की गिरावट है। 28 अक्टूबर को जारी रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने इसे ऐसी घटनाओं में तेज और निरंतर गिरावट बताया है।एमईए प्रवक्ता ने यूनाइटेड किंगडम से निर्वासन के सवालों का भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि इस साल सत्यापन के बाद लगभग 100 भारतीय नागरिकों को वापस भेजा गया है। उन्होंने कहा, यूके की ओर से इस साल हमारे पास लगभग 100 भारतीय नागरिक हैं जिन्हें उनकी राष्ट्रीयता की हमारी ओर से उचित जांच के बाद निर्वासित किया गया है। भारत और उसके अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के बीच अवैध प्रवेश और वीजा ओवरस्टे का मुद्दा गरमाया हुआ है। ये आंकड़े अवैध प्रवासन को अधिक प्रभावी ढंग से रोकने के चल रहे प्रयासों को उजागर करते हैं।

अब राफेल होगा और अधिक शक्तिशाली, वायूसेना को मिलेंगी मेटेओर मिसाइल

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर में मिली बड़ी कामयाबी के बाद भारतीय वायूसेना में और जेश भर गया है। इसके बाद से सेना के अपडेट होने की गति भी बढ़ी है। इसी कड़ी में अब भारतीय वायुसेना अब अपनी मारक क्षमता को और मजबूत करने जा रही है। जल्द ही बड़ी संख्या में 'मेटेओर एयर-टू-एयर मिसाइलें खरीदने की योजना बना रही है। ये मिसाइलें भारत की बियॉन्ड-विजुअल-रेंज (बीवीआर) क्षमता को नई ऊंचाई देंगी। इन यूरोपीय निर्मित मिसाइलों में रैमजेट प्रणोदन प्रणाली है, जो इन्हें उच्च गति, लंबी मारक दूरी और 'पहला वार, पहली जीत में दक्षता प्रदान करती है।बता दे कि पहलगाम हमले के बाद भारतीय सेना पाकिस्तान को नाक से चने बीनने को मजबूर कर दिया था।

एमबीडीए कंपनी से इन मिसाइलों की खरीद का प्रस्ताव रक्षा मंत्रालय में विचाराधीन बताया जा रहा है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, जल्द ही उच्चस्तरीय बैठक में इसे मंजूरी मिलने की संभावना है। वर्तमान में भारतीय वायुसेना के पास 2016 में फ्रांस से खरीदे गए 36 राफेल लड़ाकू विमानों पर पहले से ही मेटेओर मिसाइलें तैनात हैं। आने वाले वर्षों में भारतीय नौसेना के लिए आदेशित 26 राफेल मरीन जेट्स में भी इन मिसाइलों को शामिल किया जाएगा। रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, मेटेओर मिसाइलों की नई खेप मिलने के बाद भारत की हवाई सीमा सुरक्षा और दुश्मन पर दूर से प्रहार करने की क्षमता में गुणात्मक वृद्धि होगी।

भारत ने विदेशी मिसाइलों के साथ-साथ अपनी स्वदेशी मिसाइल प्रणाली को भी सशक्त करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। डीआरडीओ वर्तमान में 700 से अधिक 'अस्त्र मार्क-2' मिसाइलें विकसित कर रहा है, जिनकी मारक क्षमता 200 किलोमीटर से अधिक होगी। इन्हें सुखोई-30 और तेजस विमानों पर लगाया जाएगा। वहीं, राफेल बेड़े को मेटेओर मिसाइलों के साथ-साथ भविष्य में स्वदेशी एंटी-रेडिएशन मिसाइलें देने की भी योजना है। बता दें कि मई में हुए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेनाओं ने पाकिस्तान के कई सैन्य ठिकानों और आतंकी अड्डों को सटीक हमलों में नष्ट कर दिया था। भारतीय लड़ाकू विमानों ने लंबी दूरी से दुश्मन ठिकानों को निशाना बनाया, जिसके बाद पाकिस्तानी वायुसेना ने चीनी पीएल-15 मिसाइलों से जवाबी हमला किया, लेकिन कोई उल्लेखनीय नुकसान नहीं पहुंचा सकी। सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान ने बड़ी संख्या में चीनी पीएल-15 मिसाइलें दागीं मगर वे भारतीय विमानों को हिट करने में नाकाम रहीं।

दिल्ली को विकास की ऊंचाइयों पर ले जाने का किया आह्वान : रेखा

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली को विकास की ऊंचाइयों पर ले जाने का आह्वान करते हुए शनिवार को कहा कि लाल किले की प्राचीन दीवारें दिल्ली के उत्थान, पतन और पुनर्जन्म तीनों की साक्षी रही हैं।

श्रीमती गुप्ता ने लाल किले के ऐतिहासिक प्रांगण में आयोजित 'मेरी दिल्ली, मेरा देश' के समारोह में कहा कि दिल्ली का इतिहास संघर्ष, पुनर्निर्माण और आत्मबल का प्रतीक रहा है। दिल्ली ने अपने लंबे इतिहास में अनेक कठिनाइयों और हमलों का सामना किया, कई बार गिरी, लेकिन हर बार पहले से अधिक दृढ़ होकर उठ खड़ी हुई। लाल किले की प्राचीन दीवारें दिल्ली के उत्थान, पतन और पुनर्जन्म तीनों की साक्षी रही हैं। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि अब समय आ गया है जब दिल्ली के लोग एकजुट होकर शहर को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाएं।

उन्होंने कहा कि दिल्ली की विशेषता उसकी विविधता और अपनापन है। हम सब अलग-अलग राज्यों से आकर दिल्ली में बसे हैं। अपने-अपने मूल राज्य के प्रति सम्मान और प्रेम तो हमारे दिल में सदैव रहेगा, पर हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि दिल्ली भी हमारी है और यह देश भी हमारा है। इसी भावना से इस कार्यक्रम का नाम रखा गया है मेरी दिल्ली, मेरा देश। दिल्ली को अब अपनी पिछली तकलीफों को पीछे छोड़कर आगे बढ़ना है, चाहे वह यमुना की सफाई हो, प्रदूषण पर नियंत्रण हो, हरियाली बढ़ाने का कार्य हो या गली-नालियों व सड़कों के निर्माण का काम, हर क्षेत्र में सुधार और प्रगति हमारी प्राथमिकता है। हमारा लक्ष्य है कि दिल्ली को देश की राजधानी के रूप में एक विकसित, स्वच्छ और सशक्त शहर बनाया जाए। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार ने यह संकल्प लिया है कि राजधानी में अब हर राज्य का राज्य दिवस और राज्य उत्सव पूरे हर्षोल्लास और भव्यता के साथ मनाया जाएगा। दिल्ली अब सचमुच 'मिनी इंडिया' की पहचान बनेगी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने सत्ता संभालने के बाद से हर पर्व और अवसर को दिव्यता और भव्यता के साथ मनाने की परंपरा शुरू की है। उन्होंने कहा कि यह दिल्ली है, देश की राजधानी, जहां हर राज्य का उत्सव पूरे सम्मान और समानता के साथ मनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने नागरिकों से अपील की कि वे दिल्ली को स्वच्छ, हरित और सुंदर बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएँ। उन्होंने कहा कि हम सब एक बड़े परिवार के सदस्य हैं। हर व्यक्ति यदि रोज एक छोटा-सा काम देश के लिए करे, चाहे शहर को साफ रखने का संकल्प हो, हरियाली बढ़ाने की कोशिश हो, नियमों का पालन हो, या किसी जरूरतमंद की मदद करना, तो देश हर दिन 140 करोड़ कदम आगे बढ़ेगा।

शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि 1947 में जब पंजाब से आए लाखों परिवार टूटे मन से दिल्ली पहुंचे थे, तब लाल किले ने उनके आंसू भी देखे थे और सरदार पटेल की वह दृढ़ता भी, जिसने उन्हें यह भरोसा दिया कि 'दिल्ली आपकी भी है।' दिल्ली की रौनक, उसकी ऊर्जा और उसका उद्यम, सबमें उस पंजाबी संघर्ष की छाप है जिसे पटेल ने सुरक्षा और सम्मान दिया था। उन्होंने कहा कि दिल्ली ने तब भी आसरा दिया था और आज भी यही शहर हर संघर्ष को गले लगाकर ताकत में बदल देता है। यही दिल्ली की आत्मा है- आसरा देने की, जोड़कर रखने की, और आगे बढ़ाने की और यही हमारी असली राष्ट्रीय पहचान है, जिसने भारत को एकता और साहस की राजधानी बनाया है।

पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा "मेरी दिल्ली, मेरा देश" केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक भाव है, अपने शहर और अपने देश के प्रति गर्व, जिम्मेदारी और समर्पण का प्रतीक। दिल्ली न सिर्फ भारत की राजधानी है, बल्कि यह भारत के हर कोने से आए लोगों का घर है।

श्री राजमाता जी मंदिर में तुलसी विवाह पर सामूहिक विवाह

नई दिल्ली, एजेंसी। पूजा ऐसी करें जिससे दूसरे का हो भला ओर स्वयं को आनंद प्राप्त हो यह संदेश दिया गया स्वामी श्री राजेश्वरानंद जी महाराज द्वारा श्री राजमाता झंडेवाला मंदिर में देवोत्थान एकादशी तुलसी विवाह पर कन्याओं का विवाह समारोह में भक्तजनों को। सदगुरु राजदरबार के प्रबंधक राम वोहरा ने बताया कि स्वामी श्री राजेश्वरानंद जी महाराज के सान्निध्य में तुलसी शालिग्राम, लक्ष्मी विष्णु, शिव पार्वती रूप में कन्याओं का विवाह किया गया।विवाह पूर्णतः सनातन संस्कृति विधि विधान से पंडित रोहित कौशिक जी द्वारा संपन्न हुआ। मंदिर के मुख्यद्वार पर दूल्हों का आरती वंदन करते हुए स्वागत करने के बाद वर वधु ने एक दूसरे को जयमाला पहनाकर स्वीकार किया।नवदंपतियों को विदाई के समय घरेलू उपयोग की वस्तुएं बिस्तर,कपड़े, बर्तन,आभूषण आदि उपहार स्वरूप संस्थान की ओर से दिए गए।गुरु माता जी के सान्निध्य में वर वधु पक्षों के साथ आए हुए अतिथियों के लिए भोजन प्रसाद की सुंदर व्यवस्था की गई। इस अवसर पर भक्तों को आशीर्वचन देते हुए स्वामी श्री राजेश्वरानंद जी महाराज ने कहा कि पूजा पाठ कर्मकांड के रूप में तुलसी शालिग्राम का विवाह करके एक धार्मिक कार्यक्रम तो हो गया लेकिन क्या प्रत्यक्ष रूप से किसी का भला हुआ? लेकिन तुलसी विवाह ऐसा हो जिससे हम अपनी परम्परा के अनुसार धार्मिक कर्म के साथ पिछड़े अभावग्रस्त परिवारों का योगदान भी हो जाए।कन्यापूजन करें साथ में ध्यान रखें कन्यादान महादान हैं जिससे सृष्टि का विस्तार,कमजोर वर्ग पिता को सम्मान,अनेक चेहरों पर मुस्कान लाकर पुण्य लाभ प्राप्त करता हैं। देवोत्थान एकादशी तुलसी विवाह में राजकुमार उप्रेती,निर्मल गुप्ता,द्वारा सहयोग प्राप्त हुआ।एवं स्थानीय पार्षद रितेश सूजी,पूर्व पार्षद कुसुम तोमर,दधीचि देहदान समिति के अध्यक्ष अशोक बंसल,एक राहत फाउंडेशन से पूजा कालरा,अमित गर्ग,विश्वास शुक्ल, गौशाला से ओम प्रकाश रेवाड़िया चतुर्वेदी,समाज सेवी,नमन जैन,मयंक चतुर्वेदी,हिंदू वाहिनी के मनोज सिंह राजपूत,विमल गुप्ता,राजीव शर्मा, अविता चौधरी,दीपक ठाकुर,अभिषेक जैन ने सेवा में भाग लिया।

दिल्ली का नाम बदलने की मांग बेतुकी, जनता का ध्यान असली समस्याओं से भटकाने की कोशिश: देवेंद्र यादव

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने भाजपा सांसद पर लगाया राजनीतिक एजेंडा थोपने का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने भाजपा सांसद द्वारा दिल्ली का नाम बदलकर इंद्रप्रस्थ रखने की मांग को 'राजनीतिक एजेंडा थोपने और जनता का ध्यान ज्वलंत समस्याओं से भटकाने की कोशिश' बताया है। उन्होंने कहा कि जब राजधानी गंभीर वायु प्रदूषण, जल संकट, परिवहन अव्यवस्था और स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, तब भाजपा नेताओं का नाम बदलने का मुद्दा उठाना जनता के साथ भ्रामक राजनीति है।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सांसद की यह मांग न केवल अव्यावहारिक और असंगत है, बल्कि इससे यह स्पष्ट होता है कि भाजपा जनहित के मुद्दों से विमुख होकर प्रतीकात्मक राजनीति में उलझी हुई है। उन्होंने कहा, 'भाजपा सांसद दिल्ली का नाम बदलने की बात कर रहे हैं, लेकिन उन्हें न तो यमुना के जहरीले जल की चिंता है, न ही दिल्ली के सरकारी अस्पतालों की जर्जर स्थिति की।'

कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकारें दिल्ली की जनता के लिए न तो स्वच्छ हवा ला सकीं, न सुरक्षित पानी। उन्होंने कहा कि छठ पूजा के दौरान लोग प्रदूषित यमुना में डुबकी लगाने को मजबूर हुए, दिवाली के बाद दिल्ली की हवा दमघोंटू बन गई, और सरकारी अस्पतालों में दवाओं से लेकर डॉक्टरों तक की भारी कमी बनी हुई है।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने लाखों गरीब झुग्गीवासियों पर बुलडोजर चलाकर उनकी छतें छीन लीं, जबकि उनके पुनर्वास के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने कहा कि केंद्र में 12 वर्ष और दिल्ली में 11 वर्ष से शासन करने के बावजूद भाजपा और आम आदमी पार्टी ने केवल एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप और भ्रष्टाचार के खेल में समय व्यतीत किया है।

उन्होंने भाजपा की तथाकथित 'ट्रिपल इंजन सरकार' पर भी निशाना साधते हुए कहा कि आठ महीने बीत जाने के बाद भी एक भी चुनावी वादा पूरा नहीं हुआ। महिलाओं को 2500 मासिक मानदेय और 500 प्रति सिलेंडर रियायती दर पर गैस देने के वादे कागजों तक सीमित हैं। वहीं, शिक्षकों की भर्ती में आयु सीमा घटाने के सरकार के निर्णय से हजारों युवा और महिला अभ्यर्थी आक्रोशित हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा का ध्यान सदैव क्रोनी कैपिटलिज्म और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने पर रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सांसद दिल्लीवासियों को राहत देने के बजाय विवाद और अराजकता फैलाने वाली मांगें उठा रहे हैं, जिससे जनता का ध्यान बढ़ते प्रदूषण, महंगाई और बेरोजगारी से हटाया जा सके।

श्री यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार ने दिल्ली के गरीबों को प्लॉट और आवास देकर उनके जीवन स्तर में सुधार किया। उन्होंने कहा, 'आज दिल्ली का जो भी आधुनिक बुनियादी ढांचा है (सड़कों, फ्लाईओवरों, अस्पतालों और मेट्रो नेटवर्क तक) वह कांग्रेस शासन की देन है। भाजपा और आप सरकारें केवल प्रचार और जुमलों तक सीमित रहीं।'

अंत में श्री देवेंद्र यादव ने कहा कि भाजपा सांसदों को नाम बदलने के बजाय दिल्ली की वास्तविक समस्याओं (स्वच्छ हवा, स्वच्छ जल, सस्ती बिजली, महंगाई नियंत्रण और रोजगार सृजन) पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, क्योंकि दिल्ली को आज राजनीतिक प्रतीकों नहीं, बल्कि वास्तविक समाधान की आवश्यकता है।

केजरीवाल की भविष्यवाणी 'सच', भाजपा सरकार पर मोहल्ला क्लीनिक बंद करने और कर्मचारियों को निकालने का गंभीर आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित दिल्ली सरकार पर मोहल्ला क्लीनिक बंद करने और कार्यरत कर्मचारियों को बर्खास्त करने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की वह भविष्यवाणी सच साबित हो रही है, जिसमें उन्होंने भाजपा के सत्ता में आने पर जन-सुविधाओं को बंद किए जाने की आशंका व्यक्त की थी। भारद्वाज ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर कर्मचारियों से किए गए वादे से मुकरने का भी इल्जाम लगाया है।

रविवार को एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए, 'आप' नेता सौरभ भारद्वाज ने भाजपा सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री केजरीवाल ने स्पष्ट रूप से आगाह किया था कि यदि भाजपा सत्ता में आई, तो वे सभी जन-सुविधाएं बंद कर देंगे। भारद्वाज ने जोर देकर कहा कि आज यह बात पूरी तरह सच साबित हो गई है।

मोहल्ला क्लीनिकों को बंद करने का दावा

भारद्वाज ने आरोप लगाया कि दिल्ली की भाजपा सरकार ने दीपावली के पर्व पर मोहल्ला क्लीनिकों में कार्यरत सैकड़ों कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। उन्होंने दावा किया कि सरकार ने अगस्त माह में 31 मोहल्ला क्लीनिक बंद किए थे और अब 170 और मोहल्ला क्लीनिक बंद कर दिए हैं। भारद्वाज के अनुसार, इन क्लीनिकों से प्रतिदिन लगभग 20,000 हजार नागरिक दवाइयाँ और स्वास्थ्य परामर्श प्राप्त करते थे, जो अब संभव नहीं हो पाएगा। यह कदम सीधे तौर पर आम जनता को प्रभावित करेगा।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर वादाखिलाफी का इल्जाम

आप' नेता ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि मोहल्ला क्लीनिक के कर्मचारियों ने पूर्व में उनसे मिलकर अपनी नौकरी बचाने के लिए निवेदन किया था। उस समय मुख्यमंत्री ने कर्मचारियों को यह आश्वासन दिया था कि जब उनकी सरकार 'आरोग्य मंदिर' का निर्माण करेगी, तो सबसे पहले इन्हीं कर्मचारियों को रोजगार दिया जाएगा। भारद्वाज ने कहा, "लेकिन इस बार भी उनका कथन असत्य सिद्ध हुआ है।"

बस मार्शल कर्मचारियों का भी मुद्दा उठाया

सौरभ भारद्वाज ने बस मार्शल कर्मचारियों की बर्खास्तगी का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार भाजपा ने 10,000 से अधिक बस मार्शलों को नौकरी से निकाला था और वादा किया था कि भाजपा सरकार बनने पर 90 दिन के भीतर उन्हें नौकरी वापस दी जाएगी, लेकिन आज उनकी भी सुनवाई नहीं हो रही है। 'आप' नेता ने दिल्ली सरकार से मोहल्ला क्लीनिक कर्मचारियों को तत्काल बहाल करने और आम आदमी को मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं को बाधित न करने की माँग की।

आईपी यूनिवर्सिटी के प्रो. गुलशन धमीजा बने केंद्रीय आयुवेर्दीय विज्ञान अनुसंधान परिषद के सदस्य

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपी यूनिवर्सिटी के यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ बेसिक एंड एप्लाइड साइंसेज के प्रो. गुलशन धमीजा को आयुष मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली संस्था 'केंद्रीय आयुवेर्दीय विज्ञान अनुसंधान परिषद' का सदस्य बनाया गया है। परिषद की अधिसूचना के अनुसार प्रो. धमीजा 'केमिस्ट्री' के सब्जेक्ट एक्सपर्ट के रूप में इस परिषद के सदस्य रहेंगें और इस सब्जेक्ट से संबद्ध परिषद की कार्य योजनाओं पर अपनी एक्सपर्ट राय देंगे। प्रो. धमीजा आईपी यूनिवर्सिटी में केमिस्ट्री के प्रोफेसर के साथ-साथ परीक्षा नियंत्रक का कार्य भी संभाले हुए हैं। देश -विदेश की कई संस्थाओं के सदस्य हैं। शिक्षण और शोध के छेत्र में कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मान एवं पुरस्कारों से नवाजे जा चुके हैं। दिल्ली सरकार से 'बेस्ट टीचर' का अवार्ड भी पा चुके हैं। यूनिवर्सिटी के कुलपति पद्मश्री प्रो.(डॉ.) महेश वर्मा ने उनकी इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

मुखयमंत्री ऑफिस के फर्जी लेटर हेड से गरीब मरीजों को 'मुफ्त इलाज' का झांसा देने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की सिविल लाइंस थाना टीम ने मुख्यमंत्री कार्यालय के नाम पर फर्जी पत्र बनाकर गरीब मरीजों से ठगी करने वाले एक जालसाज को गिरफ्तार किया है। आरोपित एमसीडी में ठेके पर माली के पद पर काम करता था और खुद को मुख्यमंत्री कार्यालय का अधिकारी बताकर निजी अस्पतालों को फर्जी लेटर भेजता था।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपित की पहचान हरियाणा निवासी सोनू (27) के रूप में हुई है। वह टैगोर गार्डन के डबल स्टोरी इलाके में किराए पर रहता था। आरोपित मरीजों को यह झांसा देता था कि वह मुख्यमंत्री ऑफिस से ईडब्ल्यूएस श्रेणी में मुफ्त इलाज का पत्र दिला सकता है। इसके बदले वह प्रति मरीज पांच हजार रुपये लेता था।

उत्तरी जिले के पुलिस उपायुक्त राजा बंथिया ने रविवार को बताया कि मामला तब सामने आया जब महाराजा अग्रसेन अस्पताल ने मुख्यमंत्री कार्यालय से आए एक संदिग्ध पत्र की पुष्टि के लिए मेल किया। पत्र में कई जगह स्पेलिंग की गलतियां और गलत फॉर्मेट था। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपित सोनू ने मुख्यमंत्री ऑफिस के असली पत्र की कॉपी लेकर उसी के लेटर हेड पर फर्जी पत्र तैयार किए थे। वह अस्पतालों को फोन कर खुद को ह्लबलबीर सिंह राठी, अधिकारी बताकर इलाज के निर्देश देता था।

पुलिस उपायुक्त के अनुसार सोनू को पुलिस ने तकनीकी निगरानी और मुखबिरों की मदद से ए ब्लॉक, डबल स्टोरी, टैगोर गार्डन से गिरफ्तार किया। उसके पास से एक मोबाइल फोन (दो सिम कार्ड सहित), फर्जी सीएम ऑफिस के पत्र, एक नकली एमसीडी आईडी, हरियाणा सरकार की फर्जी आईडी, एक असली पत्र (सीएम ऑफिस से जारी) और फर्जी नंबर प्लेट वाली मोटरसाइकिल बरामद की गई।

पूछताछ में सोनू ने बताया कि उसे कुछ महीने पहले एमसीडी के डाक में सीएम ऑफिस का एक पत्र मिला था, जिसे उसने चोरी कर लिया और उसी की मदद से फर्जी लेटर बनाकर ठगी शुरू कर दी। आरोपित गूगल ट्रांसलेट का इस्तेमाल करके मरीजों का नाम-पता फर्जी पत्रों में डालता था और अस्पताल प्रशासन को फोन कर दबाव बनाता था।

जांच में पता चला है कि सोनू का जन्म झज्जर, हरियाणा के बादली गांव में हुआ था। पिता की मौत के बाद उसने पढ़ाई छोड़ दी और विभिन्न नगरपालिकाओं में माली व चौकीदार के रूप में काम किया। 2023 में वह दिल्ली आया और एमसीडी के करोल बाग जोन में अनुबंधित कर्मचारी के रूप में नियुक्त हुआ। वह विवाहित है और एक बेटे का पिता है।

एक नजर

छह एलिवेटेड कॉरिडोर घटाएंगे रिंग रोड का जाम

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में 55 किलोमीटर लंबे रिंग रोड को जाम मुक्त बनाने के लिए पीडब्ल्यूडी इस पर छह एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने की तैयारी में है। इस प्रोजेक्ट के लिए अध्ययन एवं डीपीआर तैयार करने का काम एक कंपनी को सौंप दिया गया है। पीडब्ल्यूडी के अनुसार एईकॉम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को 3डी मॉडल, तकनीकी डिजाइन, लागत अनुमान और चरणबद्ध क्रियान्वयन रणनीतियों सहित एक वैज्ञानिक डीपीआर 24 सप्ताह में मंत्री को सौंपनी होगी। इसके बाद इस कार्य के लिए टेंडर जारी होगा। पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने बताया कि इस प्रोजेक्ट से दिल्ली के जाम में बड़ी राहत मिलेगी। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के अनुसार रिंग रोड पर कई फ्लाईओवर बनाए गए हैं, लेकिन उस पर बॉटलनेक बनते हैं। इस वजह से मोती बाग, आजादपुर, डीएनडी, कश्मीरी गेट बस अड्डा, राजौरी गार्डन आदि स्थानों पर जाम की समस्या रहती है। रोजाना रिंग रोड से लगभग 25 लाख गाड़ियां गुजरती हैं जिसके चलते इस पर काफी दबाव भी रहता है। इसे ध्यान में रखते हुए तय किया गया है कि रिंग रोड के ऊपर एलिवेटेड कॉरिडोर बनाए जाएं। इससे लंबी दूरी तय करने वाले लोगों को रिंग रोड की जगह एलिविटेड कॉरिडोर से जाने का रास्ता मिलेगा। इस परियोजना के पूरा होने से रिंग रोड पर भी वाहनों का दबाव कम होगा और लोगों का समय एवं ईंधन बचेगा। पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य प्रमुख चौराहों को जाम मुक्त करना है। छह चरणों में होगा कॉरिडोर का विकास 1. आजादपुर फ्लाईओवर (मंडी) - हनुमान मंदिर (आईएसबीटी) - 9.5 किलोमीटर 2. हनुमान मंदिर (आईएसबीटी) - डीएनडी फ्लाईओवर - 11.5 किलोमीटर 3. डीएनडी फ्लाईओवर - मोती बाग मेट्रो स्टेशन - 10.5 किलोमीटर 4. मोती बाग मेट्रो स्टेशन - राजौरी गार्डन - 10 किलोमीटर 5. राजौरी गार्डन - आजादपुर फ्लाईओवर : 13.5 किलोमीटर 6. चंदगी राम अखाड़ा - मजनूं का टीला (आउटर रिंग रोड) - 2.5 किलोमीटर ये फायदा होगा - रिंग रोड के सभी हिस्सों में यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी आने की उम्मीद - आईएसबीटी, मोती बाग और डीएनडी जैसे भीड़भाड़ वाले चौराहों पर जाम में राहत मिलेगी - सुगम ट्रैफिक प्रवाह से वायु गुणवत्ता में सुधार होगा - औद्योगिक, वाणिज्यिक और आवासीय क्षेत्रों के बीच कनेक्टिविटी बढ़ेगी, जिससे आर्थिक गतिविधियां तेज होंगी

'सनी साई गैंग' का मुख्य सप्लायर गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने अंतरराज्यीय अवैध हथियार सप्लाई नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस संबंध में सनी साई गैंग को हथियार सप्लाई करने वाले मुख्य आरोपित गुरमीत सिंह (32) को गिरफ्तार किया है। आरोपित बागपत (उप्र) का रहने वाला है। उसके साथ हथियार खरीदने वाले आरोपित सुमित (27) को भी दबोचा है। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदोरा ने बताया कि इंस्पेक्टर कृष्ण कुमार और इंस्पेक्टर मंजीत सिंह की टीम ने गुप्त सूचना पर बागपत में छापा मारकर गुरमीत को खेत में बने ट्यूबवेल से गिरफ्तार किया। वहीं, उसकी निशानदेही पर सुमित को द्वारका के डाबडी-गुरुग्राम रोड से पकड़ा। उसके पास से एक पिस्टल, दो जिंदा कारतूस और चोरी की कार बरामद हुई। यह कार साउथ कैंपस थाना इलाके से चोरी की गई थी। वहीं जांच में सामने आया कि गुरमीत बीबीए ग्रेजुएट है और पहले भी हत्या, हत्या की कोशिश और आर्म्स एक्ट जैसे कई मामलों में जेल जा चुका है। पुलिस उपायुक्त के अनुसार वर्ष 2019 में विकासपुरी स्थित पीवीआर में झगड़े के बाद उसे गिरफ्तार किया गया था। जेल से छूटने के बाद वह सनी साई, सलाम त्यागी और सद्दाम गौरी जैसे कुख्यात गिरोहों से जुड़ गया और हथियार सप्लाई करने लगा। वह बागपत के खेतों में बने ट्यूबवेल कमरों में ठहरकर हथियारों की टेस्ट फायरिंग करता था ताकि पुलिस की नजर से बच सके। वहीं पकड़ा गया सुमित पहले दिल्ली में सिविल डिफेंस वालंटियर के रूप में काम करता था। अनुबंध खत्म होने के बाद उसने अपराध की राह पकड़ ली। राजस्थान पुलिस ने उसके खिलाफ मुरलीपुर, जयपुर वेस्ट में हुई सनसनीखेज लूट मामले में 10,000 का इनाम घोषित कर रखा है।

मामूली झगड़े में युवक को मारी गोली, आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण पूर्वी जिले के गोविंदपुरी इलाके में शनिवार देर रात मामूली झगड़ा खूनखराबे में बदल गया। झगड़े के दौरान बदमाश अब्दुल कादिर उर्फ लल्ला ने राजकुमार नामक युवक पर ताबड़तोड़ तीन गोलियां चला दीं। गोलियां लगने से राजकुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। जबकि पास खड़े अमन जोशी के हाथ में भी गोली लगी। पुलिस ने आरोपित को कुछ ही घंटों में दबोच लिया है। जानकारी के मुताबिक, घटना रात करीब एक बजे संत निरंकारी स्कूल, नेहरू कैंप, फतेह सिंह रोड के पास की है। राजकुमार अपने साथियों के साथ जगरन चौकी के पीछे मौजूद था। तभी आरोपित अब्दुल कादिर वहां पहुंचा। दोनों में कहासुनी हुई और गुस्से में कादिर ने पिस्तौल निकालकर फायरिंग शुरू कर दी। तीन गोलियां चलीं–एक राजकुमार के पैर में, दूसरी पेट में और तीसरी हाथ में लगी। अमन जोशी को भी हाथ में गोली छूकर निकल गई। घायल दोनों को पहले मजीदिया अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें एम्स ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और महज दो घंटे में आरोपित को धर दबोचा। उसके कब्जे से खून से सने कपड़े और एक खाली कारतूस बरामद हुआ है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपित अब्दुल कादिर उर्फ लल्ला (40) ट्रांजिट कैंप, गोविंदपुरी का रहने वाला है और वहां मीट की दुकान चलाता है। वह थाना गोविंदपुरी का घोषित बदमाश है। उस पर पहले से हत्या समेत सात आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह हाल ही में हत्या के एक मामले में दो माह पहले ही जमानत पर छूटा था।

रोडरेज की शिकायत करने पहुंचा थाने, चोरी में गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। कापसहेड़ा इलाके में एक चोर की गिरफ्तारी का अजब-गजब मामला सामने आया है। 29 अक्तूबर को कापसहेड़ा इलाके में पुलिस को रोडरेज में कार चालक द्वारा स्कूटी सवार एक युवक की पिटाई करने की सूचना मिली थी। पुलिस कार्रवाई के लिए स्कूटी सवार को थाने ले आई। यहां चोरी की शिकायत करने पहुंचे लोगों ने रोडरेज के पीड़ित के पास अपना सामान देख तुरंत पहचान लिया। जिसके बाद पुलिस ने चोरी की शिकायत दर्ज कर स्कूटी चालक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि लाल चंद तीन साथियों के साथ समालखा इलाके में किराए के मकान में रहते हैं। चारों हरियाणा के पलवल के रहने वाले हैं और पेंटिंग का काम करते हैं। पुलिस को दी शिकायत में लाल चंद ने बताया कि 29 अक्तूबर की रात चारों साथी देर से घर आए थे और करीब 12 बजे सोने चले गए। रात करीब 3 बजे उनके साथी तेज राम की नींद खुली, तो उसने पाया कि घर से उसका मोबाइल, लाल चंद का बैग चोरी हो गया है। पीड़ितों ने पुलिस को फोन किया, तो उन्हें सुबह थाने आकर रिपोर्ट दर्ज कराने को कहा गया। उधर, इसी रात कापसहेड़ा थाना पुलिस को बिजवासन इलाके से रोडरेज की सूचना मिली। फोन करने वाले स्कूटी सवार ने बताया कि कार में टक्कर लगने पर उसके चालक ने मारपीट कर दी है। पुलिस मौके पर पहुंची तो पता चला कि कार सवार भाग चुका है। पुलिस पीड़ित युवक का इलाज कराने के बाद थाने लेकर पहुंची।

जेंडर भेदभाव समाप्ति व महिला सशक्तिकरण पर दलित अधिकार केंद्र का क्षमता वर्धन कार्यक्रम संपन्न

राजेंद्र

राजस्थानः दलित अधिकार केन्द्र के तत्वाधान में दिनांक 31 अक्टूबर 2025 को जेंडर पोस पर कर्मचारियों का विशिष्ट क्षमता वर्धन निर्माण कार्यक्रम का आयोजन होटल डी विज गणेश मार्ग महेश नगर जयपुर में किया गया कार्यक्रम का संचालन केंद्र के उपनिदेशक चंदा लाल बेरवा ने किया केंद्र के मुख्य कार्यकारी एडवोकेट हेमंत मीमरोट ने कार्यक्रम के उद्देश्य बताते हुए कहा कि दलित अधिकार केंद्र दलित एवं महिलाओं व बच्चों के लिए पिछले 20 साल से कम कर रहा है दलित एवं महिलाओं में भेदभाव खत्म करने के लिए दलित अधिकार केंद्र के महिलाओं में सुरक्षा व जेंडर के बारे में सब सभी को बताया की जेंडर एक सामाजिक सोच है जेंडर भेदभाव समाप्त करने के लिए हमें स्वयं से ही परिवर्तन करना प्रारंभ करना होगा ताकि महिलाओं एवं बच्चों की स्थिति सुधर सके बाबा साहब ने भी महिलाओं की प्रगति उसे देश के विकास का पैमाना माना था महिलाओं को सुरक्षा के लिए बहुत से कानून बनाए गए हैं हमें उसकी जानकारी होनी चाहिए बाबा साहब ने महिलाओं के लिए हिंदू कोड बिल अधिनियम में

महिलाओं की स्थिति सुधारने का प्रयास किया महिलाओं को संपत्ति का अधिकार समान काम के लिए समान वेतन जैसे अधिकार की बातें की शिविर में केंद्र के निदेशक एडवोकेट सतीश कुमार ने जेंडर भेदभाव के बारे में विस्तृत रूप से बताया और बाबा भीमराव अंबेडकर ने भी कहा था कि मैं समाज का आकलन इस दृष्टि से करता हूं कि उसे समझ में महिलाओं की भागीदारी कितनी है और उन्हें प्रगति के कितने अवसर प्राप्त होते हैं जब तक शिक्षा का स्तर ऊंचा नहीं उठेगा तब तक महिलाओं में जागरूकता नहीं आएगी इसके साथ ही बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने हिंदू कोड बिल में महिलाओं के लिए बहुत सारे कानून बनाए थे यदि हम आज जागरूक नहीं होते हैं तो हमारा समाज बहुत पीछे हो जाएगा महिलाओं में जेंडर भेदभाव ना हो इसके लिए हमें एक स्वस्थ वातावरण तैयार करना होगा साथ ही दलित अधिकार केंद्र में जेंडर भेदभाव खत्म करने के लिए तथा स्वस्थ वातावरण बनाने के लिए पॉलिसी का निर्माण किया जाता है सुनीता देवीबैरवा जिला समन्वय दलित अधिकार केंद्र दौसा ने बताया कि दलित अधिकार केंद्र को सुचारू रूप से चलने के लिए इस पॉलिसी व आंतरिक समिति का गठन किया गया है महिलाओं में सत्ता में भागीदारी नीति निर्माण में भागीदारी और सामाजिक को प्रथम पर प्रहार करने के लिए हमें मानसिक रूप से मजबूत होना होगा इसकी शुरूआत हमें स्वयं से करनी होगी साथ ही बाबा साहब ने संविधान के अनुच्छेद 13 में सभी रूढ़ियों मान्यताएं प्रथाएं संविधान लागू होते ही मान्य नहीं रहे हैं।

मंजू बेरवा अध्यापिका दौसा ने बताया कि शिक्षा पर आज के समय में बहुत ध्यान देने की जरूरत है बच्चे और बच्चियों में भेद नहीं करना चाहिए दोनों को शिक्षा का पूर्ण अधिकार होना चाहिए मां-बाप का कर्तव्य है कि वह शिक्षा लड़कियों को भी विशेष रूप से दिलवाएं यह एक बहुत बड़ा महिलाओं के लिए बराबरी लाने के लिए सफल प्रयास है परंतु आज भी वास्तविक रूप में इतना व्यवस्थाएं होने के बावजूद महिलाओं को जेंडर भेदभाव का सामना करना पड़ता हैकैलाश खड़िया सामाजिक कार्यकर्ता विराट नगर जयपुर ने बाबा भीमराव अंबेडकर के बारे में बताते हुए कहा कि बाबा साहब ने महिलाओं के लिए बहुत काम किया है समाज दलित उपजातियां में बात हुआ है और हमें कहीं ना कहीं इस आपसे मनमुटाव वह जातिगत वर्गीकरण को समाप्त कर एक होना होगा संगीता अजमेर सामाजिक कार्यकर्ता ने बताया कि हमें संविधान की जानकारी नहीं है हमें संविधान के बारे में ज्यादा से ज्यादा पढ़कर महिलाओं में भेदभाव खत्म करना होगा तथा अंधविश्वासों को खत्म करना होगा।

खुशबू सोलंकी एडवोकेट राज्य समन्वयक दलित अधिकार केंद्र जयपुर ने बताया कि महिलाएं को आगे बढ़ाने के लिए आर्थिक रूप से मजबूत होने की जरूरत है और कार्य स्थल पर यौन शोषण अधिनियम के बारे में बताते हुए कहा प्रत्येक जिले में स्थानीय स्तर पर एक कमेटी बनी हुई है तथा 10 लोगों से ऊपर किसी संस्था के सदस्य होने पर आंतरिक कमेटी का गठन करना आवश्यक है ताकि महिलाओं के गरिमा एवं सुरक्षा की जा सके और बताया कि कार्यस्थल पर उत्पीड़न के समान अन्य कर्मचारियों के व्यवहार से प्रभावित एक पीड़ित महिला कर्मचारियों को घटना के 3 महीने के भीतर शिकायत समिति के किसी भी सदस्य को मामले के रिपोर्ट लिखित में करनी चाहिए ऐसी रिपोर्ट एवं जांच में की गई कार्रवाई के साथ-साथ यौन उत्पादन कि पीड़िता की पहचान के संबंध में गोपनीयता हमेशा बनाए रखे जाने चाहिए कमेटी 10 दिन के अंदर अपनी जांच पूरी करने का प्रयास करेगी सूरज्ञान बैरवा सामाजिक कार्यकर्ता सवाई माधोपुर ने बताया कि मैं खुद परिवार में जेंडर भेदभाव को समाप्त करने का प्रयास किया है साथ ही अंधविश्वासों पर प्रहार कर समाज का विकास करने का प्रयास किया है।

प्रिया कुमारी सामाजिक कार्यकतार्ने बताया कि हमारे समाज में दिखावा करने के चक्कर में लोग आर्थिक रूप से कमजोर हो जाते हैं और जरूर से ज्यादा खर्च करते हैं इसीलिए हमें जोरों से ज्यादा खर्च नहीं करना चाहिए तथा फालतू खर्चों को बंद कर देना चाहिए उन पैसों को अपने बच्चों के शिक्षा पर लगे मुक्ति बैरवा सामाजिक कार्यकर्ता ने बताया कि दलित महिलाओं में बच्चों के लिए सुरक्षा हेतु बहुत से कानून बनाए गए हैं और कानून का पालन कर कर उन्होंने सुरक्षित वह सही ढंग से कानून को लागू करवाना हमारी जिम्मेदारी है सभी की मानसिकता संवेदनशील होनी चाहिए

महिलाओं का प्रति संवेदनशील होना होगा शिविर में सामाजिक कार्यकर्ता अपने-अपने विचार रखे। उक्त शिविर में 40 विभिन्न कार्यकताओं ने भाग लिया।

एक नजर

खेड़ली मोड़ क्षेत्र में बस पेड़ से टकराई, 70 यात्री घायल

रणधीर सिंह

उत्तर प्रदेशः भरतपुर जिले के खेड़ली मोड़ क्षेत्र में उत्तर प्रदेश रोडवेज की बस अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। बस में 70 यात्री मौजूद थे। घटना के बाद 7 एम्बुलेंस से 30 घायलों को महुआ के सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां 5 यात्रियों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें जयपुर रेफर कर दिया गया। घटना में ड्राइवर और कंडक्टर को भी चोटें आई।

प्राप्त जानकारी अनुसार बस जयपुर से आगरा की तरफ जा रही थी। बस इतनी रफ्तार में थी कि बस पेड़ से टकराकर उसे चीरते हुए आगे निकल गई। बस अचानक अनियंत्रित हुई और रोड किनारे बबूल के पेड़ से टकरा गई। बस के पेड़ से टकराते ही मौके पर चीख पुकार मच गई। राहगीरों ने तुरंत घटना की सूचना खेड़ली मोड़ थाना पुलिस को दी। विस्तृत विवरण की प्रतीक्षा।

डीग में जन्मदिन की पार्टी के दौरान सड़क हादसा, चिंटू सैनी गंभीर, दो दोस्त घायल

रणधीर सिंह/उत्तर प्रदेशः डीग कस्बे में अपनी जन्मदिन की पार्टी के दौरान दो दोस्तों के साथ बाइक में पेट्रोल भरवाने निकले एक युवक की बाइक को तेज रफ्तार दूसरी बाइक द्वारा मारी गई टक्कर के बाद गम्भीर हालत में डीग अस्पताल से भरतपुर के आरबीएम अस्पताल रैफर किया गया। प्राप्त जानकारी अनुसार कस्बे में गणेश मंदिर के पास दो बाइकों की हुई आमने-सामने की टक्कर में जन्मदिन पार्टी मना रहा बस स्टैंड पर गन्ने के जूस की दुकान चलाने वाला बंधा रोड निवासी चिंटू सैनी (23) पुत्र रामकिशन, उसका दोस्त मूला सैनी (18) पुत्र गुड्डू सैनी और दीपक (16) पुत्र भाग सिंह घायल हो गए। प्राप्त जानकारी अनुसार राहगीरों की मदद से सभी घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया जहां उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद चिंटू सैनी को रेफर किया गया जबकि उसके दोनों दोस्तो का डीग अस्पताल में इलाज जारी है। दुर्घटना के बाद दूसरी बाइक का सवार व्यक्ति मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मुरादाबाद में शिवसेना का विस्तार, ललित मोहन शर्मा ने किए कई पदाधिकारियों की नियुक्ति

अजय सक्सेना/उत्तर प्रदेशः पश्चिम उत्तरप्रदेश प्रमुख माननीय ललित मोहन शर्मा जी द्वारा मुरादाबाद मे शिवसेना को और अधिक विस्तार देने की दिशा मे आज मुरादाबाद जिलाप्रमुख गुड्डू सैनी को पदोन्नति कर मंडल प्रमुख मंडल मुरादाबाद बनाया गया , श्री नितिन वर्मा को मंडल प्रभारी, बाबा कुशल सिंह को प्रचारक पश्चिम उत्तरप्रदेश प, नन्हे चौधरी उर्फ दिनेश को जिला प्रमुख मुरादाबाद के पद पर नियुक्त किया गया श्री मनोज कुमार को जिला प्रभारी, रजत शोत्रिय को महानगर प्रमुख पद पर नियुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त श्री रामप्रसाद प्रजापति को पुनः उनके पूर्व पद पश्चिम उत्तरप्रदेश सचिव की जिम्मेदारी दी गई है, सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को अनुशासन मे रहते हुए शिवसेना प्रमुख आदरणीय एकनाथ शिंदे जी, राष्ट्रीय सचिव आदरणीय अभिजीत एडसूल जी, शिवसेना समन्यक आदरणीय श्री गुलाब दूबे जी के दिशा निदेर्शों पर कार्य करने और शिवसेना को अपने अपने कार्य क्षेत्र मे सक्रिय रूप से विस्तार देने के निर्देश दिए।

पुरानी करेंसी बरामदगी पर पुलिस मौन, 64 घंटे बाद भी नहीं आया बयान

7

नरेंदर

उत्तर प्रदेशः पुरानी करेंसी पकड़े जाने के मामले में पुलिस पर गंभीर आरोप, 64 घंटे बाद भी नहीं आया आधिकारिक बयान गाजियाबाद। शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र में पुरानी करेंसी पकड़े जाने के मामले में पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। बताया जा रहा है कि रिकवरी के 64 घंटे बीत जाने के बाद भी पुलिस ने कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

सूत्रों के अनुसार, शालीमार गार्डन पुलिस ने पूरी रिकवरी तक सार्वजनिक नहीं की, जबकि मौके से मैनपुरी के रहने वाले पांच आरोपियों को हिरासत में लिया गया था।स्थानीय सूत्रों का दावा है कि पुलिस और आरोपियों के बीच समझौते जैसी स्थिति बनी, जिसके चलते बरामद रकम को छिपाने का प्रयास किया गया। इस दौरान नदीम नाम के एक प्राइवेट व्यक्ति की भूमिका भी सामने आई है, जिसने कथित तौर पर थाने पर मौजूद रहकर रकम हटवाने में मदद की। सबसे हैरानी की बात यह है कि थाना प्रभारी की मौजूदगी में ही रकम हटवाई गई, और इस पूरे मामले में एसीपी व डीसीपी स्तर के अधिकारी भी मौन हैं। घटना करन गेट चौकी क्षेत्र की बताई जा रही है, जहां यह कथित खेल हुआ। स्थानीय लोगों और सोशल मीडिया पर इस मामले को लेकर पुलिस की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। अधिकारियों ने हालांकि

नवादा विधानसभा क्षेत्र का चौमुखी विकास ही मेरा लक्ष्य है, अनीता मेहता

संजय कुमार वर्मा

उत्तर प्रदेशः नवादा विधानसभा क्षेत्र से भारतीय लोग चेतना पार्टी सह जन आशीर्वाद पार्टी के प्रत्याशी अनीता मेहता ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर मतदाताओं से मिलकर गांव गांव जा कर खटिया छाप पर वोट देने की अपील कर रही हैं।वे शनिवार को अपने समर्थकों के साथ नवादा विधानसभा के दर्जनों गांव जैसे अकौना , भगवानपुर कहूंआरा,परमा गांव जा कर मतदाताओं से मिलकर खटिया छाप चार नंबर पर वोट देने की अपील की हैं।

वहीं अनीता मेहता ने गांव के हर टोले मुहल्ले में मतदाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि गरीबों का उत्थान कर नवादा विधानसभा क्षेत्र का चौमुखी विकास ही मेरा

लक्ष्य है।इसके लिए हर तबके के लोगों का समर्थन जरूरी है ।और राष्टीय अध्यक्ष निशिकांत सिन्हा जी के हाथों को मजबूत बनाना है तभी यह कार्य पूरा होना संभव है।

ग्रामीण तथा महादलित टोले के निवासियों से बातचीत करते हुए अनीता मेहता ने कहा कि शिक्षा स्वास्थ्य सुरक्षा के साथ ही रोजगार के क्षेत्र में नवादा को बिहार में अव्वल बनाना मेरी प्राथमिकता है। जब समाज के सभी वर्ग के लोग जात-पात से ऊपर उठकर चुनावी महापर्व में मेरा समर्थन करेंगे तभी हम विकसित नवादा की परिकल्पना को साकार कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हर गांव में जनसंपर्क यात्रा में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित होकर उनका मनोबल बढ़ा रहे हैं । यही भीड़ बदलाव करने का फैसला कर लिया है ।

लेकिन यह तभी संभव होगा जब यह भीड़ 11 नवंबर को वोट में तब्दील हो जाएगा। अनीता मेहता ने कहा है कि एक बार मेरे ऊपर भरोसा कर आप मुझे विधायक बनाएं ।मैं जीवन भर आपके भरोसे के लायक बनकर आपकी सेवा करती रहूंगी उन्होंने विकास एवं बदलाव को लेकर इवीएम में क्रम संख्या 4 पर खटिया छाप पर बटन दबाकर वोट करने की मतदाताओं से अपील की ग्रामीणों ने फूलमाला से स्वागत करते हुए अनीता मेहता को मदद करने का भरोसा दिलाया मौके पर सैकड़ों लोग साथ साथ चल रहे थे।

समाजसेवी सुजीत यादव सपा में हुए शामिल

जिले के वरिष्ठ नेताओं से की शिष्टाचार मुलाकात

रामकेश विश्वकर्मा

उत्तर प्रदेशः जनपद गाजीपुर मे बड़सरा गाजीपुर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव जी का गाजीपुर दौरे पर गाजीपुर के सुप्रसिद्ध समाजसेवी , पिछड़ा दलित विकास महासंघ एवं यादव महासभा गाजीपुर के जिलाध्यक्ष सुजीत यादव को सपा पार्टी की लाल टोपी पहनाकर पार्टी में शामिल किए थे । सुजीत यादव ने शीर्ष नेतृत्व सहित जिले के नेताओं का आभार व्यक्त किये थे। पर एक अनोखी पहल के साथ सुजीत यादव जिले के नेताओं से व्यक्तिगत शिस्टाचार भेंट कर रहे है उसी सिलसिला में आज गाजीपुर

के समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष गोपाल यादव , पूर्व जिलाध्यक्ष रामधारी यादव ,पूर्व जिलाध्यक्ष सुदर्शन यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष नन्हकू यादव , पूर्व डीआईजी बालिकरन यादव,विधानसभा जखनियां के अध्यक्ष अवधेश यादव राजू जी, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष परशुराम बिन्द , जिलाध्यक्ष महिला सभा विभा पाल वरिष्ठ नेता नरसिंह यादव, अनिल यादव पूर्व सदस्य जिला पंचायत एवं वरिष्ठ नेताओं से शिष्टाचार मुलाकात कर आशीर्वाद प्राप्त किए। जिलाध्यक्ष गोपाल यादव ने 3 तरिख के जिला मासिक बैठक का निमंत्रण दिया और बताया कि उसी बैठक में सब नेताओं से परिचय होगा और सबका स्वागत सुजीत यादव करेंगे इस मौके पर रामज्ञान सिंह यादव कार्यकारी जिलाध्यक्ष यादव महासभा, पुनीता सिंह खुश्बू, पूजा गौतम, बैजनाथ यादव बैजू, जैराम भारती आदि उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता में स्वास्ति जैन ने जीता गोल्ड, अब करेंगी मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व

अरविंद कुमार दुबे

मध्य प्रदेशः इंदौर में आयोजित 69 वी राज्य स्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता में 17 वर्षीय जूनियर बालिका वर्ग से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सर्रा की कक्षा - 11 वी की छात्रा स्वास्ति जैन ने प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल प्राप्त किया एवं पूरे नरसिंहपुर जिले का नाम रोशन किया एवं अपने माता पिता एवं विद्यालय को गौरवान्वित किया छात्र स्वास्ति जैन अब आगे मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए नेशनल प्रतियोगिता में शूटिंग हेतु भाग लेंगी छात्रा गोटेगांव हरदौल वार्ड निवासी किसानी मोहल्ला पिता श्री राजीव जैन उर्फ टीनू श्रीमती वर्षा जैन

की बेटी एवं शिक्षक राहुल रंजन जैन जी की भतीजी हैं छात्रा की इस उपलब्धि पर परिवार जनों एवं संस्था के प्राचार्य श्री डी एल उईके जी एवं समस्त स्टाफ विद्यालय परिवार शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सर्रा शुभकामनाएं प्रेषित कर छात्रा के उज्ज्वल एवं सुखमय भविष्य की कामना करता हैं।

मदनगीर से उठे राष्ट्रीय सितारे कुणाल रॉय का भारत टीम में चयन, गोल्ड फॉर इंडिया' का लक्ष्य

कुणाल

दिल्लीः मदनगीर क्षेत्र के रहने वाले कुनाल रॉय ने देश और राजधानी दोनों का नाम गर्व से ऊँचा कर दिया है। वर्तमान में वे भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (IIIT) वडोदरा में मास्टर्स की पढ़ाई कर रहे हैं। खेल जगत से आई बड़ी खबर के अनुसार, कुनाल का चयन भारतीय राष्ट्रीय टीम में हुआ है, जो अंतरराष्ट्रीय सेस्टोबॉल चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी। यह प्रतियोगिता दिसंबर 2025 में बैंकॉक (थाईलैंड) में आयोजित की जाएगी। दिल्ली से चयनित होने वाले एकमात्र खिलाड़ी के रूप में यह उपलब्धि पूरे दिल्ली और विशेष रूप से मदनगीर क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है।

कुनाल का सफर आसान नहीं रहा। उन्होंने अपनी खेल यात्रा की शुरूआत मदनगीर की गलियों से की थी। बचपन से ही उन्हें खेलों का गहरा शौक था। पाँचवीं कक्षा से उन्होंने खेलना शुरू किया और धीरे-धीरे उन्होंने कबड्डी और सेस्टोबॉल दोनों खेलों में अपना लोहा मनवाया। समय के साथ उनके प्रदर्शन ने उन्हें दिल्ली राज्य की ओर से कई

जूनियर और सीनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में जगह दिलाई। उनके शानदार प्रदर्शन और अनुशासन ने कोचों और चयनकताओं का ध्यान खींचा, जिसके बाद उन्हें भारतीय टीम में शामिल किया गया। कुनाल ने हाल ही में श्रीलंका में आयोजित दक्षिण एशियाई सेस्टोबॉल चैंपियनशिप 2025 में भारतीय टीम को रजत पदक (सिल्वर मेडल) दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कठिन परिस्थितियों में भी उन्होंने शांत रहकर बेहतरीन प्रदर्शन किया और टीम को जीत के करीब पहुँचाया। उनके प्रदर्शन ने न केवल दिल्ली बल्कि पूरे भारत के युवाओं को प्रेरित किया है।

कुनाल के कोच श्री शेखर कुमार (कबड्डी) और कोच आरिफ (सेस्टोबॉल) ने उनके खेल करियर को नई दिशा दी। उन्होंने कुनाल को सिखाया कि अनुशासन, मेहनत और आत्मविश्वास ही सफलता की असली कुंजी हैं। कुनाल हमेशा नियमित रूप से अभ्यास करते थे और शायद ही कोई ट्रेनिंग सत्र उन्होंने छोड़ा हो। स्थानीय और जिला स्तर से लेकर राज्य, राष्ट्रीय और अब अंतरराष्ट्रीय मंच तक उनका सफर उनकी लगन और समर्पण का प्रमाण है। हालाँकि यह यात्रा उतनी सरल नहीं थी। शुरूआती दौर में उन्हें अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ा – सीमित खेल सुविधाएँ, आर्थिक कठिनाइयाँ और दूसरे राज्यों में जाकर छोटे टूनार्मेंट खेलना उनके लिए सामान्य बात थी। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। उनकी मेहनत और दृढ़ संकल्प ने उन्हें इस मुकाम तक पहुँचाया। आज उन्हें अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए सरकार द्वारा प्रायोजन (स्पॉन्सरशिप) भी प्राप्त हो रहा है।

मदनगीर और उनके परिवार में इस सफलता से अपार खुशी का माहौल है। जब वे भारतीय जर्सी में खेलते हैं, तो उनके परिवार और क्षेत्र के लोग गर्व से भर जाते हैं। उनके लिए कुनाल केवल एक खिलाड़ी नहीं, बल्कि प्रेरणा और गौरव का प्रतीक हैं। कुनाल का अगला लक्ष्य है कि वे भारत के लिए स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) जीतें। वे कहते हैं, ‟अब मेरा मिशन गोल्ड फॉर इंडिया है। उन्होंने वादा किया है कि वे बैंकॉक से भारत के लिए गोल्ड लेकर लौटेंगे और इसे अपने देश को समर्पित करेंगे। उनकी विनम्रता, मेहनत और समर्पण हर युवा खिलाड़ी के लिए एक प्रेरक उदाहरण हैं। मदनगीर की गलियों से लेकर अंतरराष्ट्रीय मंच तक, कुनाल रॉय ने यह साबित कर दिया है कि अगर इरादे मजबूत हों तो कोई सपना असंभव नहीं। आज पूरा देश उन पर गर्व कर रहा है – हमारे दिल्ली के सपूत, कुनाल रॉय, सच में भारत का गौरव हैं।

टिहरी पुलिस फिर विवादों में महिला पत्रकार के साथ दरोगा ने किया अभद्र व्यवहार, कैमरा बंद कराया

हरीश उपाध्याय

उत्तराखंडः काने वाला मामला सामने आया है यहां कवरेज करने पहुंची एक महिला पत्रकार के साथ थाने के दरोगा ने न केवल अभद्र व्यवहार बल्कि उनका कैमरा भी बंद कर दिया आप है कि दरोगा रवि कुमार ने हाथ मार कर पत्रकार का कैमरा बंद कर यह कह दिया कि आप होती कौन हो वीडियो बनाने वाली घटना के दौरान थाने में महिला कांस्टेबल मौजूद थी लेकिन दरोगा ने नियमों की अनदेखी करते हुए खुद महिला पत्रकार से अपमानजनक दुर्व्यवहार किया बताया जा रहा है कि यह घटना उसे समय हुई जब पत्रकार दो पक्षों के बीच हुए विवादों की कवरेज करने थाने पहुंची सूत्रों के अनुसार चंबा पुलिस पर मामले को एक तरफा तरीके से मामले को निपटाना एक निर्दोष व्यक्ति के साथ मारपीट करने के आरोप लगे हैं इसी विषय पर कैंब्रिज करने पहुंची महिला पत्रकार से दरोगा रवि कुमार ने कैमरा बंद करने को कहा और फिर अभद्र व्यवहार किया जब महिला पत्रकार ने इस घटना की शिकायत दर्ज करानी चाहिए तो थानेदार ने रिपोर्ट दर्ज करने से मन कर दिया।

इससे यह सवाल उठता है कि आखिर पुलिस पत्रकार की रिपोर्ट दर्ज करने से क्यों मना कर रही है और कैमरा बंद करने की कोशिश क्यों की गई दरोगा को प्रेस की स्वतंत्रता का उल्लंघन का अधिकार किसने दिया इस पूरी घटना ने टिहरी पुलिस की कार्यप्रणाली

पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हाल के दिनों में टिहरी पुलिस कहीं भी वादों को लेकर सुर्खियों में रही है जिससे पुलिस की छवि पर लगातार सवाल उठने लगे हैं स्थानीय पत्रकार संगठन ने किस घटना की कड़ी निंदा की है और संबंधित दरोगा पर तत्काल कार्रवाई करने की मांग की उन्होंने कहा है कि अगर पुलिसकर्मी ही पत्रकारों की सुरक्षा और अधिकारों का हनन करेंगे मित्रता सेवा और सुरक्षा का नारा सिर्फ एक दिखावा बनकर रह जाएगा वहीं महिला पत्रकार ने दुर्गा के दुर्व्यवहार के खिलाफ उच्च अधिकारियों से कार्रवाई की मांग की अब देखना यह है दरोगा जी पर कब तक और क्या कार्रवाई होती है अब सवाल यह उठता है की क्या पुलिस पत्रकारों की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने की कोशिश कर रही है।

बडहिया से लखीसराय तक भाजपा रोड शो

गिरिराज–ललन करेंगे विजय सिंन्हा के समर्थन में प्रचार

तरुण कुमार

बिहारः गिरिराज सिंह और ललन सिंह का रोड शो.. बडहिया से लखीसराय तक जगह-जगह बनाए गए स्वागत द्वार, विजय सिंन्हा के समर्थन में करेंगे प्रचार बिहार चुनाव 2025 लखीसराय खबरः लखीसराय में शनिवार को केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह और राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिंन्हा के समर्थन में रोड शो करेंगे. यह रोड शो बडहिया से लखीसराय तक आयोजित किया जाएगा.

विधानसभा चुनाव से पहले इस रोड शो के लिए तैयारी पूरी कर ली गई है। आपको बताते चले कि इसमें हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक शामिल होने की उम्मीद है. पूरे मार्ग पर स्वागत द्वारा बनाए गए हैं जहां कार्यकर्ता फुल महिलाओं से नेता का अभिनंदन करेंगे।

विकास कार्यों और जनता तक पहुंचाना उद्देश्य आपको बताते चले की पार्टी नेताओं के अनुसार इस रूट 100 का मुख्य उद्देश्य विजय कुमार सिन्हा की लोकप्रियता और उसके विकास कार्यों को जनता तक पहुंचाने का है. भाजपा नेताओं ने बताया कि केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार ने क्षेत्र में सड़क शिक्षा स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए हैं.

जोन स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में पटेवा के छात्रों ने प्रथम और द्वितीय स्थान जीते

डकोटार कुमार सेन/छत्तीसगढ़ः जोन स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी दिनांक 31.10.2025 को रायपुर में संपन्न हुआ जिसमें प्रथम स्थान स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय पटेवा के छात्रों को मिला। सेजेस पटेवा के विद्यार्थियों का जोन स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी मेला में उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा । स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय पटेवा में अध्यनरत कक्षा 12 वीं के छात्र सतीश मन्नाडे तथा टाकेश्वर डड़सेना ने अपने द्वारा निर्मित विज्ञान माडल को लेकर शिक्षा महाविद्यालय रायपुर में आयोजित जोन स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में भाग लिया ओर अपने विज्ञान माडल को प्रस्तुत किया जो काफी सराहनिय रहा । और आने वाले भविष्य में इसका उपयोग कर जनकल्याण के लिये लाभदायक साबित हो सकता है। दिनांक 30 .10.2025 को सम्पन्न जोन स्तरीय प्रतियोगिता में सतीश मन्नाडे ने जल संरक्षण केटेगरी मे बांथ में ज्यादा जल भर जाने पर अचानक आने वाले बाढ़ से समीपवर्ती ग्राम में होने वाले जन धन की हानी को ोकने का उपाय बताने वाले माडल बनाकर निर्णायक गण को उसे प्रथम पुरस्कार देने के लिए बाध्य कर दिया। इसी तरह टाकेश्वश्र डड़सेना ने अपशिष्ट प्रबंधन करने वाले माडल बना कर जोन स्तरीय प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान अर्जित किया।

भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ जनता ही अंतिम न्याय का स्तंभ कमल पाटनी

कमल पाटनी

मध्य प्रदेशः संपूर्ण शासकीय व्यवस्था की जवाबदेही तय करने की मांग जब प्रशासन, न्याय और कानून सब मौन हैं, तो जनता ही अंतिम न्याय का स्त्रोत है देश में आज जिस स्थिति में प्रशासनिक तंत्र, न्यायालयीन व्यवस्था, और चुनाव आयोग जैसे संवैधानिक संस्थान कार्य कर रहे हैं, वह जनता के विश्वास पर गहरा आघात है। हर स्तर पर देरी, बहानेबाजी, विवेकाधीन भ्रष्टाचार और जानबूझकर की जाने वाली अन्यायपूर्ण कार्यवाही ने यह सिद्ध कर दिया है कि ह्लसिस्टम अब जनता के विरुद्ध खड़ा है। जहां प्रशासनिक अधिकारी जनता के आवेदन, शिकायत या आदेशों का पालन नहीं करते जहां न्यायालयों में वर्षों तक निर्णय लंबित रहते हैं जहां चुनाव आयोग राजनीतिक अवसरवाद को रोकने में विफल है वहां यह मानना कठिन नहीं कि ह्लशासन-प्रशासन अब कानून नहीं, मनमानी से चल रहा है।

ऐसी स्थिति में जनता का यह संवैधानिक अधिकार और नैतिक दायित्व बनता है कि वह अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाए भ्रष्टाचार, देरी, और निर्णय-विरोधी नीति के खिलाफ आंदोलन करे और यह घोषित करे कि ह्लशासन की जवाबदेही जनता से छिन नहीं सकती। इसलिए, मांग की जाती है, प्रशासनिक कार्यों में समयसीमा और दंडात्मक प्रावधान को कानूनी रूप दिया जाए। न्यायालयों में लंबित मामलों की निगरानी के लिए ह्लोकन्याय प्रकोष्ठ बने। चुनाव आयोग यह सुनिश्चित करे कि दल-बदल, अवसरवादी गठबंधन, और चुनाव पूर्व-पश्चात सत्ता सौदे पूरी तरह निषिद्ध हों।

राजस्थान में 19 किग्रा कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम 5 रुपये घटे, घरेलू सिलेंडर स्थिर

रणधीर सिंह

राजस्थानः देशभर में महंगाई के बीच आम लोगों के लिए राहत भले नहीं आई हो, लेकिन होटलों, रेस्टोरेंट्स और कॉमर्शियल गैस का इस्तेमाल करने वालों के लिए एक छोटी सी राहत जरूर मिली है। पेट्रोलियम कंपनियों ने शनिवार से कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में कटौती की है। हालांकि घरेलू गैस सिलेंडर के दामों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। कंपनियों ने कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमत में 5 रुपए की कमी की है। यह नई दरें शनिवार से लागू हो चुकी हैं।

बता दें कि कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को एलपीजी सिलेंडर की कीमतों की समीक्षा करती हैं। 19 किलोग्राम वाले

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर पर 5 रुपए सस्त राजस्थान एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष दीपक गहलोत ने बताया कि कंपनियों की ओर से जारी रेट लिस्ट के मुताबिक राजस्थान में शनिवार से 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल गैस सिलेंडर पर 5 रुपए कम करने के बाद 1623.50 रुपए की जगह 1618.50 रुपए में मिलेगा।

जबकि पिछले महीने कंपनियों ने कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमतों पर 15 रुपए बढ़ाए थे। इससे पहले कंपनियों से सितंबर में कॉमर्शियल गैस पर 51 रुपए कम किए थे। जबकि अगस्त में 34 रुपए प्रति सिलेंडर, जुलाई में 58 रुपए की कमी की थी। इस पूरे साल की बात करें तो कंपनियों ने मई में 24.50 रुपए, अप्रैल में 40.50 रुपए, जनवरी में 14.50 रुपए और फरवरी में 6 रुपए की कटौती की थी। घरेलू सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं कंपनियों ने घरेलू उपयोग के लिए होने वाले सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। वर्तमान में बाजार में घरेलू उपयोग का सिलेंडर 856.50 रुपए में ही मिलेगा। वहीं, राज्य सरकार की ओर से बीपीएल और उज्ज्वला कनेक्शनधारियों को रियायती दर पर सिलेंडर उपलब्ध करवाया है।

एक नजर

बाबा खाटू श्याम के जन्म-दिवस पर वडोदरा में उत्सव का दृश्य

सुरेशखार/गुजरातः आज रोज वडोदरा शहर के खोडियार नगर विस्तार में आया हुआ सिद्धेश्वर महादेव के मंदिर के सामने बाबा खाटू श्याम के मंदिर पर खाटू श्याम के जन्मदिवस के नियमित में बाबा श्याम के दरबार में 10 से 15000 की संख्या में भक्तजनों उपस्थित थे जी द्वारा बाबा शाम के दरबार के बारे में एनसीआर के न्यूज ने कवरेज करती है दरमियां भक्त जनों ने जो चीज कहानी वह सुनकर आनंद प्रतीक हुआ जिसके चलते बाबा शाम के जन्म दिवस में शाह नाम की महिला द्वारा 22 किलो की केक का अर्पण किया गया जिसके चलते वहां पर बहुत प्रशंसा उमंग के साथ बाबा श्याम के दरबार में उनका जन्म दिवस का उत्सव मनाया गया।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पुष्पेंद्र परसवार ने जीता गोल्ड, लौटने पर हुआ भव्य स्वागत

अरविंद कुमार दुबे/मध्य प्रदेशः नगर पुष्पेंद्र परसवार ने भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल हासिल किया। गोटेगांव लौटने पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्टेडियम में खिलाड़ियों एवं मिस्टर फिजिकल अकैडमी के संचालक मुकेश बर्मन सहित प्रशिक्षुओं द्वारा पुष्पेंद्र का ढोल-नगाड़ों के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया गया। पुष्पेंद्र ने बताया कि उन्होंने यहीं स्टेडियम में नियमित अभ्यास किया था, जिसके दम पर उन्हें यह सफलता मिली। अब वे आगामी राष्ट्रीय स्तर की दौड़ प्रतियोगिता, जो लखनऊ में आयोजित होगी, में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

स्वागत अवसर पर खिलाड़ियों ने पुष्पेंद्र को फूल-मालाओं से सम्मानित किया और मिठाई बांटकर खुशी जाहिर की। पुष्पेंद्र ने सर्वप्रथम भगवान शंकर मंदिर में पूजा-अर्चना की और फिर सभी के साथ अपनी सफलता का आनंद साझा किया। अकादमी संचालक मुकेश बर्मन ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि, ह्लपुष्पेंद्र ने पूरे जिले का नाम रोशन किया है। सभी युवा खिलाड़ियों को भी इसी लगन और अनुशासन से अभ्यास कर क्षेत्र और राज्य का गौरव बढ़ाना चाहिए।

हिंदू युवा वाहिनी ने नवागत जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी का किया स्वागत और सम्मान

तेजेश्वर कुमार/उत्तर प्रदेशः हिंदू युवा वाहिनी रामपुर कमेटी के जिला अध्यक्ष सुमेश कुमार गुप्ता जी ने रामपुर के नवगत जिलाधिकारी श्री अजय कुमार द्विवेदी जी का शाल उड़ाकर एवं फूल बुके देखकर सम्मानित किया गया। और हिंदू युवा वाहिनी रामपुर कमेटी के बारे में अवगत कराया गया।इस मौके पर रामपुर के जिला

अध्यक्ष सुमेश कुमार गुप्ता जी, के साथ जिला संगठन मंत्री डॉ विजयपाल सिंह जी, जिला कोषाध्यक्ष आशीष श्योराण, जिला महामंत्री राम सिंह दिवाकर, व अन्य हिंदू युवा वाहिनी के सदस्य सम्मिलित रहे।

इलेक्ट्रिक बसें चलाने की मांग को लेकर रउ्र को प्रार्थना पत्र सौंपा गया

मोहम्मद यासीन/उत्तर प्रदेशः कस्बे से इलेक्ट्रिक बसें चलाए जाने की मांग की है। मीरगंज से सीधे कोई समुचित साधन न होने की वजह से लोगों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ता है। एसडीम मीरगंज आलोक कुमार जी को कार्यालय में पूर्व सांसद एवं विधायक प्रत्याशी एवं वार्ड नंबर 30 से संभावित प्रत्याशी कांग्रेस पार्टी के लईक अहमद मंसूरी के पुत्र लादेन मंसूरी व योगेंद्र यादव ने प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया। जिसमे प्रार्थना पत्र के माध्यम से बताया कि बरेली मुख्यालय से मीरगंज मुख्यालय की दूरी लगभग 35 किलोमीटर है। बरेली से फतेहगंज पश्चिमी तक सिटी बस चलाई जा रही हैं मीरगंज से बरेली रोजाना छात्र-छात्राएं और महिलाएं दिहाड़ी मजदूर वर्ग और अधिवक्ता और शिक्षक कर्मचारी रोज अप डाउन (आते जाते) हैं। मीरगंज मुख्यालय पर तहसील, सीएचसी, गन्ना शुगर मिल, बीएड, आईटीआई, बीटीसी व अन्य दर्जनों कॉलेज हैं।

एकतरफा प्यार में सनकी आशिक ने की प्रॉपर्टी डीलर की हत्या, बेटी से शादी का था जुनून

नरेंदर

उत्तर प्रदेशः बादलपुर थाना क्षेत्र में प्रॉपर्टी डीलर की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस के मुताबिक, हत्या करने वाला कोई पेशेवर अपराधी नहीं बल्कि एक सनकी आशिक निकला, जिसने डीलर की बेटी से शादी करने की जुनूनी चाहत में इस जघन्य वारदात को अंजाम दिया। मामला दो दिन पहले बादलपुर थाना क्षेत्र का है, जहां एक प्रॉपर्टी डीलर की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने घटना के बाद जांच शुरू की और 48 घंटे के भीतर

आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से एक अवैध पिस्तौल भी बरामद की गई है, जिसका इस्तेमाल हत्या में किया गया था।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी युवक का डीलर की बेटी से एकतरफा लगाव था। जब उसे पता चला कि 10 दिसंबर को लड़की की शादी तय हो चुकी है, तो उसने गुस्से और जुनून में आकर हत्या की साजिश रची। आरोपी ने डीलर को रास्ते से हटाने के लिए पहले उसका पीछा किया और फिर मौका मिलते ही गोली मारकर हत्या कर दी। थाना बादलपुर पुलिस की त्वरित कार्रवाई से यह सनसनीखेज मामला खुल गया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी से पूछताछ जारी है, जिससे और भी तथ्य सामने आ सकते हैं। थाना प्रभारी बादलपुर ने बताया कि आरोपी के खिलाफ हत्या और अवैध हथियार रखने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेजा जा रहा है।

पटेवा स्कूल में राष्ट्रीय एकता दिवस पर मैराथन दौड़ आयोजित

डकाटर कुमार सेन

छत्तीसगढ़ः महासमुंद जिला अंतर्गत स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय पटेवा में दिनांक 31-10-2025 को सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्म दिवस पर राष्ट्रीय एकता दिवश पर स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय पटेवा में मैराथन दौड़ का आयोजन किया तथा राष्ट्रीय एकता का शपथ प्राचार्य श्री समीर प्रधान के द्वारा दिलाया गया। पटेवा/ स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय पटेवा में सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्म दिवस पर राष्ट्रिय एकता दिवस का कार्यक्रम मनाते हुए मैराथन दौड़ काआयोजन किया।

जिसमें 400 सेअधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। मैराथन दौड़ विद्यालय से पुलिस थाना पटेवा तक 1.5 किलोमीटर तक सभी ने दौड़ लगाई। मैराथन दौड़ को सफल बनाने पटेवा पुलिस विभाग द्वारा याता यात को निर्यंत्रित कर पूर्ण सुरक्षा की व्यवस्था की। मैराथन दौड़ के उपरांत स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय पटेवा के प्राचार्य श्री समीर प्रधान ने समस्त छात्र छात्राओं, शिक्षक- शिक्षिकाओं को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई।

विधायक पं. रत्नाकर मिश्र ने चार सड़कों का लोकार्पण कर क्षेत्रवासियों को समर्पित किया

सूरज मौर्य

महुवरीया मेन रोड से दयाशंकर के घर तक बनी सी.सी. रोड का किया गया, वहीं दूसरा लोकार्पण सद्भावना नगर चौराहा से दया सोनकर के बगीचा तक निर्मित सी.सी. रोड किया गया, तीसरा लोकार्पण परशुराम कालोनी में जज्जू पाठक के घर से राजू दुबे के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य किया गया, चौथ बबुआ का पोखरा स्थित सुशीला देवी के घर से रविन्द्र नाथ तिवारी के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य का लोकार्पण कर जनता जनार्दन को समर्पित किया का सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के

अनेक गणमान्य नागरिक एवं भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहे अतिथियों में श्री आनंद स्वरूप श्रीवास्तव, पूर्व नगर अध्यक्ष श्री मनीष गुप्ता, सभासद श्री अलंकार जायसवाल, सभासद श्री सतीश उपाध्याय, सभासद श्री विजय प्रजापति, सभासद श्री नीरज गुप्ता, श्री कमलेश मौर्य, श्री विजय शक्ति दुबे, श्री वीरेंद्र मौर्य, शंकर शरण उपाध्याय,तथा बूथ अध्यक्ष श्री संजय जी प्रमुख रूप से शामिल रहे। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि सरकार जनता के विकास कार्यों के लिए निरंतर प्रयासरत है और क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए और भी कार्य किए जाएंगे।

बरेली में आम के पेड़ से युवक का शव लटका मिला, पत्नी से झगड़े के बाद घर से गया था बाहर

राजू

उत्तर प्रदेशः बरेली थाना बहेड़ी क्षेत्र के ग्राम ग्वारी गौटिया में शुक्रवार सुबह एक युवक का शव आम के पेड़ से लटका मिलने से सनसनी फैल गई. ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

मृतक की पहचान अर्जुन (25 वर्ष) पुत्र गोविंद राम निवासी ग्राम गौटिया के रूप में हुई है. परिजनों के अनुसार अर्जुन रुद्रपुर की एक निजी कंपनी में काम करता था. उसकी शादी तीन वर्ष पूर्व हुई थी और उसका एक वर्ष का बेटा भी है। पिता गोविंद राम ने बताया कि

गुरुवार शाम करीब छह बजे अर्जुन काम से घर लौटा था। इसके बाद रात में पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। परिवार को आशंका है कि इसी विवाद के बाद उसने आत्मघाती कदम उठाया. बताया जा रहा है कि घर में हुए झगड़े जो लेकर वो घर से एक रस्सी लेकर गया

और बोला कि खेत से लड़की लेने जा रहा है युवक रात को जब वापस नहीं आया तो परिजनों ने उसकी तलाश की शुक्रवार की सुबह युवक पेड़ से लटका शव मिला. सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू कर दी है.

इंस्पेक्टर संजय तोमर ने बताया कि मृतक के पिता की तहरीर पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा.

4 नवंबर से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की शुरूआत, बीएलओ को दिया गया प्रशिक्षण

नवीन कुमार निम्भोरे

मध्य प्रदेशः भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार जिले में 4 नवम्बर 2025 से मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य प्रारम्भ किया जा रहा है। जिसमें 2025 की मतदाता सूची में दर्ज मतदाताओं की मैपिंग 2003 की मतदाता सूची से किये जाने का कार्य बीएलओं एप के माध्यम से किया जाना है। रविवार को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री हर्ष सिंह के मार्गदर्शन में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बुरहानपुर द्वारा कलेक्ट्रेट

कार्यालय के सभाकक्ष में तथा रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नेपानगर द्वारा नेपानगर में समस्त बीएलओ को बीएलओ एप के माध्यम से की जाने वाली सम्पूर्ण प्रक्रिया के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

4 नवम्बर 2025 से बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना पत्रक प्रदाय किया जाना है। जिसमें मतदाताओं द्वारा जानकारी भरी जाकर बीएलओं को वापिस प्रदाय किया जाना है। इसीक्रम में रविवार को नेपानगर विधानसभा अंतर्गत धुलकोट, दयार्पुर खकनार में तथा बुरहानपुर विधानसभा अंतर्गत शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय बुरहानपुर, सावित्रीबाई फुले कन्या शाला बुरहानपुर तथा शाहपुर में मास्टर ट्रेनर्स एवं तहसीलदार, नायब तहसीलदार, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा शिक्षकों को गणना पत्रक भरने संबंधी जानकारी एवं प्रशिक्षण दिया गया।

प्रधानमंत्री की उपस्थिति के मद्देनजर डीएम ने तैयारियों को लेकर अधिकारियों के साथ की बैठक

रुद्र बहादुर

उत्तराखंडः जिला सूचना विभाग द्वारा जारी प्रेस नोट के आधार पर कहा गया है कि राज्य स्थापना रजत जयंती समारोह के अवसर पर प्रधानमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को देखते हुए आज जिलाधिकारी सविन बंसल ऋषिपर्णा सभागार में अपनी कोर टीम के साथ तैयारी एवं व्यवस्थाओं को लेकर बैठक आयोजित करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कार्यक्रम से संबंधित समस्त विभागों के अधिकारियों को

आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि यह जनपद के लिए अत्यंत गौरव का विषय है कि राज्य स्थापना दिवस के रजत जयंती समारोह के अवसर पर प्रधानमंत्री की उपस्थिति प्रस्तावित है। उन्होंने स्थल व्यवस्थाओं, सुरक्षा प्रबंध, यातायात नियंत्रण, पार्किंग, वीआईपी मूवमेंट, मीडिया प्रबंधन, विद्युत, पेयजल, स्वच्छता, चिकित्सा एवं आपात सेवाओं से संबंधित व्यवस्थाओं की बिंदुवार समीक्षा की। साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण कर ली जाएं। जिलाधिकारी ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान जनसामान्य की सुविधा को प्राथमिकता दी जाए तथा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो। उन्होंने समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने स्तर से सभी तैयारियों का निरंतर स्थल निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाएं मानक के अनुरूप व्यवस्थाएं बनाना सुनिश्चित करेंगे।

संपादकीय

किसानों का एक और 'यलगार'

अब बारी महाराष्ट्र के नाराज किसानों की है। राज्य में भाजपा-महायुति सरकार बने 10 माह बीत चुके हैं। किसान अशांत और असंतुष्ट हैं कि चुनाव के दौरान कर्जमाफी, फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद, दिव्यांग किसानों के मानदेय आदि पर जो वायदे किए गए थे, अभी तक अधूरे हैं। उन्हें लागू क्यों नहीं किया जा रहा है? महाराष्ट्र सरकार आर्थिक संकट का रोना रो रही है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बीती 29 अक्टूबर को तुरंत कर्जमाफी से इंकार कर दिया है। फसल बीमा योजना किसानों को बेवकूफ बना रही है। कंपनियां मालामाल हो रही हैं। राज्य सरकार 1 रुपए की जो 'प्रतीकात्मक किस्त' देती थी, उसे भी बंद कर दिया गया है, क्योंकि उससे 5000 करोड़ रुपए की बचत हुई है। लिहाजा किसान एक बार फिर आंदोलित हैं। उन्होंने महाराष्ट्र के नागपुर में 'यलगार' का उद्घोष किया है। करीब 1.5 लाख किसानों ने सडकें अवरुद्ध कर चक्का जाम कर दिया है, नतीजतन बॉम्बे उच्च न्यायालय को खुद संज्ञान लेकर आदेश जारी करना पड़ा है कि किसान सडकें, राजमार्ग खाली करें। जनता को बहुत असुविधा हो रही है, लेकिन बुधवार रात तक किसान 'यलगार' को जारी रखने पर आमादा थे। आंदोलन का नेतृत्व पूर्व मंत्री बच्चू कडू कर रहे हैं, जो 'प्रहार जनशक्ति पार्टी' के संस्थापक हैं। सवाल है कि 'यलगार' किसानों का है अथवा यह राजनीतिक लामबंदी है? हालांकि राज्य सरकार ने जून, 2025 में कर्जमाफी पर एक कमेटी बनाई थी। उसकी रपट और अनुशंसाएं आ गई हैं अथवा नहीं, यह अभी निश्चित नहीं है। दरअसल बुनियादी मुद्दा किसान की कर्जमाफी का है। केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार ने 2008 में तत्कालीन प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह की रूपरेखा के मुताबिक, किसानों के 72, 000 करोड़ रुपए के कर्ज माफ किए थे। इस आंकड़े पर विवाद है, क्योंकि मौजूदा प्रधानमंत्री मोदी का दावा है कि कुल 53, 000 करोड़ रुपए के कथित कर्ज माफ किए गए। उनमें कई लाभार्थी 'फर्जी' थे अथवा कुछ लोग दिवंगत हो चुके थे, लेकिन उनके नाम पर कर्जमाफी की गई। बहरहाल इस आंकड़े को भी छोड़ते हैं, लेकिन उसके बाद कर्जमाफी एक 'राजनीतिक फैशन' बन गई, लिहाजा राज्य सरकारों ने भी किसानों के कर्ज माफ किए। हम आंकड़ों की पुष्टि नहीं कर सकते, लेकिन यह तय है कि कर्जमाफी के तौर पर सरकारें किसानों की आर्थिक मदद करती रही हैं। आखिर किसान कितने कर्जदार हैं, यह यक्ष प्रश्न किया जाता रहा है? अब केंद्र सरकार पर करीब 225 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है, जो 2014 में करीब 58 लाख करोड़ रुपए था। इतनी तो कई देशों की सकल अर्थव्यवस्था नहीं होती।

बिहार की रैलियों में मोदी और राहुल का वार-पलटवार

> कांग्रेस ने राहुल को आगे करके कांग्रेस की पतवार थामने का जिम्मा सौंपा है। लेकिन सतारूढ़ उनकी राजनैतिक परिपक्वता पर हर समय अंगुली उठाता आ रहा है। और यह इसलिए सही है कि उनकी रुचि भोजन बनाने, नाश्ता तैयार करने, यात्रा निकालने, जूठे आरोप लगाने और तथ्य बिना भाषण देने जैसे कार्य देश की अनास्था को बढ़ावा दे रहा है। राहुल और कांग्रेस के पास विकास के मुद्दे नही है। कांग्रेस कभी यह नही कहती है कि हम सत्ता में आने के बाद जनता के लिए वो कार्य करेंगे।

-कांतिलाल मांडोत-

बिहार विधानसभा चुनाव की छपरा और मुज्जफरपुर की रैलियों में मोदी ने कहा कि जंगलराज की पहचान पांच शब्दो से होती है। मोदी और राहुल ने वार पलटवार किया। मोदी ने पलटवार करते हुए कहा कि बिहार में राजद और कांग्रेस के पांच शब्द बिहार की राजनीति में फलफूल रहे है। कट्टा, क्रूरता, कटुता, कुशासन और करप्शन से विपक्ष की पहचान है। मोदी ने कहा कि छठ पूजा का अपमान कभी नही सहेंगे। राहुल ने मुजफ्फरपुर और छपरा की सभा के दौरान अंतराष्ट्रीय मुद्दा उठाते हुए कहा कि मोदी ट्रम्प को जवाब देने से डरते है। डर शब्द का उपयोग, वो भी मोदी के लिए करने के बाद राहुल देश के युवाओ के निशाने पर है। युवा देश की धड़कन है। युवाओ की पहली पसंद नरेंद्र मोदी है। मोदी ने कई बार कहा है कि यह छप्पन की छाती है। उसके बाद राहुल मोदी पर डर और भय की बात करके सुर्खिया बटोर रहे है। मोदी ने अपनी सभा मे कहा कि बिहार के नौजवानों का सपना ही मेरा संकल्प है। राहुल अपना ही अध्याय लिखने के लिए तत्पर है। देश मे कांग्रेस की खोई हुई विरासत वापस पुनः प्राप्त करने का जिम्मा राहुल को सौंप रखा है। वे मिशन पर निकल पड़े है। गांधी खानदान की उपलब्धियों से लैस राहुल मैदान में उतरकर विश्व नेता मोदी की काट कर राजनीति के गलियारों तक पहुंचने की भरपूर कोशिश कर रहे है। मोदी पर निशाना साधने से कांग्रेस दिनोंदिन खिसक रही है। कांग्रेस को चाहिए कि लोकसभा का चुनाव न होकर विधानसभा का चुनाव बिहार में हो रहा है। इसलिए कांग्रेस को वार-पलटवार मुख्यमंत्री पर किया जाना चाहिए। लेकिन कांग्रेस की सुषुप्त अवस्था जनाधार खत्म करने के पदपर अग्रसर है। कांग्रेस आरोप लगाती है। लेकिन तथ्यात्मक पहलू पेश नही करती है। इसलिए वे जूठे और फरेबी आरोप होते है। राहुल के जातिविहीन समाज के मुद्दे

उठाना और मोदी पर बेबुनियाद आरोपो की झड़ी लगाना राहुल और कांग्रेस की फितरत बन गई है। कांग्रेस ने कभी यह नही सोचा है कि आखिर नरेंद्र मोदी को पूरी दुनिया सम्मान क्यों दे रही है?अगर कांग्रेस के जेहन में यह सबकुछ आ जाता है तो कांग्रेस की खोई हुई ताकत और विरासत को थोड़ा बहुत खाद पानी मिल सकता है। राहुल को पता लगने से पहले ही वे कुछ कुछ ऐसा बोल देते है, जो चुनाव में मुद्दा बन जाता है। कांग्रेस की विरासत थामे राहुल को अपने मन की कहने के लिए गांधी परिवार के इस वारिस को स्वतः स्फुर्तता की कीमत तो चुकानी ही पड़ेगी। बिहार को शिक्षा का केंद्र मानने वाली कांग्रेस ने सदियों से चली आ रही वैदिक संस्कृति को पाठ्यक्रम से ही गायब कर दिया।

कांग्रेस का तुष्टिकरण प्रेम आज जड़ो से अलग करने का कार्य कर रहा है। राहुल ब्रांड बिहार की धूल घुसरित गलियों में कांग्रेस ने उतार दिया है। कांग्रेस बचाने के लिए राहुल और प्रियंका को केंद्र में रखा जा रहा है। कांग्रेस को गांधी परिवार से उम्मीदे बेहिसाब है।

कांग्रेस ने राहुल को आगे करके कांग्रेस की पतवार थामने का जिम्मा सौंपा है। लेकिन सतारूढ़ उनकी राजनैतिक परिपक्वता पर हर समय अंगुली उठाता आ रहा है। और यह इसलिए सही है कि उनकी रुचि भोजन बनाने, नाश्ता तैयार करने, यात्रा निकालने, जूठे आरोप लगाने और तथ्य बिना भाषण देने जैसे कार्य देश की अनास्था को बढ़ावा दे रहा है। राहुल और कांग्रेस के पास विकास के मुद्दे नही है। कांग्रेस कभी यह नही कहती है कि हम सत्ता में आने के बाद जनता के लिए वो कार्य करेंगे। देश की आलोचना करना और संविधान की किताब जगह जगह प्रदर्शित करना कांग्रेस को पीछे धकेल रही है। उनके कथन मुस्लिम अल्पसंख्यक को लुभाने के लिए पर्याप्त है। देश को साथ लेकर चलने की उनकी नियति कभी सुनने को नही मिली है। राहुल बेहतरीन प्रदर्शन कार्ड है और बिहार को देने के लिए यही सब कुछ है। जहाँ कांग्रेस सब कोई ताकत नही रही है। इनके पुरखो ने आजादी के बाद सबसे ज्यादा शासन किया। जबसे ईवीएम चलन में आया है तब से कांग्रेस पराजय हो रही है। इसलिए कांग्रेस को पुरानी पद्धति से चुनाव कराना ठीक लगता है। क्योंकि बुच कैप्चरिंग और फर्जी वोटो की कहानी हम हर चुनाव के बाद अखबारों में पड़ते थे। जब से निर्वाचन आयोग का गठन हुआ है, तब से चुनाव प्रक्रिया में सुधार हुआ है। अब एक वोट भी फर्जी तरीके से नही डाला जा सकता है। और न कोई फेरफार सम्भव है। कांग्रेस एक ऐसी विरासत थी, जिसका लोकतंत्र में कोई सानी नही था। दरअसल, कांग्रेस को गांवो में हाथ वाली सरकार कहते थे। लेकिन जब से जातिवाद का पंजा फैलने लगा है। उसके बाद तुष्टिकरण की राजनीति में बहुत फर्क आ रहा है। जनता सुशासन चाहती है।

राहुल नरम हिन्दुत्व के साथ पींगे बढ़ाने के लिये माहिर है। मोदी ने अपनी सभा मे राहुल ने शिक्षा पर उठाए गए सवाल पर मोदी ने कहा कि बिहार में हमारी एनडीए सरकार का संकल्प है कि बिहार में पढ़ाई, कमाई, दवाई व सिंचाई के मौके उपलबन्ध हो। राजद पर पांच क का निशाना साधा। मोदी ने कहा कि दोनों युवराज जमानत पर और सत्ता के लालच में दोनो साथ साथ है। चीनी लोग मैड इन बिहार की बात करने वाली कांग्रेस इतने वर्षों तक बिहार और देश के लिए विकास क्यो नही किया?राहुल ने नीतीश कुमार सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने इतने साल सत्ता में रहकर क्या किया। निशाना साधने वाले कभी अपनी सरकार पर नजर डालकर देखे कि देश मे 60 साल शासन करने के बाद भी कांग्रेस के तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहनसिंह को विदेश में तवज्जो नही दी जाती थी। आज हमारी प्रखर विदेश नीति के तहत दुनिया झुक रही है। यही तो सुशासन की कड़ी है।

राहुल का मकसद अस्थायी समाधान तलाशना नही है। कभी राहुल मुख्यमंत्री भी बन जाते, लेकिन उनको सीधा प्रधानमंत्री बनना है। उस दौर में बहुत अवसर थे। लेकिन अब कुंडली मार कर बैठे विकास पुरुष की वजह से केंद्र में कांग्रेस के शासन करने का समय बीत चुका है। कांग्रेस के प्रचार में सुस्ती की परत झाड़कर राहुल को तेज बनाने की कोशिश की जा रही है। राहुल के नीरस ब्यौरे तथा भीड़ भी घिसेपिटे डायलॉग से उकता चुकी है। शुरूआत में राहुल का भाषण कॉलेज में वाद विवाद में भाग ले रहे है जैसा लगता था।

दुनिया में हथियारों की खतरनाक होड़ के सूत्रधार बनेंगे ट्रंप

-मनोज कुमार अग्रवाल-

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के फिर से परमाणु परीक्षण शुरू करने की घोषणा पर दुनिया में जबरदस्त हलचल मच गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 33 साल बाद परमाणु परीक्षण का आदेश दिया है. चीन और रूस की टेस्टिंग के बीच यह फैसला वैश्विक तनाव बढ़ा सकता है और एनपीटी समझौते पर सवाल खड़े करता है। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका के पास दुनिया में सबसे ज्यादा परमाणु हथियार हैं, लेकिन इंटरनेशनल कैंपेन टू एबॉलिश न्यूक्लियर वेपंस के अनुसार, रूस के पास लगभग 5, 500 परमाणु वारहेड हैं, जबकि अमेरिका के पास करीब 5, 044 हैं।

हाल ही में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने परमाणु हमले की तैयारी के अभ्यास का आदेश दिया था. रूसी सेना ने इंटरकांटिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल यार्स और सिनेवा मिसाइल का परीक्षण किया, साथ ही टीयू-95 बमवर्षक विमान से लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल भी दागी. ट्रंप ने इन परीक्षणों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि पुतिन को युद्ध खत्म करने पर ध्यान देना चाहिए, न कि मिसाइल टेस्ट करने पर। ट्रंप के परमाणु परीक्षण के आदेश से वैश्विक स्तर पर हड़कंप मच गया है. विशेषज्ञों का कहना है कि यह कदम वैश्विक निरस्त्रीकरण प्रयासों को कमजोर कर सकता है और न्यूक्लियर नॉन-प्रोलिफरेशन ट्रीटी का उल्लंघन भी माना जा सकता है, जिसे अमेरिका ने 1992 में साइन किया था.

आपको बता दें कि इस पर तीखी प्रतिक्रिया आ रही है। ईरानी के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने एक्स पर एक पोस्ट लिखकर ट्रम्प के बयान की तीखी आलोचना की। उनका कहना था कि अपने रक्षा विभाग का नाम बदलकर युद्ध विभाग रखने वाला परमाणु हथियारों से लैस दबंग देश खुद परमाणु हथियारों का परीक्षण करने जा रहा है। यही दबंग देश ईरान के शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम को बदनाम कर रहा है और हमारे सुरक्षित परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमले की धमकी दे रहा है। इससे पहले ये जानना जरूरी है कि परमाणु परीक्षण क्या है और इसके क्या नुकसान हो सकते हैं। नाभिकीय अस्त्र परीक्षण या परमाण परीक्षण उन प्रयोगों को कहते हैं जो डिजाइन एवं निर्मित किए गए नाभिकीय अस्त्रों के प्रभाविकता, उत्पादकता एवं विस्फोटक क्षमता की जांच करने के लिए किए जाते हैं। परमाणु परीक्षणों से कई जानकारियां प्राप्त होतीं हैं, जैसे ये नाभिकीय हथियार कैसा काम करते है, विभिन्न स्थितियों में ये किस प्रकार का परिणाम देते है, भवन एवं अन्य संरचनाएं इन हथियारों के प्रयोग के बाद कैसा बर्ताव करतीं हैं। इसके अलावा परमाणु परीक्षणों से वैज्ञानिक, तकनीकी एवं सैनिक शक्ति का प्रदर्शन करने की कोशिश भी की जाती है। बीसवीं सदी में कई देशों ने परमाणु परीक्षण किए थे। पहला परमाणु परीक्षण अमेरिका ने 16 जुलाई, 1945 में किया था जिसमें 20 किलोटन का परीक्षण किया गया था। अब तक का सबसे बड़ा परमाणु परीक्षण सोवियत रूस में 30 अक्टूबर 1961 को किया गया था जिसमें 50 मेगाटन के हथियार का परीक्षण किया गया था। 25 मई, 2009 को उत्तरी कोरिया ने परमाणु परीक्षण किया था, जिसे विश्व के अधिकांश देशों ने निंदनीय बताया है। विश्व के परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्रों ने अब तक कम से कम 2000 परमाणु परीक्षण किए हैं। हालांकि अब इस पर अंतर्राष्ट्रीय कानून बने हुए हैं, जिनका पालन करना दुनिया के हर देश का कर्तव्य है, लेकिन अब ट्रम्प ने परमाणु परीक्षण की बात कहकर दुनिया में हलचल मचा दी है। अगर अब परमाणु परीक्षण होता है, तो यह अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का घोर उल्लंघन है। इस तरह अमेरिकी राष्ट्रपति ने परमाणु परीक्षण की बात कहकर इन कानूनों का उल्लंघन किया है। ईरान के विदेश मंत्री का साफ कहना था कि अमेरिका दुनिया में परमाणु प्रसार का सबसे बड़ा खतरा है। उल्लेखनीय है कि श्री ट्रम्प ने दक्षिण कोरिया में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन से इतर चीन के प्रधानमंत्री शी जिनपिंग से मुलाकात से ठीक पहले गुरुवार को अपने टूथ सोशल प्लेटफॉर्म पर लिखा था कि उन्होंने अमेरिका के रक्षा विभाग को परमाणु हथियारों के परीक्षण का आदेश दिया है। अन्य देशों के परीक्षण कार्यक्रमों के कारण, मैंने युद्ध विभाग को निर्देश दिया है कि वे हमारे परमाणु हथियारों का समान परीक्षण शुरू करें। रूस ने अमेरिकी राष्ट्रपति के इस बयान पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि रूस ने हाल में कोई परीक्षण नहीं किया है, लेकिन अगर अमेरिका ऐसा करता है, तो रूस भी परमाणु हथियारों का परीक्षण शुरू कर देगा। सोवियत संघ ने आखिरी बार 1990 में, अमेरिका ने 1992 में और चीन ने 1996 में परमाणु हथियार का परीक्षण किया था। चीन ने हालांकि ट्रम्प के बयान पर संतुलित रुख अपनाया। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन का कहना था कि बीजिंग को उम्मीद है कि अमेरिका व्यापक परमाणु परीक्षण-प्रतिबंध संधि (सीटीबीटी) और परमाणु परीक्षणों पर उसके प्रतिबंधका पालन करेगा। नोबेल शांति पुरस्कार जीतने वाले जापानी परमाणु बम पीड़ितों के समूह निहोन हिडांक्यो ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की घोषणा कड़ी आलोचना की है और इसे पूरी तरह अस्वीकार्य बताया है।

उधर अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी) ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका परीक्षण दोबारा शुरू करता है, तो यह हथियारों की नई दौड़ को जन्म दे सकता है. अमेरिकी सीनेटर एलिजाबेथ वॉरेन ने कहा, ह्लट्रंप परमाणु हथियारों को खिलौना बना रहे हैं.ह्व दुनिया भर के विश्लेषकों का मानना है कि अमेरिका का यह कदम रूस और चीन के बढ़ते परमाणु प्रभाव के जवाब में है, लेकिन इससे अंतरराष्ट्रीय शांति और स्थिरता को बड़ा झटका लग सकता है.यह स्थिति विश्व भर में हथियारों की खतरनाक होड़ को जन्म दे सकती है।

त्रिचरणीय आतंक की कैद में तडफता सौहार्द

-डा. रवीन्द्र अरजरिया-

समूचे संसार में समस्याओं का अम्बार लगा है। लोगों की मनमानियां चरम सीमा पर हैं। संविधान, कानून, नियम, शर्तें, समझौते, मान्यतायें, परम्परायें सभी टूट चुकीं हैं। व्यक्तिगत सुख का सिद्धान्त पूरी तरह से लागू हो चुका है। पहले स्वयं, फिर परिजन और बाद में स्वजनों तक पहुचकर संवेदनायें समाप्त हो जातीं हैं। समाज, देश और विश्व की चिन्तायें अपनी चिता पर स्वाहा होगीं है। धन, सम्पत्ति और संपदा की मृगमारीचिका के पीछे भागने वालों में लगभग 99.99 प्रतिशत जनसंख्या शामिल हो चुकी है। यही आंकडा संसार के देशों पर भी लागू होता है जो स्वार्थ की बुनियाद पर शीशमहल खडा करने में जी जान से जुटे हैं। कथित अनुसंधानों के द्वारा व्यवस्था को तंत्र को अव्यवस्थित करने वाले तो विलासता की चाह में गले तक डूब चुके हैं। ऐसे लोग भविष्य की कीमत पर भी वर्तमान का आनन्द तलाशने में जुटे हैं। प्राकृतिक संसाधनों का दोहन चरम सीमा पर पहुंच गया है। जीव से अधिक महात्व मशीनों को दिया जाने लगा है। वर्चस्व की जंग में हथियारों की होड, उपकरणों का प्रयोग और जीवित सांसों को गुलामी की बेडियां पहनाने का क्रम चल निकला है। जाति, क्षेत्र, भाषा, जीवन शैली आदि के आधार पर विभाजनकारी रेखायें निरंतर खींची जा रही हैं। धर्म निरपेक्षता के नाम पर धर्मविरोधियों द्वारा मानवता के खिलाफ षडयंत्र किये जा रहे हैं। आरक्षण के प्रकोप से जातिगत धरातल पर खून की नदियां बहाई जा रहीं हैं। जन्म के आधार पर सुविधाओं का पिटारा खोलकर आपसी वैमनुष्यता की की रेवडियां बांटी जा रहीं हैं। मुफ्तखोरी को बढावा देकर हरामखोरों की जमातें तैयार की जा रहीं हैं। ऐसे में दूरदर्शिता को हाशिये पर पहुंचाने वाले कभी चुनावी माहौल को रक्तरंजित करने का षडयंत्र करते हैं तो कभी आन्दोलनों के नाम पर असामाजिक तत्वों के सहयोग से दंगे फैलाते हैं। भाषायी विवाद पैदा करने वाले राजनैतिक दलों ने तो अपने संस्थापक के सिद्धान्तों तक को दरकिनार करते हुए दूसरे राज्यों में बसे अपने राज्य के लोगों हेतु मुश्किलें पैदा कर दीं हैं। परिवारवाद के साथ सत्ता को जोडकर उसे अधिकार की परिधि में शामिल कर लिया गया है। चाटुकारों की टोलियां निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए अपने आकाओं की संतानों को जन्म के साथ ही विलासता भरे शासन की लोरियां सुनाने लगतीं हैं। विरोध के नाम पर प्रत्येक बिन्दु पर नकारात्मकता परोसने वाले विवेकहीन लोगों के बढते कद ने समाज की विवेकहीनता का उदाहरण परोस दिया है। संसार भर में हथियारों के सौदागरों का परचम फहरा रहा है। मृत्यु को उद्योग बनाने वाले देशों का षडयंत्रकारी नेतृत्व केवल और केवल अपनों तक ही सीमित होकर रह गया है। परिजनों को लाभ दिलाने हेतु विकसित देश के सत्ताधारियों द्वारा राष्ट्रहित को तिलांजलि दी जा रही है। बानगी के तौर पर देखें तो अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर जहां ट्रंप ने अपने बेटों की कम्पनी वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल के साथ पाकिस्तान क्रिप्टो काउंसिल का समझौता करके क्रिप्टोकरेंसी और डिजिटल वित्तीय परिवर्तन के क्षेत्र में मील का पत्थर बनने की घोषणा की वहीं राष्ट्रीय स्तर पर सोनिया गांधी की अध्यक्षता वाली राजीव गांधी फाउंडेशन ने चीन से फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के समर्थन में एक प्रोजेक्ट हेतु ?30 लाख डॉलर की आर्थिक सहायता चीनी दूतावास से दान प्राप्त की। इस संस्था में राहुल गांधी, मनमोहन सिंह और पी. चिदंबरम सहित अनेक सदस्य शामिल हैं। स्थानीय स्तर पर भी कार्यपालिका और विधायिका के अनेक सदस्य अपने परिवारजनों के नाम पर संस्थायें गठित करके जमकर पैसा लूटने में लगे हैं। एक ओर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर मीरजाफरों की सहायता से विकासशील देशों को अस्थिर करके उन्हें पडोसियों के साथ लडाने में दुनिया के ठेकेदार अपनी पूरी ताकत झौंक रहे हैं वहीं दूसरी ओर देश के अन्दर सुलतान बनने की चाहत रखने वाले नैतिकता को दफन करके खून की नदियां बहाने की स्थितियां पैदा कर रहे हैं। स्थानीय स्तर पर तो आतंक के बादलों ने संविधान के सूरज को पूरी तरह ही ढक लिया है। इसके लिए धनबल, बाहुबल, भीडबल, पहुंचबल, सत्ताबल, सम्मानबल, भौंकालबल, प्रोपोगंडाबल जैसी आंधियां तेजी से चल रहीं हैं। उत्तरदायी तंत्र मूक दर्शक बना अपनी भारी भरकम पगार पर मौज मना रहा है। सरकारी नौकरी में लगे करोडों मतदाताओं को लुभाने के लिए अनावश्यक रूप से वेतन वृद्धि, सुविधाओं में बढोत्तरी, पेंशन में इजाफा जैसे कार्य बेधड़क किये जा रहे हैं। ईमानदार करदाताओं द्वारा दिये जाने वाले पैसों, निरीह लोगों से होने वाली जबरजस्ती सरकारी वसूली और मनमाने बनाये जाने वाले नियमों से भरने वाले खजाने से यह लालची भुगतान निरंतर हो रहा है।

घोषणा-पत्रः लोकतंत्र का सशक्त हथियार या चुनावी छलावा?

-ललित गर्ग-

बिहार विधानसभा चुनाव में दोनों ही गठबंधनों ने बढ़-चढ़कर लोकलुभावनी और जनता को आकर्षित या गुमराह करने वाली घोषणाओं से जुड़े चुनावी घोषणा पत्र जारी किए हैं। इन घोषणा पत्रों में जिस तरह की घोषणाएं की गई हैं, वे निश्चित रूप से अतिशयोक्तिपूर्ण हैं। यह प्रश्न अब गंभीर हो गया है कि क्या घोषणा पत्र लोकतंत्र के महाकुंभ यानी चुनाव का सबसे सशक्त हथियार बन चुके हैं या चुनावी छलावा? निश्चित ही यह जनता को रिझाने और प्रभावित करने का प्रमुख माध्यम बन गया है, परंतु सत्ता में आने के बाद कितने राजनीतिक दलों ने अपने घोषणा पत्रों का अक्षरशः पालन किया है, यह बड़ा सवाल है। वास्तव में घोषणा पत्र किसी दल का दृष्टिपत्र होता है, जो उसके विचारों, उद्देश्यों और संकल्पों का सार्वजनिक दस्तावेज है। यह बताता है कि दल सत्ता में आने के बाद राज्य या देश की दिशा कैसी तय करना चाहता है, किन मूलभूत समस्याओं का समाधान करना चाहता है और विकास की कौन सी राह पर चलना चाहता है। घोषणा पत्रों में किए गए वादों को लेकर परस्पर विरोधी दलों में आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला तो छिड़ता है, लेकिन उन्हें लेकर वैसी सार्थक बहस नहीं हो पाती, जैसी विकसित देशों में होती है और जिसके आधार पर वहां स्वस्थ जनमत तैयार करने में मदद मिलती है। हैरानी नहीं कि अपने यहां चुनावी घोषणा पत्र अपनी महत्ता खोते जा रहे हैं।

लोकतंत्र में घोषणा पत्र की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यह मतदाताओं के लिए जानकारी और निर्णय का आधार बनता है। मतदाता यह जान सकते हैं कि कौन-सा दल किस विषय पर क्या सोचता है, उसकी प्राथमिकताएं क्या हैं और वह किन वर्गों के कल्याण के लिए क्या योजनाएं रखता है। यह राजनीतिक दलों की जनता के प्रति सार्वजनिक प्रतिज्ञा होती है, एक तरह की जवाबदेही का प्रतीक। लेकिन दुर्भाग्य से भारतीय लोकतंत्र में यह जवाबदेही सिर्फ कागजों पर ही रह गई है। अधिकांश दल चुनाव जीतने के बाद घोषणा पत्रों को भूल जाते हैं। मतदाता भी अपने वोट के बदले वादों की पूर्ति का हिसाब नहीं मांगते। परिणामस्वरूप घोषणा पत्र एक औपचारिकता और दिखावे का माध्यम बनकर रह गए हैं। इतिहास पर नजर डालें तो अधिकांश घोषणाओं का पालन आधा-अधूरा ही हुआ है। राजस्थान में पिछली सरकार ने अपने घोषणा पत्र के लगभग 64 प्रतिशत वादे पूरे किए, जबकि कर्नाटक में सिर्फ तीन प्रतिशत वादे ही पूरे हुए। यह आंकड़े बताते हैं कि घोषणा पत्र को गंभीरता से न तो दल लेते हैं, न जनता। यह स्थिति लोकतंत्र की आत्मा के विपरीत है, क्योंकि लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि जनता अपने प्रतिनिधियों से सवाल करे और जवाब मांगे।

घोषणा पत्रों की एक बड़ी समस्या यह है कि उनमें की गई घोषणाएं वित्तीय दृष्टि से असंभव होती हैं। जनता को खुश करने के लिए ऐसे वादे किए जाते हैं जिनके लिए न तो संसाधन हैं, न कोई ठोस योजना। कोई कानूनी प्रावधान भी नहीं है कि दल अपने वादे पूरे न करने पर जवाबदेह बने। यही कारण है कि चुनाव के बाद घोषणाएं भुला दी जाती हैं। बिहार चुनाव के संदर्भ में देखें तो एनडीए और महागठबंधन दोनों ने अत्यधिक आकर्षक और लोकलुभावन वादों से भरे घोषणा पत्र जारी किए हैं। एनडीए ने अपने ह्यसंकल्प पत्रह्ण में एक करोड़ नौकरियों का वादा किया है, महिलाओं को दो लाख रुपये तक की सहायता, हर जिले में कौशल केंद्र, किसानों के लिए नौ हजार रुपये वार्षिक सम्मान निधि और सात नए एक्सप्रेस-मार्गों के निर्माण की बात कही है। वहीं महागठबंधन ने अपने ह्यतेजस्वी प्रणह्ण में प्रत्येक परिवार को सरकारी नौकरी देने, महिलाओं को ढाई हजार रुपये मासिक सहायता, पच्चीस लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा, दो सौ यूनिट मुफ्त बिजली, किसानों को समर्थन मूल्य की गारंटी और मंडियों की बहाली जैसे बड़े वादे किए हैं। दोनों घोषणाओं में एक बात समान है- वे अत्यधिक महत्त्वाकांक्षी और जन-लोभक हैं। नौकरियों, मुफ्त बिजली, नकद सहायता और भारी निवेश की घोषणाएं सुनने में तो आकर्षक लगती हैं, पर इनकी व्यावहारिकता संदिग्ध है। बिहार जैसे राज्य में, जहां संसाधन सीमित हैं और रोजगार की स्थिति जटिल है, इन वादों को लागू करना आसान नहीं है। घोषणाओं में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि इतने बड़े खर्चों का वहन कैसे होगा, कौन-से विभाग या योजनाएं इनका संचालन करेंगे और कब तक परिणाम दिखेंगे।

इन घोषणा पत्रों में जनकल्याण की भावना अवश्य है, परंतु वह यथार्थ से अधिक कल्पना पर आधारित लगती है। बिहार की वास्तविक समस्याएं- शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रवासी मजदूर, कृषि संकट, रोजगार और उद्योगों का अभाव, इनका समाधान केवल लोकलुभावन वादों से नहीं होगा। आवश्यक है कि दल घोषणाएं करने से पहले उनकी वित्तीय और प्रशासनिक व्यवहार्यता का गंभीर अध्ययन करें। राजनीति में घोषणा पत्रों का उपयोग अब एक चुनावी हथियार के रूप में हो रहा है, न कि जनसेवा की प्रतिबद्धता के रूप में। मतदाता को भी जागरूक होना होगा कि वे केवल वादों से प्रभावित न हों, बल्कि यह जानने की कोशिश करें कि पिछले चुनावों में किए गए वादों में से कौन-से पूरे हुए। मीडिया और सामाजिक संस्थाओं को भी यह दायित्व निभाना चाहिए कि वे चुनावों के बाद घोषणाओं की निगरानी करें, ताकि दल जवाबदेह बने। घोषणा पत्र तभी सार्थक होंगे जब उनमें किए गए वादे मापनीय, समयबद्ध और संसाधन-सिद्ध हों। दलों को चाहिए कि वे घोषणाओं को नारेबाजी के बजाय ठोस योजनाओं में बदलें। यह भी आवश्यक है कि चुनाव आयोग इस दिशा में कोई नीति बनाए ताकि असंभव और अव्यावहारिक वादों से जनता को भ्रमित न किया जा सके।

NCR समाचार

संपादकीय कार्यालय

जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार प्रात: 9:00 से सायं 9:00

फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षो से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

मुंबई हवाई अड्डे पर 47 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त, महिला समेत 5 लोग गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बड़े पैमाने पर अवैध सोना, कीमती सामान और ड्रग्स, कोकीन आदि की तस्करी हो रही है। अक्सर कस्टम इस तस्करी को नाकाम कर देती है। इस बीच राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की मुंबई क्षेत्रीय इकाई ने ड्रग्स की तस्करी के खिलाफ एक बड़े अभियान में 47 करोड़ रुपये मूल्य का कोकीन जब्त किया है। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक महिला यात्री से लगभग 4.7 किलोग्राम कोकीन जब्त किया गया है। इस कोकीन का अंतरराष्ट्रीय बाजार मूल्य 47 करोड़ रुपये आंका गया है। बताया गया है कि विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर, डीआरआई के अधिकारियों ने कोलंबो से मुंबई आई एक महिला यात्री को हवाई अड्डे पर रोका। उसके सामान की जाँच करने पर, कॉफी पाउडर के नौ पैकेटों में सफेद रंग का पदार्थ छिपा हुआ पाया गया। एनडीपीएस फील्ड टेस्ट किट से जाँच करने पर पता चला कि वह कोकीन है। इस कार्रवाई के तुरंत बाद, कोकीन प्राप्त करने वाले व्यक्ति को भी हवाई अड्डे पर जाल बिछाकर गिरफ्तार कर लिया गया। आगे की जाँच के दौरान, इस तस्करी गिरोह में शामिल तीन और लोगों को भी गिरफ्तार किया गया, जो इन ड्रग्स के वित्तपोषण, रसद, संग्रह और वितरण में शामिल थे। इस प्रकार, इस मामले में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम, 1985 के तहत कुल पाँच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस आगे की जाँच कर रही है।

आवासीय स्कूल में फूड पॉइजनिंग का संदेह... 50 से अधिक छात्र अस्पताल में भर्ती

तेलंगाना (एजेंसी)। तेलंगाना के गडवाल जिले के धर्मावरम में मौजूद स्कूल में 50 से अधिक छात्र भोजन करने के बाद बीमार पड़ गए। जिला प्रशासन के अधिकारियों को फूड पॉइजनिंग (दूषित भोजन) का संदेह है। प्रशासन के अधिकारियों ने बताया शुक्रवार शाम करीब 6ः30 बजे छात्रावास में 110 छात्रों ने भोजन किया। भोजन के तुरंत बाद कई छात्रों को उल्टी और पेट दर्द की शिकायत हुई। कुल 52 छात्रों को भोजन विषाक्तता (फूड पॉइजनिंग) का सामना करना पड़ा। उन्हें तुरंत गडवल अस्पताल ले जाया गया। शनिवार सुबह तक, 32 छात्रों को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। जबकि 20 अन्य छात्र अभी भी डॉक्टरों की निगरानी में हैं। डॉक्टरों के अनुसार, सभी की हालत स्थिर है और वे खतरे से बाहर हैं।

जिला स्वास्थ्य अधिकारियों और खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने भोजन के दूषित होने के कारणों का पता लगाने के लिए जाँच शुरू कर दी है। छात्रावास की रसोई से खाद्य पदार्थों के नमूने एकत्र कर प्रयोगशाला विश्लेषण के लिए भेजे गए हैं। स्थानीय शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने स्कूल का दौरा किया और स्वच्छता एवं खाना पकाने की स्थिति का जायजा लिया। स्कूल प्रबंधन को सख्त खाद्य सुरक्षा प्रोटोकॉल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस मामले की जाँच कर रही है।

जयपुर में स्कूल की 5वीं मंजिल से गिरी छात्रा, मौत

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में नीरजा मोदी स्कूल में 5वीं मंजिल से गिरी छात्रा अमायरा (12) पुत्री विजय कुमार की मौत हुई है। वह छठी क्लास में पढ़ती थी। जानकारी के मुताबिक झाड़ियों में गिरने पर उसका सिर दीवार से टकराया। चीख की आवाज सुनकर स्टाफ पहुंचा। बच्ची जिस जगह से गिरी, वहां सीढ़ियां पर सीसीटीवी भी लगा हुआ है। छात्रा को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां बच्ची को मृत घोषित किया। हादसे की सूचना पर अस्पताल पहुंची मां शिबानी और पिता विजय देव का रो-रोकर बुरा हाल है। मां गुस्से में रोते हुए अपनी बच्ची को लौटा देने की बात कह रही हैं। पिता विजय खामोश है। डॉक्टर्स ने उन्हें रुलाने की कोशिश की, लेकिन वे बेसुध है। वहीं स्कूल प्रशासन ने घटना के बाद वहां सफाई करवा दी, खून के धब्बे साफ करवा दिए। घटना के बाद घटना स्थल पर सबूत सुरक्षित रखना कानूनन जरूरी होता है, लेकिन स्कूल प्रशासन ने सबूत मिटा दिए।

पाकिस्तान को फोटो और गोपनीय जानकारी भेजने के आरोप में तीन लोग गिरफ्तार

-कपूरथला पुलिस ने केंद्रीय जांच एजेंसियों की मदद से की कार्रवाई

कपूरथला (एजेंसी)। पंजाब के कपूरथला में पुलिस ने रक्षा क्षेत्र की फोटो और गोपनीय जानकारी भेजने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। मुख्य आरोपी गुरनाम सिंह पर पहले ही एनडीपीएस के कई दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से छह मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं, जिनका इस्तेमाल कपूरथला के आर्मी कैंट इलाके की गुप्त सूचनाएं पाकिस्तान भेजने के लिए होता था।

पुलिस अधीक्षक प्रभजोत सिंह ने बताया कि, मामले के मुख्य आरोपी का सीधे संबंध पाकिस्तान से हैं। आरोपी को फिरोजपुर से गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि, आरोपी गुरनाम से कड़ी पूछताछ की जा रही हैं, इसमें कई और लोगों के शामिल होने की संभावना है।

एसपी ने बताया कि, बीते महीने 28 अक्टूबर को गोपनीय सूचना पर कपूरथला पुलिस ने कांजली के पास कपूरथला निवासी राजा नामक युवक को गिरफ्तार किया था। वह डिफेंस एरिया में सफाई कर्मचारी के तौर पर काम करता था। उसने अपने साथियों की मदद से सैन्य क्षेत्र की तस्वीरें और गोपनीय दस्तावेज पाकिस्तान भेजे थे। इसके बाद आरोपी राजा के खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज कर पुलिस रिमांड लिया गया।

एसपी सिंह ने बताया कि, पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी राजा की पहचान पर एक अन्य आरोपी जसकरण सिंह निवासी धर्मकोट को गिरफ्तार किया है। जसकरण सिंह की गिरफ्तारी के बाद मुख्य आरोपी गुरनाम सिंह निवासी फिरोजपुर को गिरफ्तार किया। तीनों आरोपियों से 6 मोबाइल फोन भी बरामद हुए हैं। इन्हीं फोन के जरिए आरोपी सैन्य क्षेत्र की तस्वीरें और गोपनीय दस्तावेज पाकिस्तान भेजते थे। मामले में फिरोजपुर निवासी गुरनाम सिंह मुख्य आरोपी है।

उन्होंने कहा कि, मामला बेहद संवेदनशील है, इसलिए मीडिया में ज्यादा जानकारी साझा नहीं की जा सकती। इस पूरे ऑपरेशन और गिरफ्तारियों के दौरान केंद्रीय एजेंसियों ने कपूरथला पुलिस और पंजाब की अन्य एजेंसियों का पूरा सहयोग किया। संयुक्त प्रयासों से मामले के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया।

जाति जनगणना का पहला चरण शुरू, मकान व परिवार की देनी होगी जानकारी

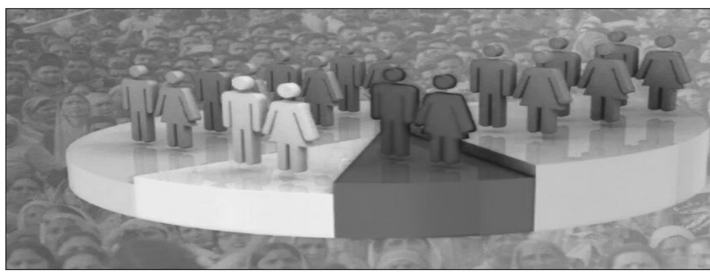

नई दिल्ली (एजेंसी)। जाति जनगणना पर देश की तमाम राजनीतिक दलों की नजरें हैं। स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार होने जा रहे जाति आधारित जनगणना की दिशा में शनिवार को एक बड़ा कदम उठाया। सरकार इस जनगणना के पहले चरण यानी हाउसलिस्टिंग एंड हाउसिंग सेंसस (एचएलओ) के लिए तैयार किए गए सेल्फ एन्यूमरेशन मॉड्यूल का परीक्षण शुरू करेगी। इस दौरान चुनिंदा इलाकों में एन्यूमरेटर (गणनाकर्मी) प्रमुख नागरिकों के घर जाकर वेबसाइट पर डिटेल भरने में उनकी मदद करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट में एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि यह ट्रायल दो चरणों में होगा। 1 से 7 नवंबर तक वेबसाइट के जरिये सेल्फ एन्यूमरेशन की प्रक्रिया चलेगी, जबकि 10 से 30 नवंबर तक एन्यूमरेटर घर-घर जाकर बाकी डेटा जुटाएंगे। यह जनगणना 2027 का पहला चरण होगा, जिसमें मकान और परिवार से जुड़ी बुनियादी जानकारी ली जाएगी। पूरी प्रक्रिया 1 अप्रैल 2026 से 28 फरवरी 2027 के बीच दो चरणों में पूरी की जाएगी।

प्री-टेस्ट में घरों से करीब 30 सवाल पूछे जाएंगे। इनमें मकान नंबर, घर की छत और फर्श की सामग्री, परिवार प्रमुख का नाम और लिंग, परिवार में रहने वाले लोगों की संख्या, पीने के पानी का स्रोत, बिजली और शौचालय की सुविधा, खाना बनाने में उपयोग होने वाला ईंधन, टीवी, लैपटॉप, कंप्यूटर, कार, मोबाइल जैसी सुविधाओं की जानकारी शामिल होगी।

आरजीसीसीआई के मुताबिक इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी। जनगणना कर्मियों को एक डिजिटल जिला नक्शा दिया जाएगा। जो लोग 1 से 7 नवंबर के बीच खुद वेबसाइट पर फॉर्म भरेंगे, उनकी जानकारी एन्यूमरेटर को एक ऐप पर दिखाई देगी। बाकी घरों की जानकारी एन्यूमरेटर ऐप के ज़रिये दर्ज करेंगे। सभी डेटा सेंसर मैनेजमेंट एंड मॉनिटरिंग सिस्टम से जुड़ा रहेगा, जो जनगणना की निगरानी और प्रबंधन करेगा।

बता दें यह जनगणना 2021 में ही शुरू होनी थी, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण स्थगित कर दी गई थी। अब इसे जनगणना 2027 के रूप में शुरू किया जा रहा है। फरवरी 2027 तक इसे पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। 2021 की जनगणना में राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर के तहत सेल्फ एन्यूमरेशन की सुविधा दी गई थी। उस समय नागरिकों को आधार या मोबाइल नंबर देना अनिवार्य था। हालांकि, इस बार सरकार ने लोकसभा में स्पष्ट कर दिया है कि एनपीआर को अपडेट करने का कोई फैसला नहीं लिया गया है। एनपीआर जिसमें वर्तमान में 119 करोड़ निवासियों का डेटा है, 2015-16 में अंतिम बार अपडेट किया गया था।

एनपीआर को नागरिकता नियम, 2003 के तहत राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर की दिशा में पहला कदम माना जाता है। एनपीआर पहली बार 2010 में 2011 की जनगणना के साथ तैयार किया गया था। सरकार की तरफ से 16 अक्टूबर को जारी अधिसूचना के मुताबिक इस बार केवल पहले चरण यानी हाउस लिस्टिंग एंड हाउसिंग (एचएलओ) का ही प्री-टेस्ट होगा क्योंकि जाति गणना की पद्धति को लेकर अभी अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। 2019 में 2021 जनगणना से पहले दोनों चरणों- एचएलओ और जनसंख्या गणना तथा एनपीआर के सवालों का परीक्षण एक साथ किया गया था। उस दौरान देशभर के 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 76 जिलों में 26 लाख लोगों को कवर किया गया था। संक्षेप में 1 नवंबर से शुरू होने वाला यह प्री-टेस्ट भारत की अब तक की सबसे बड़ी डिजिटल गणना का पहला कदम होगा। इस जनगणना में न केवल घरों और जनसंख्या से जुड़ी जानकारी ली जाएगी, बल्कि स्वतंत्र भारत में पहली बार जाति का भी डिजिटल स्तर पर रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा, जो आने वाले वर्षों में नीति निर्धारण में अहम भूमिका निभा सकता है।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का आरोप... केंद्र हम पर हिंदी थोपने का प्रयास कर रहा

-अंग्रेजी और हिंदी हमारे बच्चों की प्रतिभा को कमजोर कर रही

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने केंद्र की मोदी सरकार पर कन्नड़ की उपेक्षा करने और हिंदी थोपने का आरोप लगाया। उन्होंने राज्य के लोगों से कन्नड़ विरोधियों का विरोध करने का आव्हान किया। सिद्धारमैया कर्नाटक के स्थापना दिवस पर हुए 70वें राज्योत्सव में कहा कि केंद्र की मोदी सरकार कर्नाटक के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा, हम पर हिंदी थोपने की लगातार कोशिशें हो रही हैं। हिंदी और संस्कृत के विकास के लिए अनुदान मिलता है, जबकि देश की बाकी भाषाओं की उपेक्षा हो रही है। सिद्धारमैया ने कहा अंग्रेजी और हिंदी हमारे बच्चों की प्रतिभा को कमजोर कर रही है। मातृभाषा को शिक्षा का माध्यम बनाने के लिए कानून होना चाहिए। केंद्र को मातृभाषा में ही शिक्षा को अनिवार्य करना चाहिए। सिद्धारमैया अक्सर कन्नड़ को लेकर केंद्र सरकार को निशाना बनाते हैं। सितंबर में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने मुख्य अतिथि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से ही पूछ लिया था कि क्या आपको कन्नड़ आती है, मैं कन्नड़ में बात करता हूं। हालांकि राष्ट्रपति ने सिद्धारमैया को जवाब देकर कहा कि मैं मुख्यमंत्री से कहना चाहूंगी कि कन्नड़ भले ही मेरी मातृभाषा नहीं हैं, लेकिन यह कर्नाटक की भाषा है। मुझे भारत की हर भाषा, संस्कृति और परंपरा से प्यार है। मैं उनका सम्मान करती हूं। इतना ही नहीं राष्ट्रपति ने कहा, सब अपनी भाषा को जीवित रखिए। अपनी संस्कृति और परंपरा को जिंदा रखिए। मैं इसके लिए शुभकामनाएं देती हूं। मैं कन्नड़ भाषा धीरे-धीरे सीखने का कोशिश करूंगी।

दिल्ली में कितने आवारा कुत्ते... सोमवार को सुप्रीम कोर्ट को बताएंगे मुख्य सचिव वर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आवारा कुत्तों की स्थिति पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कड़ा रुख दिखाया। अदालत ने सोमवार को दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव को रिपोर्ट पेश कर वास्तविकता से अवगत कराने को कह दिया है। पिछली सुनवाई 27 अक्टूबर को हुई थी, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल को छोड़ अन्य किसी भी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश ने अपना पक्ष नहीं रखा था, जिस पर कोर्ट ने कड़ा रुख दिखाकर अन्य राज्यों की तरह दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव को पेश होने का निर्देश दिया है।

दिल्ली में कुत्तों की स्थिति को लेकर मुख्य सचिव राजीव वर्मा जिन्होंने कुछ दिन पहले ही कार्यभार संभाला है, उन्होंने एमसीडी कमिश्नर अश्विनी कुमार से रिपोर्ट मांगी है। एमसीडी के पास स्ट्रीट डॉग की संख्या को लेकर कोई भी नई रिपोर्ट नहीं है। साल 2009 में हुई गणना में दिल्ली में करीब 5.6 लाख आवारा कुत्ते थे। विभिन्न अनुमानों और हालिया सर्वेक्षणों के अनुसार, वर्तमान में संख्या करीब 8 से 10 लाख तक हो सकती है। वर्ष 2016 में दक्षिणी दिल्ली नगर निगम (अब एकीकृत एमसीडी का हिस्सा) द्वारा चार ज़ोन में किए गए सर्वेक्षण में 1,89,285 कुत्तों की गणना की गई थी। इसकी पुष्टि एमसीडी कमिश्नर भी करते हैं, इसके बाद कुत्तों की गणना नहीं हुई।

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के पास कई सालों से आवारा कुत्तों की कोई आधिकारिक गणना नहीं है। पिछली गणना के बाद, अनुमानित संख्या में काफी वृद्धि हुई है। वर्ष 2009 में हुई पिछली गणना में दिल्ली में लगभग 5.6 लाख आवारा कुत्ते थे। विभिन्न अनुमानों और हालिया सर्वेक्षणों के अनुसार, वर्तमान में यह संख्या लगभग 8 लाख से 10 लाख तक हो सकती है। स्ट्रीट डॉग को लेकर काम कर रहे पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल भी कोर्ट में बता चुके हैं कि दिल्ली में कम से कम 8 लाख से अधिक स्ट्रीट डॉग हो सकते है।

अत्याधिक गरीबी से मुक्त राज्य बना केरल, सीएम ने की विधानसभा में घोषणा

विपक्ष ने पिनाराई सरकार के दावे को धोखाधड़ी बताया, सदन से किया बॉयकॉट

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने शनिवार को विधानसभा में राज्य ने अत्यधिक गरीबी से मुक्त होने की औपचारिक घोषणा की। लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट सरकार का दावा है कि केरल ऐसा करने वाला भारत का पहला राज्य बन गया है।

पिनाराई सरकार ने राज्य से अत्यधिक गरीबी हटाने के लिए 2021 में अत्यधिक गरीबी उन्मूलन परियोजना शुरू की थी। इसके तहत 64,006 परिवारों की पहचान की गई थी। सरकार का दावा है कि चार सालों में इन परिवारों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाल लिया गया है। केरल सीएम पिनाराई ने 25 अक्टूबर को एक्स पर कहा था कि राज्य अत्यधिक गरीबी से मुक्त हो गया है। उन्होंने कहा कि 1 नवंबर को केरल पिरवी या स्थापना दिवस के अवसर पर विधानसभा के विशेष सत्र में वह इसकी घोषणा करेंगे।

उन्होंने कहा था कि 1,000 करोड़ से ज्यादा के निवेश के साथ, राज्य सरकार ने अत्यधिक गरीबी से जूझ रहे परिवारों को हर रोज खाना, स्वास्थ्य सेवाएं, घर, जरूरी दस्तावेज जैसे राशन कार्ड, आधार, पेंशन और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए।

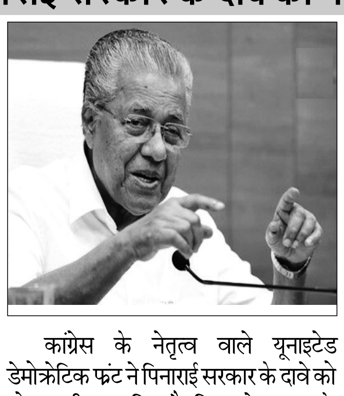

कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट ने पिनाराई सरकार के दावे को धोखाधड़ी करार दिया है। विपक्ष ने सरकार के विरोध में शनिवार को विशेष सत्र का बहिष्कार किया। जैसे ही विधानसभा का विशेष सत्र शुरू हुआ, सभी विपक्षी विधायक सदन से बाहर चले गए। केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने कहा कि नियम 300 के तहत मुख्यमंत्री का बयान गलत और सदन के नियमों के खिलाफ है।

विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए सीएम ने कहा कि हम केवल वही कहते हैं जो हम लागू कर सकते हैं। हमने जो कहा था, उसे लागू किया है। विपक्षी नेता को यही हमारा जवाब है। अत्यधिक गरीब लोगों की आय रोजाना 257 से कम वर्ल्ड बैंक की जून 2025 की परिभाषा के तहत जिन लोगों की आय प्रतिदिन तीन अमेरिकी डॉलर यानी करीब 257 से कम हैं, उन्हें अत्यधिक गरीब माना जाता है। पहले यह सीमा 2.15 डॉलर करीब 178 प्रतिदिन थी।

वर्ल्ड बैंक की 2025 की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में पिछले 11 सालों में करीब 269 मिलियन यानी 26.9 करोड़ अत्यधिक गरीबी से बाहर निकले हैं। 2011-12 में देश की अत्यधिक गरीबी दर 27.1फीसदी थी, जो 2022-23 में घटकर सिर्फ 5.3फीसदी रह गई है। 2011-12 में देश में 344.47 मिलियन यानी 34.4 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी में रह रहे थे, जबकि 2022-23 तक यह संख्या घटकर 75.24 मिलियन यानी 7.5 करोड़ हो गई। ग्रामीण भारत में अत्यधिक गरीबी दर 18.4फीसदी से घटकर 2.8फीसदी हो गई, और शहरी क्षेत्रों में यह 10.7फीसदी से घटकर सिर्फ 1.1फीसदी रह गई।

केरल ने मानवीय गरिमा को गरीबी का आधार बनाया केरल सरकार के मुताबिक, राज्य को अत्यंत गरीबी से बाहर निकालने की शुरुआत 2021 में हुई। सरकार ने इसके लिए भोजन, आय, स्वास्थ्य और आवास को आधार बनाया और इसे 'मानवीय गरिमा' नाम दिया। इसमें सामाजिक संगठनों की मदद ली गई।

राज्य सरकार ने 1300 सर्वेयर की टीम 14 जिलों में उतारीं, जिनके परिवारों के पास भोजन, स्वास्थ्य, आय और आवास नहीं थे, उन्हें चुनने का टास्क दिया गया। वार्डों डिवीजनों से भागीदारी नामांकन, उप-समितियों द्वारा शॉर्ट लिस्टिंग, एक मोबाइल एप का इस्तेमाल करके साक्षात्कार और ग्राम सभाओं द्वारा अंत तक अंतिम सत्यापन किया गया। टीमों ने ग्राम सभाओं, फोकस ग्रुप डिस्कशन में ऐसे 1,03,099 लोगों को खोज निकाला। 81फीसदी ग्रामीण इलाकों में रहते थे। 68फीसदी अकेले जी रहे थे। 24फीसदी को स्वास्थ्य समस्याएं, 21फीसदी को भोजन और 15फीसदी को घर की कमी थी।

सख्त निगरानी के साथ सामाजिक ऑडिट शुरू हुआ। केरल में 73 हजार माइक्रो प्लान बनाए। शुरुआत कोट्टायम जिले के 978 माइक्रो प्लान से की गई थी। लोगों की जरूरत के मुताबिक उनकी मदद की गई। इसकी सख्त मॉनिटरिंग की गई। हर पैसे और मदद का हिसाब लिया गया।

फेफड़ा फटे, पसलियां टूटीं इंटर्नल ब्लीडिंग हुई दुलारचंद यादव की मौत

पीएम रिपोर्ट से खुलासा, शरीर पर कई जगह मिले गहरे घाव

पटना (एजेंसी)। बिहार के मोकामा में जन सुराज के समर्थक दुलारचंद यादव की मौत से पर्दा उठ गया है। रिपोर्ट के मुताबिक उनकी मौत फेफड़ा फटने और सीने की कई पसलियां टूटने के कारण हुई। ये चोटें इतनी गंभीर थीं कि इंटर्नल ब्लीडिंग हुई, जिससे उनकी मौत हो गई। दुलारचंद यादव के सीने पर जोरदार प्रहार या भारी दबाव पड़ा, जिससे उनकी पसलियां टूट गईं और फेफड़े में गंभीर चोट पहुंची।

मीडिया रिपोर्ट में पीएम रिपोर्ट के मुताबिक शरीर पर कई जगह गहरे घाव और खून जमने के निशान मिले हैं। फेफड़े फटे हुए मिले, जिससे रक्तस्राव हुआ। छाती की कई पसलियां टूटी पाई गईं, खासकर दाहिनी ओर। रीढ़ की हड्डी के पास भी चोटों के निशान मिले। सिर, घुटने, टखने और पीठ पर गहरे जख्म और चोटें पाई गईं हैं। इसके साथ दाहिने पैर के पास फायरआर्म इंजरी का जिक्र यानी गोली लगने के निशान हैं। कई जगहों पर अब्रेशन और लैसेरेटेड वूंड्स मिले। डॉक्टरों के मुताबिक मौत का कारण कार्डियो-पल्मोनरी फेल्योर विद ब्लंट इंजरी टू चेस्ट एंड हेड, यानी छाती और सिर पर जोरदार चोटों व फेफड़े फटने से हृदय और सांस प्रणाली ने काम करना बंद कर दिया था। बता दें मोकामा के घोसवरी थाना क्षेत्र के तारतार गांव में जन सुराज समर्थक दुलारचंद यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस के मुताबिक हमलावरों ने पहले उनके पैर में गोली मारी और फिर उन पर गाड़ी चढ़ा दी। घटना के पीछे चुनावी रंजिश की बात सामने आई है। दुलारचंद यादव पूर्व में मोकामा विधानसभा सीट से चुनाव भी लड़ चुके थे। दुलारचंद इस बार जन सुराज से जुड़े थे। घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए। मृतक के पोते ने जेडीयू प्रत्याशी अनंत सिंह पर हत्या की साजिश रचवाने का आरोप लगाया, जबकि अनंत सिंह ने घटना के लिए दूसरे प्रत्याशी सूरजभान सिंह के गुट को जिम्मेदार बताया। दुलारचंद यादव की हत्या और उनकी शव यात्रा में भड़की हिंसा के बाद एफआईआर पंडारक थाने में दर्ज की गई है। यह शिकायत आरजेडी प्रत्याशी वीणा देवी के समर्थकों ने दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया गया है कि शव यात्रा में पंडारक इलाके में उनके काफिले पर हमला किया गया और गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई। इस मामले में सुमित, सोनू और गोलू को आरोपी बनाया है। जब दुलारचंद यादव की शव यात्रा गांव से निकल रही थी, तभी पंडारक बाजार के पास माहौल अचानक बिगड़ गया। भीड़ में पत्थरबाज़ी, गाड़ियों में तोड़फोड़ और मारपीट की स्थिति बन गई। इसी दौरान वीणा देवी के समर्थकों का काफिला निशाना बना, जिसके चलते स्थिति पुलिस बल की मौजूदगी के बावजूद कंट्रोल से बाहर हो गई। मोकामा हत्याकांड को लेकर तीन एफआईआर भदौर थाने में दर्ज हो चुकी है। पहली एफआईआर में मृतक दुलारचंद यादव के पोते नीरज कुमार ने दर्ज कराते हुए अनंत सिंह, उनके भतीजे राजवीर और कर्मवीर, साथ ही छोटन सिंह और कंजय सिंह को नामजद किया।

युवाओं को मोबाइल फोन पर नहीं, बल्कि पढ़ने की आदत डालनी चाहिएः कुमारस्वामी

बेंगलुरु (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा कि युवाओं को मोबाइल फोन पर ज़्यादा समय बिताने के बजाय पढ़ने की आदत डालनी चाहिए ताकि उसमें पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने कर्नाटक सरकार से सार्वजनिक पुस्तकालयों के लिए कन्नड़ पुस्तकों की थोक खरीद को फिर से शुरू करने का आह्वान किया।

केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने चिंता व्यक्त की कि सरकार ने पिछले चार-पांच सालों से कन्नड़ किताबें थोक में नहीं खरीदी हैं। उन्होंने अधिकारियों से तुरंत कार्यवाही करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक पुस्तकालयों में किताबें साहित्य में रुचि पैदा करने और कन्नड़ भाषा के प्रति गौरव की भावना को बढ़ावा देने में मदद करती हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि सरकार को औपचारिकतावश नहीं, बल्कि भाषा, साहित्य और लेखकों के प्रति सच्चे प्रेम के कारण पुस्तकें खरीदनी चाहिए। उन्होंने कन्नड़ के समृद्ध साहित्यिक इतिहास की प्रशंसा की और टी.आर. सुब्बा राव के उपन्यास दुर्गास्तंभ जैसी कृतियों के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक उन्हें हर बार प्रेरित करती है। केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने कहा कि कन्नड़ में ऐसी अनगिनत कालातीत रचनाएं हैं। सरकार को औपचारिकतावश नहीं, बल्कि हमारी भाषा, साहित्य और लेखकों के प्रति सच्चे प्रेम के कारण पुस्तकें खरीदनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने प्रकाशकों के सामने आज कामकाज जारी रखने में आने वाली चुनौतियों को भी स्वीकार किया।

ढीली निगरानी, नियमों का पालन नहीं और लापरवाही से भारत में बसें हो रही शिकार

-यूरोप, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में बस सुरक्षा के मानक बहुत सख्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो दर्दनाक बस अग्निकांड की घटनाओं ने फिर सड़क परिवहन की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आंध्र प्रदेश के कुरनूल में 24 अक्टूबर को हुई बस दुर्घटना में 20 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 14 अक्टूबर को राजस्थान के थईयात गांव में 26 यात्री काल के गाल में समा गए थे। इस तरह सिर्फ एक हफ्ते में 41 लोगों की मौत के साथ बस सुरक्षा मानकों की स्थिति पर बहस छिड़ गई है।

जानकारी के मुताबिक 2013 से अब तक भारत में सात बड़ी बस आग की घटनाओं में 130 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक इन हादसों की वजह न केवल तकनीकी खामियां हैं, बल्कि ढीली निगरानी, कमजोर नियमों का पालन और बस ऑपरेटरों की लापरवाही भी बड़ी जिम्मेदार है। मामूली टक्करें भी बड़ी आग का रूप ले सकती हैं, क्योंकि अधिकांश बसों का रखरखाव बेहद खराब है।

फैक्टरी डिजाइन से छेड़छाड़ करते हुए बसों में चार्जिंग पॉइंट, सजावटी लाइटिंग और इनवर्टर जोड़ दिए जाते हैं, जिससे वायरिंग ओवरलोड होकर जल जाती है। स्लीपर बसों में पर्दे, गद्दे और सिंथेटिक पैनल जैसी सामग्री आग को तेजी से फैलाती है। ज्यादातर बसों में छत के हैच या आपात दरवाजे या तो बंद होते हैं या मौजूद ही नहीं होते। नियमों के मुताबिक अग्निशामक यंत्र जरूरी हैं, लेकिन अक्सर ये खाली होते हैं या चालक दल को उनका उपयोग करना नहीं आता।

रिपोर्ट के मुताबिक ज्यादातर निजी बसें एक ही चालक द्वारा रातभर चलाई जाती हैं और इनमें स्पीड गवर्नर नहीं होते। सुरक्षा जोखिमों के बावजूद ज्यादातर यात्री निजी बसों को चुनते हैं क्योंकि सरकारी बस सेवाएं घट रही हैं। 2022 में इंटरसिटी सरकारी बसों की संख्या 1,01,908 थी, जो 2025 में घटकर 97,165 रह गई। इलेक्ट्रिक बसों की डिलीवरी में देरी और पुराने वाहनों की सेवानिवृत्ति ने यह कमी और बढ़ा दी। नतीजतन, निजी क्षेत्र ने यह जगह भर दी है, लेकिन उद्योग बेहद खंडित है। करीब 78 फीसदी ऑपरेटरों के पास पांच से कम बसें हैं।

बता दें यूरोप, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में बस सुरक्षा के मानक बेहद सख्त हैं। यूरोपीय संघ में लंबी दूरी की बसों में कई आपातकालीन निकास, अग्निरोधी सामग्री और इंजन-कम्पार्टमेंट अग्निशमन प्रणाली अनिवार्य हैं। अमेरिका में हर बस में स्पष्ट लेबलिंग के साथ त्वरित-निकास खिड़कियां और छत के हैच होते हैं जिनका नियमित निरीक्षण किया जाता है। ऑस्ट्रेलिया में राज्य नियामक हर बस में इंजन-बे अग्निशमन प्रणाली लागू हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में भी आपातकालीन सुरक्षा मानकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लाने की जरूरत है। अग्निरोधी सामग्री, आपातकालीन निकासों की अनिवार्यता और ड्राइवर प्रशिक्षण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। जब तक सुरक्षा उपायों को सख्ती से लागू नहीं किया जाएगा और नियामक संस्थाएं बस ऑपरेटरों को जवाबदेह नहीं ठहराएंगी, तब तक भारत की सड़कें यात्रियों के लिए 'चलते-फिरते खतरे' बनी रहेंगी।

संक्षिप्त समाचार

फ्लोरिडा में जेटब्लू विमान की आपातकालीन लैंडिंग, कई यात्री अस्पताल में भर्ती

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में गुरुवार को एक बड़ा विमान हादसा टल गया। दरअसल, मैक्सिको से अमेरिका जा रहा जेटब्लू एयरलाइंस का विमान ने गुरुवार को उड़ान के दौरान अचानक ऊंचाई से तेज गिरावट का सामना किया। इसके बाद फ्लाइट को अमेरिका के फ्लोरिडा में आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। इस दौरान कई यात्री घायल हो गए। इन सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया गया है कि कैंकून से न्यूअर्क जा रहा जेटब्लू का एयरबस ए320 विमान स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब दो बजे टैम्पा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतारा गया। अमेरिकी विमानन नियामक संस्था एफएए ने घटना की जांच शुरू कर दी है। अब तक यह साफ नहीं है कि इस घटना में कुल कितने लोग घायल हुए और उनकी चोट कितनी गंभीर है। हालांकि, हवाई यातायात से जुड़े ऑडियो में पायलट को कहते सुना गया, फ्रकम से कम तीन यात्री घायल हैं, एक के सिर पर चोट आई है।फ हवाई अड्डे पर ही चिकित्सा अधिकारियों ने यात्रियों और चालक दल का चिकित्सीय परीक्षण किया गया और कुछ लोगों को आगे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। जेटब्लू ने इस घटना पर बयान जारी कर कहा कि विमान को सेवा से हटा दिया गया है और गिरावट के कारणों की पूरी जांच की जाएगी। एयरलाइन ने कहा कि यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

यूक्रेनी ऊर्जा ग्रिड पर रूस का हमला, पूरे देश में बिजली गुल

कीव, एजेंसी। रूस ने रातोंरात यूक्रेन के ऊर्जा ग्रिड (ढांचे) पर ड्रोन और मिसाइलों की बौछार कर दी। इससे देश भर में बिजली आपूर्ति बाधित हुई और सात साल की एक बच्ची समेत तीन लोगों की मौत हो गई और 17 घायल हो गए। प्रधानमंत्री यूलिया स्विरीडेंको ने आरोप लगाया कि कड़ाके की ठंड के मौसम में वह यूक्रेनी लोगों और बिजली आपूर्ति को निशाना बना रहा है। वह बोले, इसका लक्ष्य यूक्रेन को अंधकार में धकेलना है और हमारा लक्ष्य प्रकाश को बचाना है।

नेपाल : अन्नपूर्णा बेस कैंप में फंसे 17 भारतीय पर्यटक बचाए गए

काठमांडू , एजेंसी। भारी बर्फबारी के कारण नेपाल के अन्नपूर्णा बेस कैंप में फंसे 17 भारतीय पर्यटकों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। ये सभी पर्यटक पिछले सोमवार रात से हुई लगातार बारिश और बर्फबारी के कारण ट्रेकिंग रूट बंद होने से फंस गए थे। सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) और नेपाल पुलिस के जवानों की एक बचाव टीम ने स्थानीय स्वयंसेवकों की मदद से 4,190 मीटर की ऊंचाई से इन सभी लोगों को सुरक्षित नीचे अन्नपूर्णा ग्रामीण नगरपालिका तक पहुंचाया। अब ये सभी स्थानीय लॉज में ठहरे हुए हैं और सभी स्वस्थ बताए जा रहे हैं। इनके स्वास्थ्य की जांच की गई है। हालांकि, खराब मौसम के कारण अभी उनका घर लौटना संभव नहीं है।

इस्राइली विदेश मंत्री गिदोन सार 4 नवंबर को आएंगे भारत

येरुशलम, एजेंसी। पश्चिम एशिया के गाजा में जारी तनाव के बीच इस्राइल के विदेश मंत्री गिदोन सार 4 नवंबर को दो दिवसीय दौरे पर भारत आएंगे। इस दौरान गिदोन पीएम नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात करेंगे। जयशंकर और गिदोन के बीच इसी साल फरवरी में म्यूनिख में हुए सुरक्षा सम्मेलन के बाद यह दूसरी मुलाकात होगी। मुलाकात के दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा होगी। खासतौर पर हूती विद्रोहियों की ओर से समुद्री व्यापार मार्ग पर हमले से निपटने और इस्राइल में कामगारों की कमी पर बात होगी।

भारत-अमेरिका के बीच ऐतिहासिक समझौता, दोनों देशों में 10 साल के रक्षा सहयोग ढांचे पर बनी सहमति

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच एक 10 वर्षीय रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं। दोनों देशों के रिश्तों के लिए इसे अहम समझौता बताया जा रहा है। अमेरिका के युद्ध मंत्री ने समझौते पर हस्ताक्षर के बाद कहा कि दोनों देशों के रक्षा संबंध इतने मजबूत कभी नहीं रहे। अमेरिकी युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में बताया कि उनकी भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात हुई और एक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर हुए। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच हुआ समझौता क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत करेगा।

हिंदू पत्नी को छोड़ देंगे अमेरिकी उपराष्ट्रपति? भारतीय मूल की छात्रा ने उड़ाईं वेंस की धज्जियां, तीखी बहस

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के एक साधारण से लगने वाले बयान ने सोशल मीडिया पर बखेड़ा खड़ा कर दिया है। मिसिसिपी विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम के दौरान, जब एक छात्रा ने उनकी हिंदू पत्नी ऊषा वेंस के धर्म के बारे में सवाल पूछा, तो वेंस ने कहा, मैं उम्मीद करता हूं कि ऊषा एक दिन ईसाई धर्म को अपना लेंगी। यह बयान न सिर्फ उनके वैवाहिक जीवन पर सवाल खड़े कर रहा है, बल्कि 2028 के राष्ट्रपति चुनाव की राजनीति को भी नया मोड़ दे रहा है। क्या वेंस अपनी महत्वाकांक्षाओं के लिए अपनी पत्नी को त्याग देंगे? यह सवाल अब अमेरिकी मीडिया, सोशल मीडिया और राजनीतिक हलकों में गूंज रहा है, जहां धार्मिक असहिष्णुता, नस्लवाद और क्रिश्चियन फर्स्ट लेडी की मांग जैसी बहसें तेज हो गई हैं।

वेंस बोले- उम्मीद है एक दिन उनकी हिंदू पत्नी उषा ईसाई धर्म अपना लेंगी : अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने उम्मीद जताई कि एक दिन उनकी हिंदू पत्नी उषा वेंस कैथोलिक चर्च से प्रभावित होकर ईसाई धर्म अपना लेंगी। मिसीसिपी के कार्यक्रम में एक भारतवंशी महिला ने उनसे पूछा था कि क्या ऊषा कभी ईसा मसीह के पास आएंगी? इस पर वेंस ने जवाब दिया कि वे अब ज्यादातर रविवार को उनसे साथ चर्च जाती हैं। वे चाहते हैं कि एक दिन उनकी पत्नी भी उसी वजह से चर्च जाएं जिस वजह से वे चर्च जाते हैं। वेंस ने कहा कि वे ईसाई धर्म पर यकीन रखते हैं और उन्हें यकीन है कि उनकी पत्नी भी इस पर यकीन करेंगी। वेंस ने यह भी कहा कि उनकी पत्नी का दूसरा धर्म में यकीन रखना उनके लिए कोई समस्या पैदा नहीं करता। जेडी वेंस ने 2019 में कैथोलिक धर्म अपनाया था। वे इससे पहले खुद को नास्तिक मानते थे। वेंस और उनकी पत्नी की शादी 2014 में हुई थी। वेंस के 3 बच्चे (2 बेटे और 1 बेटी) हैं। इन्हें ईसाई तरीके से पाला गया है। वे एक ईसाई स्कूल में भी पढ़ते हैं।

जेडी वेंस-ऊषा वेंस: एक हिलबिली और हिंदू की प्रेम कहानी : जेडी वेंस और ऊषा चिलुकुरी की मुलाकात 2013 में येल लॉ स्कूल में हुई थी। वेंस हिलबिली एलेजी किताब के लेखक हैं। अमेरिका में हिलबिली शब्द का इस्तेमाल ग्रामीण पहाड़ी क्षेत्रों के श्वेत लोगों के लिए होता। यह किताब गरीबी और संकटग्रस्त अमेरिकी परिवारों और संस्कृति पर केंद्रित है, जिसमें ग्रामीण केंटकी से ओहियो के एक औद्योगिकृत शहर में आए एक परिवार की कहानी बताई गई है। वेंस एक श्वेत अमेरिकी हैं जिनका बचपन ओहियो के गरीबी और अस्थिर परिवार में बीता। वहीं ऊषा की बात करें तो वे कैलिफोर्निया में जन्मी भारतीय-अमेरिकी तेलुगु मूल की हैं। उनके माता-पिता राधाकृष्णा और लक्ष्मी चिलुकुरी भारत से अमेरिका आए थे। ऊषा ने हमेशा अपनी हिंदू जड़ों पर गर्व किया। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था, मेरे माता-पिता का हिंदू धर्म उन्हें इतना अच्छा इंसान बनाता है। दोनों ने 2014 में शादी की, जिसमें ईसाई और हिंदू दोनों रस्में शामिल थीं। वेंस ने पहले ऊषा की आस्था को अपनी जिंदगी का संदर्भ बताया था। 2024 के चुनाव अभियान में, उन्होंने कहा कि ऊषा की हिंदू अनुशासन ने उन्हें ईसाई धर्म की ओर लौटने में मदद की। वेंस खुद 2019 में कैथोलिक बने थे, लेकिन ऊषा हमेशा हिंदू रहीं। तीन बच्चों को वे ईसाई परंपराओं में पाल रहे हैं। वेंस के मुताबिक दो बच्चे ईसाई स्कूल में पढ़ते हैं। ऊषा अक्सर वेंस के साथ चर्च जाती हैं, लेकिन उन्होंने स्पष्ट कहा है, मैं अपनी पारिवारिक आस्था नहीं छोड़ूंगी। ऊषा वेंस अमेरिकी इतिहास की पहली एशियन-अमेरिकी और हिंदू सेकंड लेडी बनीं। जनवरी 2025 में वेंस के उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के बाद, उन्होंने अपनी बौद्धिक क्षमता से सबको प्रभावित किया। एक वकील के रूप में, वे सुप्रीम कोर्ट में क्लर्क रह चुकी हैं। लेकिन राजनीति ने उनके वैवाहिक जीवन को जटिल बना दिया। विवाद का केंद्र: टर्निंग पॉइंट यूएसए इवेंट 29 अक्टूबर को, मिसिसिपी के ऑक्सफोर्ड में टर्निंग पॉइंट यूएसए के कार्यक्रम में वेंस ने चार्ली किर्क की विधवा एरिका किर्क के साथ चर्चा की। चार्ली किर्क टर्निंग पॉइंट यूएसए के संस्थापक थे जिनकी हाल ही में हत्या कर दी गई थी। इस कार्यक्रम के दौरान एक छात्रा ने पूछा, आपकी पत्नी हिंदू हैं, जबकि आप ईसाई। आपके बच्चे ईसाई हैं- क्या आप चाहते हैं कि ऊषा भी धर्म परिवर्तन करें?

इस पर वेंस ने जवाब दिया, जब हम मिले, तो हम दोनों नॉट पर्टिकुलरली रिलिजियस थे। ऊषा का परिवार हिंदू था, लेकिन बहुत धार्मिक नहीं। अब, अधिकांश रविवार को ऊषा मेरे साथ चर्च जाती हैं। मैं आशा करता हूं कि वह भी ईसाई धर्म से प्रभावित हो जाएं, जैसे मैं हुआ। लेकिन अगर नहीं, तो भगवान ने फ्री विल दी है। यह बयान वायरल हो गया। वेंस ने ऊषा को एग्नॉस्टिक बताया, जबकि ऊषा ने खुद को प्रैक्टिसिंग हिंदू कहा है। सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई।

एपस्टीन कांड में घिरे प्रिंस एंड्रयू से छिन जाएगी शाही उपाधि, क्या है विवाद और कौन से हक छिनेंगे

लंदन, एजेंसी। किंग चार्ल्स तृतीय के छोटे भाई एंड्रयू कई तरह के विवादों में घिरे हैं। एंड्रयू से अब प्रिंस की उपाधि छिन जाएगी और उन्हें विंडसर कैसल परिसर में बने अपने घर रॉयल लॉज से भी बाहर जाना होगा। बकिंघम पैलेस ने गुरुवार को इस बात की घोषणा की। बकिंघम पैलेस की ओर से यह घोषणा ऐसे समय में की गई है, जब कुछ दिन पहले ही एंड्रयू (65 वर्षीय) ने अपनी शाही उपाधि ड्यूक ऑफ यॉर्क और बाकी सभी शाही सम्मान भी छोड़ने का फैसला किया है। यह फैसला किंग चार्ल्स से चर्चा के बाद लिया गया था। एंड्रयू का नाम अमेरिकी यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से जुड़ने के कारण लगातार विवादों में रहा था। हालांकि, विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा था। ब्रिटेन के सांसदों ने भी हाल ही में इस बात पर बहस की कि एंड्रयू को आम लोगों की तुलना में शाही घर में रहने के लिए बहुत कम किराया देना पड़ता है।

एंड्रयू को अब रॉयल लॉज में रहने की अनुमति नहीं : बकिंघम पैलेस ने अपने बयान में कहा, आज महामहिम ने प्रिंस एंड्रयू की उपाधि, सम्मान और सभी शाही अधिकार औपचारिक रूप से वापस लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अब एंड्रयू को एंड्रयू माउंटबेटन विंडसर के नाम से जाना जाएगा। एंड्रयू को अब रॉयल लॉज में रहने की अनुमति नहीं रही। अब उन्हें वह घर छोड़कर किसी निजी मकान में रहना होगा। पैलेस ने कहा कि यह फैसला जरूरी है, भले ही एंड्रयू अब भी अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को नकारते हैं। बयान में कहा गया कि महामहिम राजा और रानी यह साफ करना चाहते है कि उनका पूरा समर्थन और सहानुभूति उन सभी पीड़ितों और जीवित बचे लोगों के साथ है, जिन्होंने किसी भी तरह के अत्याचार का सामना किया है। एंड्रयू पहले ही हिज रॉयल हाइनेस की उपाधि का इस्तेमाल बंद कर चुके हैं और पांच साल पहले ही उन्होंने सार्वजनिक जीवन से दूरी बना ली थी। इस महीने की शुरुआत में उन्होंने घोषणा की थी कि वह अपनी बाकी सभी शाही उपाधियां भी छोड़ देंगे। हालांकि उन्होंने फिर से सभी आरोपों से इनकार किया। एंड्रयू दिवंगत क्वीन एलिजाबेथ द्वितीय के पुत्र हैं। परंपरागत रूप से उन्हें प्रिंस की उपाधि मिली थी, जैसा कि 1917 में किंग जॉर्ज पंचम की ओर से जारी आदेश में तय किया गया था।

नासा ने सफलतापूर्वक किया सुपरसोनिक विमान का परीक्षण, व्यवसायिक उड़ान उद्योग में आ सकता है बड़ा बदलाव

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा कम आवाज करने वाला सुपरसोनिक विमान बनाने के और करीब पहुंच गई है। हाल ही में नासा ने सुपरसोनिक जेट विमान का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। ये विमान आवाज की गति से उड़ान भरता है और खास बात ये है कि इसकी आवाज भी आम सुपरसोनिक विमानों से काफी कम है। अगर सबकुछ सही रहता है तो इससे व्यवसायिक उड़ान यात्रा में बड़ा बदलाव हो सकता है। इस सुपरसोनिक विमान का निर्माण नासा और अमेरिकी हथियार और एयरोस्पेस निर्माता कंपनी लॉकहीड मार्टिन ने मिलकर किया है। बीते मंगलवार को इसकी दक्षिणी कैलिफोर्निया के रेगिस्तान के ऊपर सफल परीक्षण उड़ान हुई। गौरतलब है कि 1940 के दशक से ही विमान सुपरसोनिक गति से उड़ान भरने में सक्षम रहे हैं। लेकिन इन सुपरसोनिक विमानों की बहुत तेज आवाज के चलते व्यवसायिक यात्रा के लिए इन पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। दरअसल इन विमानों की तेज आवाज डरावना सोनिक बूम पैदा करती है, जिससे लोग परेशान होते हैं और कई बार लोग डर भी जाते हैं। यही वजह रही कि सुपरसोनिक विमानों को प्रतिबंधित कर दिया गया। ब्रिटिश एयरवेज और एयर फ्रांस के सुपरसोनिक विमान कॉनकॉर्ड ने 1970 के दशक में अटलांटिक के ऊपर उड़ानें शुरू कीं। लेकिन तीन साल पहले हुई एक दुर्घटना के बाद और इसकी महंगी सेवा की मांग कम होने के कारण साल 2003 में उन्हें रोक दिया गया। अगर नासा और लॉकहीड मार्टिन सुपरसोनिक विमानों के शोर को कम करने में सफल हो जाते हैं, तो इन सुपरसोनिक विमानों से न्यूयॉर्क शहर और लॉस एंजिल्स के बीच यात्रा के समय लगभग आधा हो सकता है, जिससे व्यवसायिक हवाई यात्रा उद्योग में बड़े बदलाव होंगे। नासा और लॉकहीड मार्टिन द्वारा बनाया गया सुपरसोनिक विमान एक्स-59 आवाज की गति से भी तेज उड़ने में सक्षम है। लॉ मंगलवार को टेस्ट फ्लाइट में विमान की आवाज काफी धीमी रही। इस उड़ान का मकसद विमान की संरचनात्मक मजबूती का भी परीक्षण करना था। यह विमान परीक्षण उड़ान में लॉस एंजिल्स से लगभग 60 मील उत्तर में पामडेल में लॉकहीड मार्टिन के एक परिसर से उड़ा और रेगिस्तान के ऊपर से गुजरते हुए।

गर्लफ्रेंड की परफॉर्मेंस देखने सरकारी जेट से पहुंचे एफबीआई चीफ काश पटेल, जमकर हो रही आलोचना

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के निदेशक काश पटेल एक बार फिर से विवादों में हैं। इस बार मामला उनकी प्रेमिका से जुड़ा हुआ है। ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि पेंसिल्वेनिया में एक कुश्ती मैच के दौरान अपनी गर्लफ्रेंड की गायकी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए काश पटेल ने सरकारी जेट का उपयोग किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक कथित एफबीआई जेट पहले नैशविले गया था, जहां पर पटेल की प्रेमिका रहती हैं। काश पटेल के खिलाफ यह दावा एफबीआई के पूर्व एजेंट काइल सेराफिन ने किया है। उन्होंने सोशल मीडिया साइट पर लिखा कि पटेल, रियल अमेरिकन फ्री स्टाइल कुश्ती में अपनी प्रेमिका एलेक्सिस विल्किंस की सिंगिंग को देखने के लिए 60 मिलियन डॉलर के एफबीआई जेट से पहुंचे थे।

आलोचक ने काश पटेल के अंदाज में लिखा पोस्ट : सोशल मीडिया बायो में अपने आप को पूर्व एफबीआई एजेंट बताने वाले सेराफिन ने कहा कि पटेल की यह यात्रा सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग का एक हिस्सा है। उन्होंने काश पटेल और उनकी गर्लफ्रेंड की फोटो को पोस्ट करते हुए एफबीआई निदेशक के अंदाज में लिखा, ÷प्रिय एफबीआई कर्मचारियों, मुझे खेद है कि सरकार से धन नहीं मिल रहा है, इसलिए आपको वेतन नहीं मिलेगा। सौभाग्य से, इससे वास्तविक अमेरिकी फ्रीस्टाइल कुश्ती नहीं रुकती! इसलिए, मैं एफबीआई जेट से स्टेट कॉलेज, पीए गया, अपनी प्रेमिका के साथ समय बिताया, और फिर नैशविले के लिए उड़ान भरी, जहां वह रहती है, आपका काश! प्रेमिका के साथ सरकारी विमान से घूम रहे थे काश पटेल: रिपोर्ट्स गौरतलब है कि ट्रंप की टीम का हिस्सा भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक और एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल अपनी प्रेमिका के साथ इस कार्यक्रम में मौजूद थे। यहां से उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें भी शेयर की थीं। इस कार्यक्रम की शुरुआत में काश पटेल की प्रेमिका विल्किंस ने एक सिंगिंग प्रस्तुति भी दी थी। द इंडिपेंडेंट के अनुसार, न्याय विभाग में रजिस्टर्ड एक जेट विमान ने 25 अक्तूबर को वर्जीनिया के मानसास क्षेत्रीय हवाई अड्डे से स्टेट कॉलेज क्षेत्रीय हवाई अड्डे तक लगभग 40 मिनट की उड़ान भरी। लगभग ढाई घंटे बाद, जेट विमान स्टेट कॉलेज से नैशविले के लिए रवाना हुआ, जहाँ विल्किंस रहती हैं। एफबीआई नीति के तहत, निदेशक को सुरक्षा कारणों से आधिकारिक विमान का उपयोग करना आवश्यक है, लेकिन किसी भी व्यक्तिगत यात्रा के लिए उसे बाजार के रेट पर सरकार को इसका भुगतान करना होगा।

ट्रंप प्रशासन ने अश्वेतों के आंदोलन पर तेज की जांच, धांधली के आरोपों की पड़ताल कर रहा है न्याय विभाग

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका का न्याय विभाग जांच कर रहा है कि क्या ब्लैक लाइव्स मैटर आंदोलन के नेता 2020 में प्रदर्शन के दौरान दान देने वालों से मिले करोड़ों डॉलर का गलत इस्तेमाल कर सकते हैं। आंदोलन से परिचित कई लोगों ने यह जानकारी दी।

कई संगठनों को कानूनी नोटिस और वारंट : पिछले कुछ हफ्तों में संघीय कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने ब्लैक लाइव्स मैटर ग्लोबल नेटवर्क फाउंडेशन और अन्य ब्लैक-नेतृत्व वाली संस्थाओं के खिलाफ कानूनी नोटिस और एक तलाशी वारंट जारी किया। ये संगठन 2020 में नस्लीय अन्याय के खिलाफ राष्ट्रीय आंदोलन में शामिल थे। यह स्पष्ट नहीं है कि इस जांच का परिणाम आपराधिक मामला बनकर सामने आएगा या नहीं, लेकिन इसकी वजह से आंदोलन पर फिर से लोगों का ध्यान में आ गया है।

बाइडन प्रशासन में शुरू हुई थी जांच : यह जांच ऐसे समय में हो रही है, जब हाल ही में नागरिक अधिकार समूहों ने चिंता जताई है कि ट्रंप प्रशासन उन प्रगतिशील और वामपंथी समूहों को निशाना बना सकता है, जो उसकी आलोचना करते हैं। इनमें ब्लैक लाइव्स मैटर, ट्रांसजेंडर अधिकार आंदोलन और आईसीई विरोधी प्रदर्शनकारी शामिल हैं। न्याय विभाग के प्रवक्ताओं ने गुरुवार को इस पर कोई टिप्पणी नहीं की। एक सूत्र ने बताया कि यह जांच बाइडन प्रशासन के दौरान शुरू हुई थी, लेकिन अब ट्रंप प्रशासन में इसे नए सिरे से शुरू किया जा रहा है। दूसरे सूत्र ने पुष्टि की कि बाइडन प्रशासन के समय भी आरोपों की समीक्षा की गई थी।

संगठन पर छह मिलियन डॉलर की संपत्ति खरीदने का आरोप : फाउंडेशन ने कहा कि जॉर्ज फ्लॉयड की हत्या के बाद उन्हें 2020 में 90 मिलियन डॉलर से अधिक दान प्राप्त हुआ। आलोचकों ने आरोप लगाया कि संगठन ने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह रकम कैसे खर्च की गई। आलोचना तब और बढ़ गई जब 2022 में फाउंडेशन के नेताओं ने पुष्टि की कि उन्होंने दान से लॉस एंजिल्स क्षेत्र में छह मिलियन डॉलर का संपत्ति खरीदी, जिसमें छह बेडरूम और बाथरूम वाला घर शामिल है।

इन नेताओं ने पहले किसी गलत काम से इनकार किया और सार्वजनिक रूप से कर दस्तावेज जारी किए। अब फाउंडेशन के नेताओं को कानूनी नोटिस मिले हैं। फाउंडेशन ने बयान में कहा कि वह किसी भी संघीय आपराधिक जांच का निशाना नहीं है। उन्होंने कहा, हम ब्लैक समुदायों के लिए बेहतर भविष्य बनाने में संसाधनों की जिम्मेदार देखभाल, पारदर्शिता और जवाबदेही के प्रति प्रतिबद्ध हैं।

नीदरलैंड्स के पीएम बन सकते हैं समलैंगिक रॉब जेटन

एम्स्टर्डम, एजेंसी। नीदरलैंड्स में सेंट्रिस्ट लिबरल डेमोक्रेट्स 66 पार्टी के नेता रॉब जेटन अगले पीएम बन सकते हैं। एग्जिट पोल्स के मुताबिक, उनकी पार्टी को करीब 30 सीटें मिल सकती हैं, जो कट्टर दक्षिणपंथी नेता गीर्ट वाइल्डर्स की पार्टी फॉर फ्रीडम के बराबर है। अगर यह एग्जिट पोल असल आंकड़ों में बदलते हैं तो 38 साल के रॉब देश के सबसे युवा और पहले ओपनली गे (खुले तौर पर समलैंगिक) पीएम भी बनेंगे। जेटन की अगले साल उनके मंगेतर निकोलस कीनन से शादी होने वाली है। निकोलस अर्जेंटीना की पुरुष हॉकी टीम के खिलाड़ी हैं। यह रिजल्ट गीर्ट वाइल्डर्स के लिए बड़ा झटका होगा। उन्होंने अपना चुनावी कैंपेन मुस्लिम अप्रवासियों, समलैंगिकों और जलवायु परिवर्तन की नीतियों के खिलाफ चलाया था। 2022 में नूपुर शर्मा ने जब पैगंबर मोहम्मद पर विवादित बयान दिया था, तब गीर्ट वाइल्डर्स ने खुलकर उनका समर्थन किया था।

टिकटॉक वीडियो वायरल हुआ तो फेमस हुए : साल 2021 में, जेटन और उनके एक साथी डच राजनेता के बीच का एक ब्रोमांस वाला ट्रेंडिंग वीडियो टिकटॉक पर बहुत वायरल हुआ था। इसमें दोनों नेता एक दूसरे के साथ मस्ती करते, हंसते और डांस करते दिखे थे। वीडियो वायरल होने के बाद रॉब जेटन युवाओं के बीच मशहूर हो गए। उसी दौरान जेटन की मुलाकात हॉकी प्लेयर निकोलस कीनन से हुई। कीनन अर्जेंटीना की नेशनल टीम में खेलने के अलावा यूरोपीय लीग में भी खेलते हैं। कीनन ने एक सुपरमार्केट में जेटन को पहचान लिया और वहीं से बातचीत शुरू हुई।

जेटन ने बाद में एक इंटरव्यू में कहा था कि उन्हें नहीं पता था कि एक टिकटॉक ट्रेंड से उनकी जिंदगी इतनी बदल जाएगी। पिछले साल नवंबर 2024 में दोनों की सगाई हुई। जेटन ने अपने चुनावी कैंपेन में पॉजिटिव मैसेजिंग पर जोर दिया था। उनका इलेक्शन स्लोगन हां, हम कर सकते हैं काफी फेमस हुआ था। उन्होंने आवास संकट, हेल्थकेयर खर्च, माइग्रेशन और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों पर फोकस किया। जेटन ने कहा- हमने दिखा दिया कि पॉपुलिस्ट और एक्सट्रीम-राइट को हराना संभव है। लाखों डच लोगों ने नेगेटिव पॉलिटिक्स को नकार दिया और आगे बढ़ने का रास्ता चुना। आवास संकट से निपटने के लिए जेटन ने 10 नए शहर बनाने, हर साल 2 अरब यूरो खर्च करने और 1 लाख घर बनाने का वादा किया है। रॉब जेटन का जन्म 1987 में हुआ था। वे डी66 पार्टी के लीडर हैं, जो प्रोग्रेसिव और लिबरल विचारों वाली पार्टी है। जेटन ने अपनी राजनीतिक शुरुआत 2017 में सांसद बनकर की। 2022 से 2024 तक वे जलवायु और ऊर्जा मंत्री रहे। जनवरी 2024 से जुलाई 2024 तक डिप्टी पीएम भी रहे। पहले उन्हें रोबोट जेटन कहा जाता था क्योंकि वे कैमरे के सामने बोलने में थोड़े अटकने लगते थे, लेकिन इस बार उन्होंने इमेज चेंज की और लोगों से कनेक्ट किया।

इस्लामाबाद-काबुल के बीच सुलह की कोशिश, छह नवंबर को फिर होगी उच्च-स्तरीय बैठक

अंकारा, एजेंसी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच जारी तनाव को कम करने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। इस्तांबुल में हुई शांति वार्ता के बाद दोनों देशों ने युद्धविराम बनाए रखने पर सहमति जताई है। तुर्की के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को इस समझौते की घोषणा की और कहा कि बातचीत में कतर और तुर्की ने मध्यस्थ की भूमिका निभाई।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि दोनों देश 6 नवंबर को फिर से इस्तांबुल में उच्च-स्तरीय बैठक करेंगे, जहां युद्धविराम लागू करने की रूपरेखा पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। बयान में कहा गया कि सभी पक्ष एक निगरानी और सत्यापन तंत्र पर सहमत हुए हैं, जिससे शांति बनाए रखने और उल्लंघन करने वाले पक्ष पर दंड लगाने की व्यवस्था की जाएगी।

सीमा पर तनाव और वार्ता की पृष्ठभूमि : हाल के दिनों में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पर तनाव बढ़ गया था। दोनों देशों की सेनाओं के बीच हुई गोलीबारी में दर्जनों सैनिकों और नागरिकों की मौत हुई थी। इस घटना के बाद तुर्की और कतर ने दोनों पक्षों को बातचीत के लिए एक बार फिर टेबल पर लाने का प्रयास किया। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ ने बताया कि कतर और तुर्की के आग्रह पर पाकिस्तान ने शांति प्रक्रिया को एक और मौका देने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की मुख्य मांग है कि अफगानिस्तान अपनी जमीन का इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों के लिए न होने दे।

दोनों देशों के बीच विवाद की जड़ : इस महीने की शुरुआत में काबुल में हुए विस्फोटों के बाद अफगान तालिबान सरकार ने पाकिस्तान पर हवाई हमलों का आरोप लगाया था। अफगान पक्ष का कहना था कि पाकिस्तान ने उसके पूर्वी बाजार पर भी बमबारी की, जिसमें कई नागरिक मारे गए। इसके जवाब में, अफगान बलों ने

पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई की और दावा किया कि 58 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। हालांकि पाकिस्तान ने इस दावे को खारिज किया और कहा कि उसके 23 सैनिक मारे गए और अभियान आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने के लिए किया गया था।

कतर और तुर्की की मध्यस्थता से लौटी उम्मीदें : तनाव बढ़ने के बाद 19 अक्टूबर को कतर में हुई आपात वार्ता के दौरान युद्धविराम की घोषणा की गई थी। इसके बाद इस्तांबुल में चार दिन तक चली वार्ता मंगलवार को बिना किसी निष्कर्ष के समाप्त हुई थी, लेकिन अब दोनों देशों ने फिर से बातचीत जारी रखने पर सहमति जताई है। पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने पेशावर में कहा कि पाकिस्तान अपने सभी पड़ोसियों के साथ शांति चाहता है, लेकिन अफगान धरती से होने वाले आतंकवाद को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने हाल के वर्षों में संयम बरता है और संबंधों को बेहतर बनाने के लिए कूटनीतिक और आर्थिक प्रयास किए हैं, लेकिन अफगान तालिबान ने इसके बजाय तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान को समर्थन दिया है। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने गुरुवार को बताया कि बलोचिस्तान में दो अभियानों में 18 आतंकियों को मार गिराया गया, जबकि बाजौर शहर में चार पाकिस्तानी तालिबान लड़ाके मारे गए, जिनमें एक हाई-वैल्यू टारगेट भी शामिल था। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर इस्तांबुल वार्ता से स्थायी युद्धविराम का ढांचा तैयार हो जाता है, तो यह दक्षिण एशिया में स्थिरता की दिशा में एक बड़ी सफलता साबित होगी।

स्टारलिंक ने बेंगलुरु में फाइनेंस और अकाउंटिंग पदों के लिए हायरिंग शुरू की

नई दिल्ली एलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स की सहायक कंपनी स्टारलिंक ने भारत में हायरिंग अभियान शुरू कर दिया है। इस भर्ती प्रक्रिया के तहत कंपनी फाइनेंस और अकाउंटिंग विभाग के विभिन्न पदों पर कैंडिडेट्स की तलाश कर रही है। खाली पदों में अकाउंटिंग मैनेजर, पेमेंट्स मैनेजर, सीनियर ट्रेजरी एनालिस्ट और टैक्स मैनेजर शामिल हैं। कंपनी के अनुसार अकाउंटिंग मैनेजर भारत में स्टारलिंक के ऑपरेशंस को सपोर्ट करेगा और फाइनेंशियल रिपोर्टिंग, अकाउंटिंग तथा वैधानिक अनुपालन सुनिश्चित करेगा। सभी पद केवल बेंगलुरु के ऑफिस के लिए हैं और रिमोट या हाइब्रिड वर्क की अनुमति नहीं है। स्टारलिंक का उद्देश्य लो-लेटेंसी सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सर्विसेज के माध्यम से तेज़ इंटरनेट सेवा देना है।

विमान ईंधन महंगा, दिल्ली में अब 94,543 प्रति किलोलीटर

नई दिल्ली तेल विपणन कंपनियों ने शनिवार से विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतें बढ़ा दी हैं। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, दिल्ली में कीमत 777 रुपये बढ़कर 94,543.02 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है, जबकि अक्टूबर में इसे 3 फीसदी से अधिक बढ़ाया गया था। कोलकाता में कीमत 97,549.18 रुपये प्रति किलोलीटर, मुंबई में 88,447.87 रुपये और चेन्नई में 98,089.68 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है। इस वृद्धि से एयरलाइन कंपनियों की लागत बढ़ेगी और संभावना है कि हवाई टिकटों की कीमतों में भी असर पड़े। विशेषज्ञों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों और सरकारी नीतियों के अनुसार यह रुझान आगे भी जारी रह सकता है।

अनोंदिता मेडिकेयर के शेयरों में तूफानी तेजी

आईपीओ से 300 फीसदी से अधिक उछाल

मुंबई कंडोम निर्माता अनोंदिता मेडिकेयर के शेयरों में हाल के दिनों में जोरदार तेजी देखी जा रही है। कंपनी के शेयर शुक्रवार को एनएसई पर 5 फीसदी के अपर सर्किट के साथ 595.70 रुपए पर पहुंच गए। एनएसई पर शुक्रवार को 2,19,000 शेयर खरीदने के ऑर्डर पेंडिंग थे। 1 सितंबर 2025 को लिस्ट होने वाले शेयर आईपीओ प्राइस 145 रुपए से शुरू होकर केवल दो महीने में 600 रुपए के करीब पहुंच गए हैं। कंपनी का आईपीओ 22 अगस्त से 26 अगस्त 2025 तक खुला था। आईपीओ पर कुल 300.89 गुना दांव लगा। आम निवेशकों का कोटा 286.20 गुना, गैर-संस्थागत निवेशकों में 531.82 गुना और क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स में 153.03 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। आईपीओ के बाद प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 83.95 फीसदी से घटकर 61.71 फीसदी रह गई। अनोंदिता मेडिकेयर पुरुषों और महिलाओं के लिए फ्लेवर्ड कंडोम बनाती है। कोबरा ब्रांड के तहत कंपनी अपने फ्लैगशिप प्रोडक्ट्स बेचती है। कंपनी सालाना 562 मिलियन कंडोम का उत्पादन करती है और अपने प्रोडक्ट्स को दक्षिणपूर्व एशिया, अफ्रीका और मिडिल ईस्ट सहित अंतरराष्ट्रीय बाजारों में निर्यात करती है।

एमफैसिस का मुनाफा 10.8 फीसदी बढ़ा

मुंबई आईटी कंपनी एमफैसिस ने 30 सितंबर को समाप्त दूसरी तिमाही में 10.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 469 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया। कंपनी का परिचालन राजस्व 10.3 प्रतिशत बढ़कर 3,902 करोड़ रुपये हो गया। एमफैसिस के एक मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि एआई में हमारे शुरुआती निवेश से बदलाव चाहने वाले ग्राहकों के लिए कंपनी ने अपनी रणनीतिक स्थिति मजबूत की है। एक और मजबूत तिमाही रही जिसमें 52.8 करोड़ डॉलर के कुल अनुबंध मूल्य (टीसीवी) का सौदा मिला। यह हमारे एआई फर्स्ट दृष्टिकोण का प्रमाण है जो विविध उद्योगों में व्यावसायिक परिणाम दे रहा है।

भारत का राजकोषीय घाटा नियंत्रण में, आर्थिक वृद्धि का रास्ता साफ

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के अप्रैल-सितंबर में राजकोषीय घाटा 5.73 लाख करोड़ रुपए दर्ज किया, जो पूरे वर्ष के बजट लक्ष्य का 36.5 प्रतिशत है। यह घटता राजकोषीय घाटा अर्थव्यवस्था में स्थिरता और विकास के लिए सकारात्मक संकेत है। अप्रैल-सितंबर में सरकार की कुल प्राप्तियां 17.30 लाख करोड़ रुपए और कुल व्यय 23.03 लाख करोड़ रुपए रही। यह क्रमशः बजट में निर्धारित लक्ष्य का 49.5 प्रतिशत और 45.5 प्रतिशत है। पिछले वर्ष की समान अवधि में व्यय 21.1 लाख करोड़ रुपए था। कुल राजस्व 16.95 लाख करोड़ रुपए रहा, जिसमें कर राजस्व 12.29 लाख करोड़ और गैर-कर राजस्व 4.66 लाख करोड़ रहा।

RBI से 2.69 लाख करोड़ रुपए का लाभांश प्राप्त होने से गैर-कर राजस्व में वृद्धि हुई, जो पिछले वर्ष के 2.11 लाख करोड़ से अधिक है। सरकार ने राजमार्गों, बंदरगाहों और रेलवे परियोजनाओं पर खर्च बढ़ाया, जिससे आर्थिक विकास में मदद मिलेगी। घटता राजकोषीय घाटा सरकार की उधारी को कम करता है, जिससे बैंकिंग प्रणाली में ऋण उपलब्धता बढ़ती है और उपभोक्ता व कॉर्पोरेट निवेश को बढ़ावा मिलता है।

अमेरिकी तेल कंपनियों के मुनाफे में भारी गिरावट

न्यूयॉर्क अमेरिका के आर्थिक संकट के दौर में हर तरफ से बुरी खबरें आ रही है। अमेरिका में अभी शटडाउन चल रहा है। लाखों लोग बिना वेतन के काम कर रहे हैं। इसका कोई हल नहीं निकल पाया है। अमेरिका की अर्थव्यवस्था में सभी तरफ से नकारात्मक समाचार सुनने को मिल रहे हैं। हाल ही में अमेरिका की तेल कंपनियां पिछले साल के मुकाबले इस साल कम लाभ देने वाली कंपनियों में पहचान बना रही हैं। अमेरिकी कंपनियों की एस×पी 500 सूचकांक ने 48 फ़ीसदी का रिटर्न दिया है। वहीं शेवरान, एक्सान मोबिल सहित कई अमेरिकी तेल कंपनियों और गैस कंपनियों ने मात्र 14 फीसदी का रिटर्न दिखाया है। यूरोपीय कंपनियों में बीपी,शेल और टोटल एनर्जीस का भी यही हाल है। यूक्रेन पर रुसी हमले के बाद तेल और गैस कारोबार को भारी धक्का लगा है। तेल कंपनियों की आर्थिक स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। कच्चे तेल और गैस के दामों में लगातार कमी देखने को मिल रही है जिसके कारण हालात और भी खराब होती जा रही है।

3 नवंबर से बदले यूपीआई के नियम, अब ट्रांजेक्शन होंगे और तेज़

रिफंड जल्दी मिलेगा, एनपीसीआई ने सेटलमेंट प्रक्रिया में किया बड़ा बदलाव

नई दिल्ली 3 नवंबर से यूपीआई ट्रांजेक्शन नियमों में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने यूपीआई की सेटलमेंट प्रक्रिया को और तेज़ व पारदर्शी बनाने के लिए नए नियम लागू किए हैं। अब तक रोजाना 10 आरटीजीएस सेटलमेंट साइकल में ऑथराइज्ड यानी सही और डिस्प्यूट यानी विवादित ट्रांजेक्शन एक साथ प्रोसेस होते थे, जिससे देरी होती थी। अब एनपीसीआई ने इन्हें अलग-अलग साइकल में बाँट दिया है। पहले दस साइकल सिर्फ ऑथराइज्ड ट्रांजेक्शन के लिए होंगे। वहीं, विवादित ट्रांजेक्शन के लिए दो नए साइकल बनाए गए हैं, डीसी1 (मिडनाइट से दोपहर 4 बजे तक) और डीसी2 (दोपहर 4 से मिडनाइट तक)। फाइल नेमिंग में अब इनका अलग पहचान कोड जोड़ा जाएगा। इस बदलाव से सेटलमेंट प्रोसेस समय पर पूरी होगी, विवादों का समाधान तेज़ी से होगा और ग्राहकों को रिफंड जल्दी मिलेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे डिजिटल पेमेंट सिस्टम अधिक भरोसेमंद बनेगा और फिनटेक कंपनियों को नई सेवाएं जैसे क्रेडिट ऑन यूपीआई, बीएनपीएल और ईएमआई लॉन्च करने में आसानी होगी।

सेंसेक्स और निफ्टी में सप्ताहभर उतार-चढ़ाव रहा

वैश्विक संकेतों ने निवेशकों को किया प्रभावित

मुंबई

इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने उतार-चढ़ाव भरा प्रदर्शन देखा, जिसमें सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांक वैश्विक आर्थिक संकेतों और विदेशी निवेश प्रवाह से प्रभावित रहे। सप्ताह की शुरुआत में अमेरिकी मुद्रास्फीति रिपोर्ट उम्मीद से कमजोर आई, जिससे फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावनाएं मजबूत हुईं और वैश्विक बाजारों में तेजी देखने को मिली। सोमवार को सेंसेक्स 84,482.64 अंक पर खुला और 84,778.84 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 25,880.15 अंक से 25,966.05 अंक पर समाप्त हुआ। मंगलवार को अमेरिका और चीन के बीच व्यापार समझौते की उम्मीद और फेड की कटौती की संभावनाओं ने बाजार को शुरुआती कारोबार में बढ़त दी, लेकिन अंत में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों गिरावट में बंद हुए। बुधवार को फेड की ब्याज दर पर कोई तत्काल निर्णय न होने और विदेशी निवेश प्रवाह से बाजार ने तेजी दिखाई, सेंसेक्स 84,997.13 अंक पर और निफ्टी 26,053.90 अंक पर बंद हुआ। हालांकि, गुरुवार को विदेशी पूंजी निकासी और फेड के अनिश्चित संकेतों के चलते बाजार में गिरावट आई। सेंसेक्स 84,404.46 अंक पर और निफ्टी 25,877.85 अंक पर बंद हुआ। सप्ताह के अंत, शुक्रवार को बाजार सपाट रुख के साथ बंद हुआ, जिसमें सेंसेक्स 83,938.71 अंक और निफ्टी 25,722.10 अंक पर समाप्त हुए। विश्लेषकों का कहना है कि निवेशकों की धारणा वैश्विक संकेतों, ब्याज दरों और विदेशी पूंजी प्रवाह पर निर्भर रही। सप्ताहभर के उतार-चढ़ाव ने यह साफ किया कि बाजार में विदेशी आर्थिक नीतियों और घरेलू निवेश प्रवाह का प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा रहा है। आने वाले सप्ताह में वैश्विक आर्थिक घटनाओं और फेड के संकेतों पर बाजार की नजरें रहेंगी।

एसीसी का मुनाफा बढ़कर 1,119 करोड़ हुआ

मुंबई

अंबुजा सीमेंट की सहायक कंपनी एसीसी का वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में मुनाफा 460.6 प्रतिशत बढ़कर 1,119.23 करोड़ रुपये हो गया। इसमें वृद्धि उच्च प्रीमियम बिक्री और पहले की अवधियों से जुड़े कर समायोजन के कारण हुई। एसीसी ने अदालती फैसलों के बाद इस अवधि में अपनी कर देनदारियों और प्रावधानों का फिर से मूल्यांकन किया। इन फैसलों के आधार पर प्रबंधन ने तय किया कि पिछले वर्षों के कुछ प्रावधानों की अब जरूरत नहीं है और पिछली अवधियों से संबंधित कर समायोजन और बट्चे खाते वाले 658.42 करोड़ रुपये (31 मार्च, 2025 तक 12.36 करोड़ रुपये) फिर से खाते में ले लिए गए। वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में एसीसी का कर-पूर्व लाभ (पीबीटी) सालाना आधार पर 139.2 प्रतिशत बढ़कर 763 करोड़ रुपये हो गया। तिमाही के लिए एसीसी का राजस्व 5,932 करोड़ रुपये रहा जो पिछले साल की तुलना में 23.8 प्रतिशत अधिक है और दूसरी तिमाही में अब तक का सर्वोच्च स्तर है। एसीसी ने बताया कि वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में सीमेंट की मांग मध्यम रही और सालाना 5.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जीएसटी को 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने से आर्थिक धारणा में सुधार हुआ है।

विश्लेषकों के 295.4 करोड़ रुपये के अनुमान से कहीं ज्यादा लाभ रहा। राजस्व भी विश्लेषकों के 5,307.7 करोड़ रुपये के अनुमान से अधिक रहा।

नायरा एनर्जी ने रिफाइनरी क्षमता बढ़ाई, रूसी तेल पर निर्भरता जारी

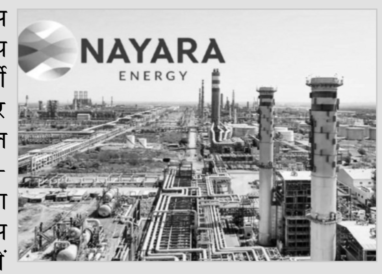

नई दिल्ली रूस समर्थित भारतीय रिफाइनर नायरा एनर्जी ने अपनी वाडिनार रिफाइनरी में कच्चे तेल के प्रसंस्करण को 90-93 फीसदी तक बढ़ा दिया है। यह कदम इस साल की शुरुआत में यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के बाद परिचालन में आई गिरावट के बाद उठाया गया। जुलाई में ईयू प्रतिबंधों के कारण रिफाइनरी क्षमता 70-80 फीसदी तक घट गई थी। प्रतिबंधों से पहले यह संयंत्र अपनी क्षमता का 104 फीसदी तक चला करता था। तेल प्रसंस्करण में गिरावट से नायरा के तेल निर्यात पर असर पड़ा। प्रमुख आपूर्तिकर्ता जैसे इराक और सऊदी अरब ने कंपनी को कच्चे तेल की बिक्री रोक दी। नायरा रिफाइनरी केवल रूसी तेल से संचालित हो रही है। यह तेल रोसनेफ्ट ने उपलब्ध कराया, जिसके पास नायरा में 49.13 फीसदी हिस्सेदारी है। अमेरिका ने रोसनेफ्ट पर भी प्रतिबंध लगाया है। नायरा गैर-स्वीकृत संस्थाओं के माध्यम से रूसी तेल खरीदना जारी रख सकती है, हालांकि भुगतान का तरीका स्पष्ट नहीं है।

कमर्शियल सिलेंडर के दाम पांच रुपए घटे, अब 1,590.50 रुपए प्रति सिलेंडर

नई दरें 1 नवंबर 2025 से लागू

नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार नरमी का असर अब भारत के ऊर्जा क्षेत्र पर भी दिखाई देने लगा है। नवंबर 2025 की शुरुआत के साथ ही देश की तीनों सरकारी तेल विपणन कंपनियों–इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 5 रुपए की कटौती की है। नई दरों के अनुसार दिल्ली में 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 1,595.50 रुपए से घटकर 1,590.50 रुपए हो गई है।

कोलकाता में यह अब 1,694, मुंबई में 1,542 और चेन्नई में 1,750 रुपए प्रति सिलेंडर हो गई है। सभी महानगरों में 5 प्रति सिलेंडर की समान राहत दी गई है। नई दरें 1 नवंबर 2025 से लागू हो गई हैं।

हालांकि, घरेलू एलपीजी (14.2 किलो सिलेंडर) के दामों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। तेल कंपनियों के अनुसार हाल के हफ्तों में कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतें 85 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आने के कारण एलपीजी की उत्पादन लागत में कमी आई है। चूंकि एलपीजी कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस प्रोसेसिंग का उप-उत्पाद है, इसलिए क्रूड की कीमतों में गिरावट का सीधा असर इस पर पड़ता है। इसीलिए कंपनियों ने होटल, रेस्टोरेंट और छोटे व्यवसायों को राहत देने के लिए कमर्शियल सिलेंडर सस्ता करने का निर्णय लिया है।

वहीं, घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। दिल्ली में घरेलू रसोई गैस का 14.2 किलो वाला सिलेंडर अब भी 853 प्रति यूनिट पर उपलब्ध रहेगा।

दुबई से भारत का चावल महंगे दाम में खरीद रहा बांग्लादेश

राजनीतिक तनाव के चलते ट्रेड मार्ग बदला

ढाका

मोहम्मद यूनुस के बांग्लादेश के प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत और ढाका के बीच संबंधों में खटास आई। इसके परिणामस्वरूप बांग्लादेश ने भारत से सीधे चावल आयात को कम कर दिया। सरकार का कहना है कि यह कदम भारत के साथ ट्रेड डेफिसिट को बढ़ने से रोकने के लिए लिया गया। बांग्लादेश फूड मिनिस्ट्री की योजना के अनुसार 100,000 टन चावल आयात किया जाएगा। इसमें 50,000 टन पारबॉयल्ड चावल म्यांमार से और 50,000 टन नॉन-बासमती पारबॉयल्ड चावल दुबई से खरीदा जाएगा। दुबई से खरीद का मूल्य यूएसडी 355.99 प्रति टन है, जबकि म्यांमार से यूएसडी 376.50 प्रति टन। कुल लागत लगभग 323 करोड़ रुपये होगी। विशेषज्ञों के अनुसार दुबई अपना अधिकांश चावल भारत से इम्पोर्ट करता है। बांग्लादेश को भारत से सीधे खरीदने का विकल्प मौजूद होने के बावजूद उसे एक इंटरमीडियरी कंपनी के जरिए दुबई से लेना पड़ रहा है। यह कदम अतिरिक्त खर्च पैदा कर रहा है और जनता के पैसों की बर्बादी माना जा रहा है। खाद्य विभाग के प्रोक्योरमेंट डायरेक्टर मोहम्मद मोनिरुज्जमां का कहना है कि सप्लायर का ऑफिस दुबई में है। चावल का स्रोत भारत है। मीडिया रिपोर्ट आने पर हम क्या कह सकते हैं। सरकार का तर्क है कि यह कदम ट्रेड डेफिसिट को संतुलित करने और राजनीतिक तनाव कम करने के लिए आवश्यक था।

इस महीने नवंबर में 11 दिन बंद रहेंगे बैंक, जारी रहेंगी ऑनलाइन सेवाएं

रविवार, दूसरा और चौथा शनिवार सहित कुछ राज्य-विशेष

नई दिल्ली

अगर आप इस महीने बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम निपटाने की योजना बना रहे हैं, तो पहले बैंक हॉलिडे की लिस्ट जरूर देख लें। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के कैलेंडर के अनुसार इस महीने बैंकों में कुल 11 दिन अवकाश रहेगा। इनमें रविवार, दूसरा और चौथा शनिवार सहित कुछ राज्य-विशेष त्योहारों की छुट्टियां शामिल हैं। हालांकि ये छुट्टियां पूरे देश में एक समान नहीं होंगी। महीने की शुरुआत 1 नवंबर शनिवार से ही छुट्टी के साथ होगी, जब कर्नाटक में राज्योत्सव दिवस और उत्तराखंड में इगास-बगवाल मनाया जाएगा। इसके बाद 2 नवंबर को रविवार का साप्ताहिक अवकाश रहेगा। 5 नवंबर बुधवार को गुरु नानक जयंती और कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, झारखंड, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर सहित कई राज्यों में बैंक बंद रहेंगे। 7 नवंबर को मेघालय में वांगला फेस्टिवल के कारण अवकाश रहेगा, जबकि 8 नवंबर दूसरा शनिवार और 9 नवंबर रविवार होगा। 11 नवंबर को सिक्किम में बौद्ध पर्व ल्हाबाब दुचेन के चलते बैंक बंद रहेंगे। महीने के अंत में 16, 23 और 30 नवंबर को रविवार के अवकाश के अलावा 22 नवंबर को चौथे शनिवार का अवकाश रहेगा। बैंक बंद रहने के बावजूद ग्राहकों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। नेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई और एटीएम सेवाएं पहले की तरह जारी रहेंगी। हालांकि चेक क्लीयरिंग और अन्य ओवर-द-काउंटर सेवाएं इन दिनों प्रभावित रहेंगी। इसलिए, अगर आपको बैंक ब्रांच में जाकर कोई काम निपटाना है, तो अपनी योजना इन छुट्टियों को ध्यान में रखते हुए बनाएं।

वोल्वो कंपनी 21 जनवरी को पेश करेगी ईएक्स 60 एसयूवी

नई दिल्ली

स्वीडिश कंपनी वोल्वो अपनी इलेक्ट्रिक लाइनअप में नया मॉडल जोड़ने जा रही है। वोल्वो कंपनी 21 जनवरी, 2026 को ईएक्स 60 पेश करेगी, जो कि एक्ससी60 एसयूवी का पूरी तरह इलेक्ट्रिक वर्जन है।

ईएक्स60 के लॉन्च के साथ वोल्वो अपने इलेक्ट्रिक पोर्टफोलियो को मजबूत करने की तैयारी कर रही है। यह प्रीमियम मिड-एसयूवी सेगमेंट में वोल्वो के वॉल्यूम गेम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

टीजर इमेज में ईएक्स60 में वोल्वो के सिग्नेचर हेडलैंप और टेल लैंप डिजाइन दिखाए गए हैं। इसकी शेप मौजूदा आईसीई एक्ससी 60 के स्क्वेयर लाइनों के मुकाबले ज्यादा क्रॉसओवर स्टाइल में है, जो कंपनी की भविष्य की एसयूवी डिज़ाइन भाषा का संकेत देती है। यह मॉडल ज्यादातर मार्केट के लिए वोल्वो के टॉर्सलैंडा प्लांट, गोथेनबर्ग के पास, में बनाई जाएगी। हालांकि भारत जैसी जगहों के लिए लोकल असेंबली की भी संभावना है, ताकि लागत और प्रतिस्पर्धी कीमत को संतुलित किया जा सके। भारतीय बाजार में वोल्वो की पकड़ अभी सीमित है, इसलिए कीमत कंपनी के लिए सबसे अहम कारक रहेगी।

ईएक्स60 से पहले, वोल्वो इंडिया 2026 में अपनी फ्लैगशिप ईएक्स90 एसयूवी लॉन्च करेगी। कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन की बात करें तो क्यू3 2024 में वोल्वो का रेवेन्यू एसईके 86.4 बिलियन रहा, जो पिछले साल रिकॉर्ड किए गए एसईके 92.8 बिलियन से थोड़ा कम है। वहीं, ऑपरेटिंग इनकम पिछले साल के एसईके 5.8 बिलियन से बढ़कर सुधार दिखा, जो एसईके 18 बिलियन के कॉस्ट और कैश एक्शन प्लान के असर को दर्शाता है।

संक्षिप्त

स्वियातेक ने डब्ल्यूटीए फाइनल्स के पहले दिन कीज़ को हराया

रियाद, एजेंसी। इगा स्वियातेक ने शानदार खेल का नजारा पेश करते हुए डब्ल्यूटीए फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट के पहले दिन मैडिसन कीज़ को आसानी से सीधे सेटों में हरा दिया। विंबलडन चैंपियन स्वियातेक को विश्व की शीर्ष आठ खिलाड़ियों के बीच खेले जा रहे सत्र के इस अंतिम टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलियाई ओपन विजेता कीज़ को 6-1, 6-2 से हराने में एक घंटे से थोड़ा अधिक का समय लगा।

कीज इस टूर्नामेंट में सेरेना विलियम्स ग्रुप में हैं और उन्हें आगे बढ़ने के लिए अमांडा अनिसिमोवा और एलेना रयबाकिना को हर हाल में हराना होगा। रयबाकिना ने ग्रुप के एक अन्य मैच में अनिसिमोवा को 6-3, 6-1 से हराया। स्टेफी ग्राफ ग्रुप में आर्यना सबालेंका, गत चैंपियन कोको गॉफ, जेसिका पेगुला और जैस्मीन पाओलिनी हैं। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली दो खिलाड़ी सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी। विजेता के लिए पुरस्कार राशि 52 लाख 35 हजार डॉलर है।

रतिका सीलान नॉर्थ कोस्ट ओपन सेमीफाइनल में हारीं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की रतिका सुथांथीरा सीलान ऑस्ट्रेलिया के कॉफ्स हार्बर में चल रही 6000 डॉलर इनामी पीएसए चैलेंजर प्रतियोगिता नॉर्थ कोस्ट ओपन स्क्वाश के महिला एकल के सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त लोजयन गोहारी से हार गईं। तमिलनाडु की रहने वाली सातवीं वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी को चार गेम में हार का सामना करना पड़ा। मिस्र की खिलाड़ी ने 12-10, 5-11, 11-3, 11-3 से जीत हासिल करके फाइनल में जगह बनाई। रतिका ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त बोबो लाम को हराया था।

उन्नति हुड्डा बाहर, हाइलो ओपन में भारतीय चुनौती समाप्त

सारब्रूकेन (जर्मनी), एजेंसी। उभरती बैडमिंटन खिलाड़ी उन्नति हुड्डा को यहां 475,000 डॉलर इनामी हाइलो ओपन के महिला एकल सेमीफाइनल में इंडोनेशिया की शीर्ष वरीय पुत्री कुसुमा वर्दानी से सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा, जिससे इस टूर्नामेंट में भारत की चुनौती भी समाप्त हो गई। रोहतक की 18 वर्षीय खिलाड़ी उन्नति ने इस सप्ताह प्रभावशाली प्रदर्शन किया, लेकिन वह वर्दानी की गति और सटीकता की बराबरी नहीं कर सकी और शनिवार रात 35 मिनट तक चले मुकाबले में 7-21, 13-21 से हार गई। उन्नति उस भारतीय टीम का हिस्सा थीं जिसने पिछले महीने गुवाहाटी में बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप में अपना पहला पदक (कांस्य) जीता था।

बाबर आजम टी20 में सबसे अधिक अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बने

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 में अपनी 68 रनों की अर्धशतकीय पारी के साथ ही एक नई उपलब्धि हासिल की है। अब आजम टी20 में सबसे अधिक अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। इस प्रकार आजम ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा को भी पीछे छोड़ दिया है। बाबर के नाम अब 124 पारियों में 40 अर्धशतक हो गए हैं, जबकि विराट कोहली के 117 पारियों में 39 अर्धशतक हैं। वहीं रोहित शर्मा के 151 पारियों में 37 अर्धशतक हैं। आजम ने 131 टी20 अंतराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 124 पारियों में 39.83 की औसत से 4,302 रन बनाए हैं। उन्होंने 3,335 गेंदें खेली हैं और उनका स्ट्राइक रेट 128.99 रहा है, जिसमें तीन शतक और 37 अर्धशतक शामिल हैं, उनका सबसे अधिक स्कोर 122 है। वहीं विराट ने 125 टी20 मैचों में 48.69 की औसत और 137.04 के स्ट्राइक रेट से 4,188 रन बनाए हैं।

सुंदर की आतिशी पारी ने भारत को दिलाई बराबरी

टी-20 सीरीज

- **सुंदर ने 23 गेंदों पर नाबाद 49 रनों की मैच विजयी पारी में तीन चौके और चार छक्के लगाये।**

होबार्ट, एजेंसी। वॉशिंगटन सुंदर (नाबाद 49) की आतिशी पारी के दम पर भारत ने रविवार को तीसरे टी-20 मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली।

ऑस्ट्रेलिया के 186 रनों के जवाब में भारत ने 18.3 ओवर में पांच विकेट पर 188 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया। सुंदर ने 23 गेंदों पर नाबाद 49 रनों की मैच विजयी पारी में तीन चौके और चार छक्के लगाये। जितेश शर्मा ने मात्र 13 गेंदों में तीन चौकों की मदद से नाबाद 22 रन बनाकर उनका बखूबी साथ दिया। जितेश ने भारत के लिए मैच विजयी चौका मारा।

मुश्किल लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 33 रन जोड़े। भारत का पहला विकेट चौथे ओवर में अभिषेक शर्मा 16 गेंदों में (25) के रूप में गिरा। उन्होंने अपनी पारी में दो छक्के और दो चौके लगाये। उन्हें नेथन एलिस ने आउट किया। छठे ओवर में एलिस ने शुभमन गिल (15) को भी अपना शिकार बना लिया। इसके बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा ने पारी को संभालने का प्रयास किया और तेजी के साथ रन बटोरे। आठवें ओवर में मार्कस स्टॉयनिस ने सूर्यकुमार यादव को आउटकर भारत को तीसरा झटका दिया। सूर्यकुमार यादव ने 11 गेंदों में दो छक्के और एक चौका लागते हुए 24 रन बनाये। अक्षर पटेल 12 गेंदों में 17 रन बनाकर आउट हुये। अक्षर पटेल का विकेट गिरने के बाद मैदान पर आये सुंदर ने तिलक वर्मा के साथ पांचवें विकेट के लिए 34 रन जोड़े। तिलक वर्मा 26 गेंदों में एक चौके और एक छक्के की मदद से 29 रन बनाकर आउट हुये, लेकिन उसके बाद सुंदर ने जितेश के साथ भारत को जीत की मंजिल पर पहुंचा दिया। ऑस्ट्रेलिया के लिए नेथन एलिस ने 36 रन देकर तीन विकेट लिये। मार्कस स्टॉयनिस और जेवियर बार्टलेट ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

ऑस्ट्रेलिया की पारी में तीन विकेट लेने वाले अर्शदीप सिंह को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने आज यहां पहले बल्लेबाजी करते हुए टिम डेविड (74) और मार्कस स्टॉयनिस (64) की अर्धशतकीय पारियों के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 186 रन बनाये थे। टॉस हारने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 14 के स्कोर पर अपने दो विकेट गंवा दिये। ट्रैविस हेड (छह) और जॉश इंगलिस एक रन बनाकर आउट हुये। दोनों बल्लेबाजों को अर्शदीप सिंह ने आउट किया।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आये टिम डेविड ने कप्तान मिचेल मार्श के साथ पारी को संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 59 रनों की साझेदारी हुई। नौवें ओवर में वरुण चक्रवर्ती ने मिचेल मार्श (11) को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। वरूण ने इसी ओवर में मिचेल ओवेन (शून्य) को भी अपना शिकार बना लिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये मार्कस स्टॉयनिस, टिम डेविड के साथ आतिशी बल्लेबाजी करते हुए टीम के स्कोर 118 के स्कोर तक ले गये। इसी दौरान शिवम दुबे ने टिम डेविड को तिलक वर्मा के हाथों कैच आउट कराकर भारत को पांचवी सफलता दिलाई। टिम डेविड ने 38 गेंदों पांच छक्के और आठ चौके लगाते हुए 74 रनों की पारी खेली। 20वें ओवर में अर्शदीप सिंह ने मार्कस स्टॉयनिस को आउटकर अपना तीसरा विकेट लिया। मार्कस स्टॉयनिस ने 39 गेंदों में आठ चौके और दो छक्के लगाये।

ऑस्ट्रेलिया ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 186 रनों का स्कोर बनाया। मैथ्यू शॉर्ट (26) और जेवियर बार्टलेट तीन रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह ने तीन विकेट लिये। वरुण चक्रवर्ती को दो विकेट मिले। शिवम दुबे ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

जीतकर काफी अच्छा लग रहा है : सूर्यकुमार

होबार्ट। भारत की ऑस्ट्रेलिया पर तीसरे टी 20 मुकाबले में पांच विकेट की सीरीज बराबर करने वाली जीत हासिल करने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि मैच में जीत हासिल कर अच्छा लग रहा है। सूर्यकुमार ने मैच जीतने के बाद प्रेजेंरेशन में कहा, "हमारे लिए टॉस जीतना काफ़ी अच्छा रहा, लगातार टॉस हार के सिलसिले को तोड़ना अच्छा रहा। जीतकर अच्छा लग रहा है। यह बढ़िया कॉम्बिनेशन था। वॉशिंगटन एक लचीले बल्लेबाज हैं। शुभमन और अभिषेक आग और बर्फ़ जैसे हैं, कुछ ऐसी ही स्थिति बुमराह और अर्शदीप के साथ भी है। बुमराह ने अपना काम बखूबी किया और अर्शदीप अपनी योजनाओं को लेकर काफ़ी स्पष्ट थे। प्लेयर ऑफ द मैच बने अर्शदीप सिंह ने कहा, "मैं बस प्रक्रिया पर ध्यान देने और अपने कौशल पर भरोसा करने की कोशिश कर रहा हूं, मुझे लगता है कि जब कोई बल्लेबाज आप पर आक्रमण करता है तो उसे आउट करने की संभावना बन जाती है। मुझे भारत के लिए खेलने में मजा आता है, जब भी गेंदबाजी मिलती है तो गेंदबाजी का लुत्फ़ उठाता हूं। मैं सिर्फ़ उन चीज़ों को अमलीजामा पहनाने का प्रयास करता हूं जिनका मैंने अभ्यास किया है।

हमने शायद 20 रन कम बनाये : मार्श

होबार्ट, एजेंसी। भारत से तीसरे टी 20 मुकाबले में पांच विकेट से हारने के बाद ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श ने कहा कि उनकी टीम ने शायद 20 रन कम बनाये। मार्श ने प्रेजेंटेशन में कहा, "हमने शायद 20 रन कम बनाए, हमें अधिक रन बनाने का कोई रास्ता ढूंढना होगा। मुझे इंटेंट देखकर काफ़ी अच्छा लगा। ख़ासकर जिस तरह से टिम डेविड ने शुरुआती दो विकेट गिरने के बाद रन बनाए। स्टॉयनिस ने अपने अनुभव का प्रदर्शन किया, इस मुक़ाबले से हमारे पास अभी भी काफ़ी सकारात्मक पहलू हैं। पांच मैचों की सीरीज अब 1-1 से बराबर हो गयी है।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कश्मीर मैराथन को हरी झंडी दिखाई

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रविवार को यहां कश्मीर मैराथन के दूसरे सत्र को हरी झंडी दिखाई जिसमें विदेश और देश के अलग-अलग हिस्सों से 1500 धावकों ने हिस्सा लिया। मैराथन को हरी झंडी दिखाए जाने के कार्यक्रम में बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी भी मौजूद थे जबकि उमर अब्दुल्ला ने पिछले साल की तरह इस साल भी हाफ मैराथन में हिस्सा लिया।

उमर अब्दुल्ला ने अपने निजी 'एक्स' हैंडल पर पोस्ट किया, ''अभी-अभी कश्मीर हाफ मैराथन पूरी की। मैंने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया लेकिन पिछले साल के मुकाबले अपने प्रदर्शन में सुधार किया। पूर्ण मैराथन और हाफ मैराथन पूरी करने वाले सभी धावकों को बधाई। बहुत बढ़िया।

मुख्यमंत्री ने अपने आधिकारिक हैंडल से भी एक संदेश पोस्ट किया। उन्होंने कहा, ''श्रीनगर में हजारों उत्साही धावकों के बीच मुख्यमंत्री ने आज सुबह कश्मीर मैराथन-2025 को हरी झंडी दिखाई जो जम्मू-कश्मीर की फिटनेस, जज्बे और कभी नहीं रुकने वाली भावना का जश्न है!

संवाददाताओं से बात करते हुए सुनील शेट्टी ने कहा कि पहलगाम में हुए जानलेवा आतंकी हमले के बाद कश्मीर में चीजें सामान्य होने लगी हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि हमारे पास एक शानदार और रोमांचक शीतकालीन पर्यटन होगा।'' उन्होंने कहा कि बॉलीवुड भी बड़े पैमाने पर कश्मीर लौट रहा है क्योंकि कुछ फिल्में पहले से ही घाटी में शूट हो रही हैं जबकि कुछ की योजना पर काम हो रहा है।

यह पूछे जाने पर कि क्या कश्मीर मैराथन से घाटी में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, सुनील शेट्टी ने कहा कि 100 से अधिक ज़्यादा विदेशी खिलाड़ियों और देश भर से लगभग 1400 लोगों का इसमें हिस्सा लेना इस बात का सबूत है कि यह प्रतियोगिता लोगों को आकर्षित कर रही है। उन्होंने कहा, ''यहां क्रिकेट मैच भी हो रहे हैं जिसमें क्रिस गेल जैसे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। हम वापस आ गए हैं।'' जादिबल के विधायक तनवीर सादिक सहित कई राजनेताओं ने इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। कश्मीर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक वीके बर्दी भी इसमें हिस्सा लेने वालों में शामिल थे।

केन विलियमसन ने टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास की घोषणा की

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास की घोषणा की है। हालांकि, वे वनडे और टेस्ट में टीम के लिए योगदान देंगे।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बताया कि विलियमसन दिसंबर में होने वाली तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला पर ध्यान केंद्रित करने के लिए वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी सीमित ओवरों की श्रृंखला में नहीं खेलेंगे।

2011 में टी20 अंतरराष्ट्रीय में पदार्पण करने वाले विलियमसन ने 75 मौकों पर न्यूजीलैंड की कप्तानी की और टीम को दो आईसीसी टी20 विश्व कप सेमीफाइनल (2016 और 2022) और एक फाइनल (2021) तक पहुंचाया।

35 वर्षीय विलियमसन 33 की औसत से 2575 रन बनाकर न्यूजीलैंड के दूसरे सबसे अधिक पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उनके नाम 18 अर्धशतक और 95 का सर्वोच्च स्कोर शामिल है।

विलियमसन ने एक बयान में कहा, "यह कुछ ऐसा है जिसका हिस्सा बनना मुझे लंबे समय से पसंद है और मैं इन यादों और अनुभवों के लिए बहुत आभारी हूं। यह मेरे और टीम के लिए सही समय है। इससे टीम को सीरीज के आगे बढ़ने और अपने अगले प्रमुख लक्ष्य, टी20 विश्व कप, के लिए स्पष्टता मिलती है। वहां बहुत सारी टी20 प्रतिभाएं हैं और अगला दौर इन खिलाड़ियों को क्रिकेट सिखाने और उन्हें विश्व कप के लिए तैयार करने के लिए महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने कहा कि मिचेल एक शानदार कप्तान और उनके नेतृत्व में टीम अपनी क्षमता साबित कर चुकी है। अब इस प्रारूप में ब्लैक कैप्स को आगे बढ़ाने का समय आ गया है और मैं दूर से उनका समर्थन करूंगा। न्यूजीलैंड के सर्वकालिक सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी विलियमसन ने कहा कि वह अपने वनडे और टेस्ट भविष्य को लेकर खुले विचारों वाले हैं और उनका पूरा ध्यान वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज की तैयारी पर है, जो 2 दिसंबर से क्राइस्टचर्च में शुरू हो रही है। उन्होंने कहा कि मुझे इस टीम की बहुत परवाह है। ब्लैककैप्स एक खास जगह है और आप इसके लिए खुद को पूरी तरह समर्पित करना चाहते हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहते हैं। न्यूज़ीलैंड क्रिकेट के सीईओ स्कॉट वेनिंक ने कहा कि वह विलियमसन के फैसले का सम्मान करते हैं और टी20 टीम में उनके योगदान की सराहना करते हैं। एक खिलाड़ी के रूप में केन का प्रदर्शन और टी20 टीम के कप्तान के रूप में उनकी सेवा अभूतपूर्व रही है। टी20 विश्व कप फाइनल में उनकी 85 रनों की पारी, न्यूजीलैंड के किसी भी खिलाड़ी द्वारा खेली गई सबसे खास टी20 पारियों में से एक थी।

नजमुल हुसैन शांतो की बांग्लादेश के टेस्ट कप्तान के रूप में वापसी

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने घोषणा की है कि नजमुल हुसैन शांतो 2025-2027 आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप चक्र खत्म होने तक बांग्लादेश टेस्ट टीम के कप्तान बने रहेंगे। शान्तो इससे पहले बांग्लादेश के कप्तान थे, लेकिन जून में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में हार के बाद उन्होंने टेस्ट कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि, अब बीसीबी ने दोबारा उन पर भरोसा जताते हुए उन्हें टेस्ट टीम की कमान सौंप दी है।

बीसीबी अध्यक्ष मोहम्मद अमीनुल इस्लाम ने एक बयान में कहा कि यह निर्णय 27 वर्षीय बल्लेबाज के नेतृत्व और बांग्लादेश के लाल गेंद क्रिकेट के प्रति उनके दृष्टिकोण में बोर्ड के विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि शान्तो ने टेस्ट क्रिकेट में धैर्य, प्रतिबद्धता और गहरी समझ दिखाई है।

रणजी ट्रॉफी में यशस्वी बल्ले से बरपा रहे कहर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल इन दिनों शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। हाल ही में वह टीम इंडिया के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गए थे, जहां उन्हें वनडे सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया था। हालांकि, दुर्भाग्यवश उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। लेकिन भारत लौटते ही यशस्वी ने रणजी ट्रॉफी में अपनी घरेलू टीम मुंबई के लिए जोरदार प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं को एक बार फिर अपनी काबिलियत का अहसास कराया।

रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप डी के मुकाबले में राजस्थान के खिलाफ खेलते हुए यशस्वी ने 67 रनों की शानदार पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 97 गेंदों का सामना किया और 8 चौके व 1 छक्का लगाया। शुरुआत में उन्होंने मुशीर खान के साथ मिलकर मुंबई के लिए पहले विकेट के लिए 100 रनों की साझेदारी की। मुशीर 97 गेंदों पर 32 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन यशस्वी ने अपनी लय बनाए रखी और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। टेस्ट क्रिकेट में यशस्वी जायसवाल ने पहले ही खुद को टीम इंडिया के लिए एक भरोसेमंद ओपनर के रूप में स्थापित कर लिया है। इस साल उन्होंने इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए सबका ध्यान खींचा था। वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की तीन पारियों में उन्होंने 219 रन बनाए, जिसमें 175 रन की यादगार पारी शामिल थी।

इसी तरह, इंग्लैंड के खिलाफ भी उन्होंने बेहतरीन बल्लेबाजी की थी और 10 पारियों में कुल 411 रन बनाए थे, जिसमें दो शतक और दो अर्धशतक शामिल थे। लाल गेंद क्रिकेट में यशस्वी की निरंतरता और आत्मविश्वास ने उन्हें भारत के टेस्ट बल्लेबाजी क्रम का अहम हिस्सा बना दिया है। अब रणजी ट्रॉफी में उनकी वापसी यह साफ दर्शाती है कि यह युवा बल्लेबाज न केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बल्कि घरेलू क्रिकेट में भी लगातार अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार है। यशस्वी का यह प्रदर्शन टीम इंडिया के लिए आने वाले समय में शुभ संकेत है, खासकर तब जब भारतीय क्रिकेट को युवा और भरोसेमंद सलामी बल्लेबाजों की जरूरत है।

प्रतिभा | **वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल से लेकर टेस्ट क्रिकेट तक मचाया धमाल**

टीम इंडिया में आने दरवाजा खटखटा रहा वैभव सूर्यवंशी : धूमल

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 के बाद से वर्ल्ड क्रिकेट में चर्चा का केंद्र बने 14 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अब भारतीय क्रिकेट का अगला बड़ा चेहरा माने जा रहे हैं। आईपीएल में अपने दमदार प्रदर्शन से पहचान बनाने वाले वैभव ने इसके बाद अंडर-19 स्तर पर भी लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। लिमिटेड ओवर क्रिकेट के साथ-साथ टेस्ट प्रारूप में भी उन्होंने अपने खेल का ऐसा नमूना पेश किया है, जिससे क्रिकेट विशेषज्ञ और फैंस दोनों ही दंग हैं। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि वैभव कब भारतीय सीनियर टीम की नीली जर्सी में नजर आएंगे।

आईपीएल के चेयरमैन अरुण धूमल ने हाल ही में इस युवा बल्लेबाज की जमकर तारीफ की और कहा कि वैभव सूर्यवंशी टीम इंडिया के दरवाजे पर दस्तक दे रहे हैं। उन्होंने कहा, "हम वर्षों से भारतीय क्रिकेट की बेंच स्ट्रेंथ की बात करते रहे हैं, और आज हमारे पास इसका जीता-जागता उदाहरण है एक 14 साल का प्रतिभाशाली खिलाड़ी, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए तैयार है।

धूमल ने इस मौके पर रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि ये दोनों अब भी भारतीय क्रिकेट के स्तंभ हैं और उनके अनुभव से युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा मिल रही है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में रोहित शर्मा को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था।

धूमल ने कहा, "रोहित और कोहली जैसे खिलाड़ी केवल रन नहीं बनाते, बल्कि उदाहरण पेश करते हैं। रोहित ने जिस तरह से इस सीरीज में अपनी क्लास दिखाई, वह बताता है कि उनमें अब भी वैसी ही भूख और जुनून है जैसी करियर की शुरुआत में थी। यही वजह है कि भारतीय क्रिकेट दुनिया में इतनी मजबूती से खड़ा है क्योंकि हमारे पास अनुभव और नई प्रतिभा, दोनों का सही संतुलन है।

वैभव सूर्यवंशी का नाम अब केवल भारत ही नहीं, बल्कि वैश्विक क्रिकेट जगत में गूंज रहा है। उनकी बल्लेबाजी में आक्रामकता के साथ परिपक्वता भी देखने को मिलती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर वह इसी लय में आगे बढ़ते रहे, तो आने वाले वर्षों में वह भारतीय क्रिकेट के सुपरस्टार बन सकते हैं। फिलहाल, फैंस बेसब्री से उस पल का इंतजार कर रहे हैं, जब यह 14 वर्षीय बल्लेबाज टीम इंडिया के लिए डेब्यू करते हुए मैदान पर उतरेगा।

रणजी ट्रॉफी में मोहम्मद शमी का जलवा, अगरतला में उमड़ा फैंस का सैलाब

नई दिल्ली, एजेंसी। हाल के दिनों में भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के बीच विवाद की खबरें सुर्खियों में रही थीं। शमी का कहना है कि वह पूरी तरह फिट हैं, फिर भी बिना किसी ठोस कारण के उन्हें टीम से बाहर रखा गया। वहीं, अगरकर ने उन्हें ड्रॉप करने के अपने अलग तर्क दिए थे। इस विवाद के बीच शमी ने अब मैदान पर अपने प्रदर्शन से जवाब देना शुरू कर दिया है। वह रणजी ट्रॉफी में बंगाल की ओर से खेलते हुए एक बार फिर शानदार गेंदबाजी के दम पर चर्चा में हैं।

त्रिपुरा के खिलाफ यह मुकाबला अगरतला के महाराजा बीर बिक्रम कॉलेज स्टेडियम में खेला जा रहा है। जैसे ही शहर में यह खबर फैली कि मोहम्मद शमी मैदान पर उतरने वाले हैं, बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी स्टेडियम की ओर उमड़ पड़े। आमतौर पर रणजी ट्रॉफी के घरेलू मैचों में दर्शकों की तादाद बहुत कम होती है, लेकिन इस मैच में माहौल बिल्कुल अलग था। अनुमान के मुताबिक, करीब दो से तीन हजार दर्शक स्टेडियम में मौजूद थे, जो केवल शमी की एक झलक पाने और उन्हें गेंदबाजी करते देखने पहुंचे थे।

फैंस स्टैंड्स से लगातार शमी के नाम के नारे लगाते रहे, जिससे माहौल रोमांचक बन गया।

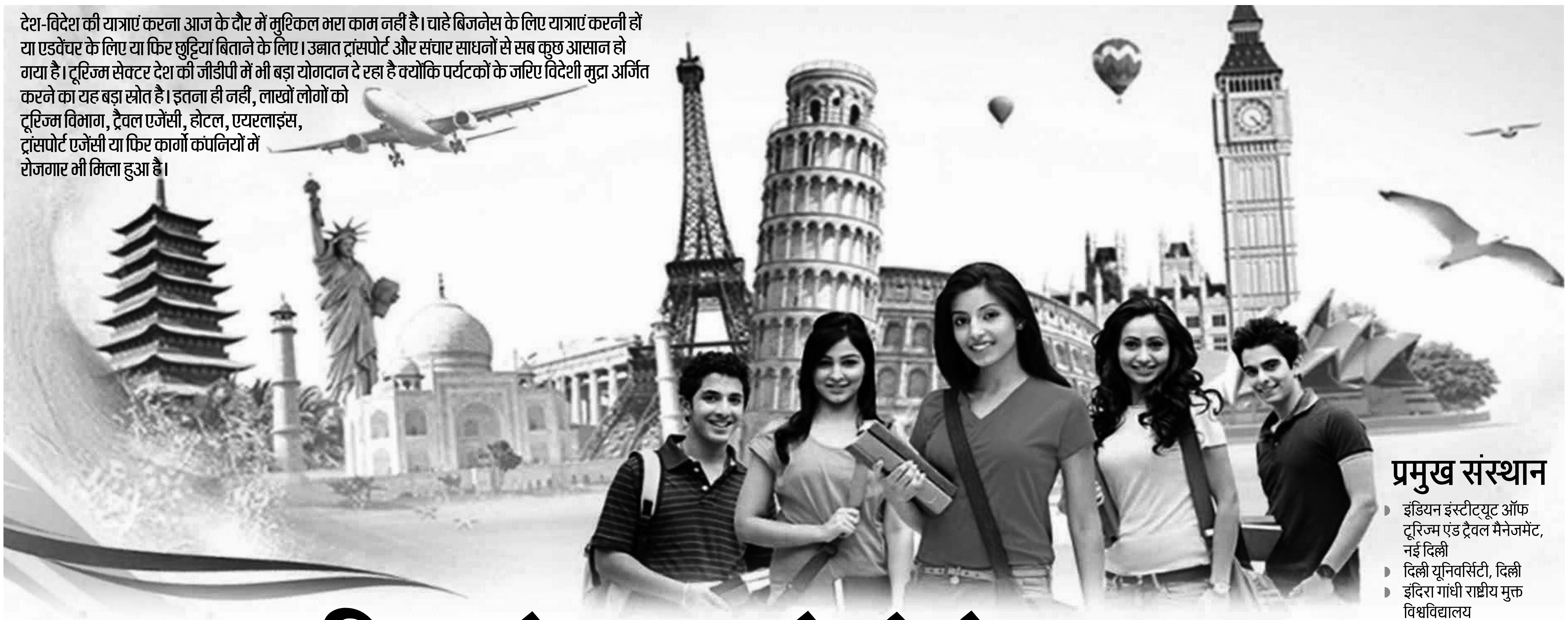

देश-विदेश की यात्राएं करना आज के दौर में मुश्किल भरा काम नहीं है। चाहे बिजनेस के लिए यात्राएं करनी हों या एडवेंचर के लिए या फिर छुट्टियां बिताने के लिए। उन्नात ट्रांसपोर्ट और संचार साधनों से सब कुछ आसान हो गया है। टूरिज्म सेक्टर देश की जीडीपी में भी बड़ा योगदान दे रहा है क्योंकि पर्यटकों के जरिए विदेशी मुद्रा अर्जित करने का यह बड़ा स्रोत है। इतना ही नहीं, लाखों लोगों को टूरिज्म विभाग, ट्रैवल एजेंसी, होटल, एयरलाइंस, ट्रांसपोर्ट एजेंसी या फिर कार्गो कंपनियों में रोजगार भी मिला हुआ है।

टूरिज्म में इन 8 क्षेत्रों में मिलेंगे बेहतरीन मौके

वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल की रिपोर्ट के अनुसार, नए वीसा सुधार, अतुल्य भारत अभियान और सरकार द्वारा इंफ्रास्ट्रक्चर पर ज्यादा जोर दिए जाने से भारतीय ट्रैवल एंड टूरिज्म उद्योग में आने वाले वर्षों में और तेजी आने की उम्मीद है। एक अनुमान के मुताबिक, बीते कुछ वर्षों में करीब 9 प्रतिशत (3.74 करोड़) लोगों को टूरिज्म सेक्टर में रोजगार मिला। देश की भौगोलिक और सांस्कृतिक-ऐतिहासिक विरासत ऐसी है कि दक्षिण एशिया घूमने आने वाले करीब 50 प्रतिशत पर्यटक हर साल भारत आना पसंद करते हैं। यही वजह है कि टूरिज्म सेक्टर में युवाओं के लिए रोजगार की संभावनाएं लगातार बढ़ रही हैं।

करियर के अवसर

चूंकि टूरिज्म उद्योग में कार्य का दायरा काफी विस्तृत है, इसलिए यहां युवाओं के लिए सरकारी और निजी दोनों ही क्षेत्रों में अनेक प्रकार की संभावनाएं मौजूद हैं। टूरिज्म से संबंधित कोर्स करने के बाद आप विभिन्न विमानन कंपनियों, होटल आदि में मैनेजर, टूर मैनेजर, कस्टमर सेल्स एग्जीक्यूटिव, ट्रैवल प्रोडक्ट डिजाइनर, सेल्स एंड मार्केटिंग स्टाफ, ट्रैवल एजुकेटर, गाइड, दुभाषिया आदि के तौर पर जॉब पा सकते हैं। इसी तरह ट्रैवल एजेंसीज में भी ढेर सारे अवसर हैं, जहां आप मैनेजर, रिजर्वेशन एंड काउंटर स्टाफ, सेल्स एंड मार्केटिंग स्टाफ, टूर एस्कॉर्ट, टूर ऑपरेटर आदि के रूप में सेवा दे सकते हैं। कहने का मतलब यह है कि टूरिज्म सेक्टर में आपके लिए करियर ग्रोथ और पैसा दोनों हैं। अगर चाहें, तो कुछ वर्षों के अनुभव के बाद खुद का ट्रैवल बिजनेस भी शुरू कर सकते हैं। धीरे-धीरे पासपोर्ट एंड वीसा हैंडलिंग, डेस्टिनेशन मैनेजर, ट्रैवल कंसल्टेंट, फ्रंट ऑफिस मैनेजमेंट, एचआर, बिजनेस डेवलपमेंट, पीआर, इवेंट मैनेजमेंट जैसे दूसरे गैर-परंपरागत क्षेत्रों में भी युवाओं के लिए जॉब की संभावनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। मेडिकल टूरिज्म भी ऐसा ही एक उभरता हुआ नया क्षेत्र है, जहां हेल्थ प्रोफेशनल्स के लिए काफी स्कोप है।

कहां हैं मौके?

पर्यटन विभाग – इससे संबंधित कोर्स करने के बाद आप पर्यटन विभाग में रिजर्वेशन एंड काउंटर स्टाफ, सेल्स एंड मार्केटिंग स्टाफ, टूर प्लानर्स, टूर गाइड जैसे पदों पर सरकारी नौकरी में जा सकते हैं। यूपीएससी या पीएससी परीक्षा पास कर केंद्र व राज्यों के पर्यटन विभागों में अफसर भी बना जा सकता है।
एयरलाइंस – पर्यटन उद्योग का यह सबसे आकर्षक क्षेत्र माना जाता है। आप एयर होस्टेस, ग्राउंड सपोर्ट एंड एयरपोर्ट मैनेजमेंट, एयरलाइन ग्राउंड ऑपरेशन, एयरलाइन टिकिटिंग, होटल मैनेजमेंट या टूरिज्म जैसे कोर्स करके यहां ग्राउंड स्टाफ या इन-फ्लाइट एसोसिएट, ट्रैफिक असिस्टेंट, रिजर्वेशन एंड काउंटर स्टाफ, क्लाइंट सर्विसिंग स्टाफ के रूप में करियर बना सकते हैं।
होटल – किसी भी देश की ट्रैवल एंड टूरिज्म इंडस्ट्री का अहम हिस्सा हैं होटल्स। यही कारण है कि यह क्षेत्र देश में तेजी से आगे बढ़ रहा है। तमाम तरह के जॉब के अवसर भी लोगों को विभिन्ना स्तरों के होटलों में मिल रहे हैं।
ट्रांसपोर्ट – हवाई, सड़क, रेल और समुद्री मार्गों से परिवहन के क्षेत्र में को-ऑर्डिनेटर, सुपरवाइजर, ड्राइवर आदि के रूप में बड़ी संख्या में जॉब के अवसर हैं।
टूर ऑपरेटर्स – ऐसे प्रोफेशनल्स अपने क्लाइंट के लिए टूर की व्यवस्था करते हैं, उन्हें विभिन्न पर्यटन स्थलों पर घुमाने के लिए ले जाते हैं, रिवर राफ्टिंग, रॉक क्लाइंबिंग आदि जैसे साहसिक खेलों में टूरिस्ट की मदद करते हैं। क्लाइंट की यात्रा और ठहरने का प्रबंध भी यही प्रोफेशनल्स करते हैं। अगर आपका व्यक्तित्व अच्छा है, आप पर्यटन स्थलों की अच्छी जानकारी रखते हैं और आपकी लैंग्वेज स्किल अच्छी है, तो आप इस फील्ड में अपना करियर बना सकते हैं।
टाइम शेयर कंपनीज – ऐसी कंपनियां हॉलीडे रिसॉर्ट को मैनेज करने का काम करती हैं। विदेशी कंपनियों के रिसॉर्ट के साथ भी इनका बिजनेस टाई-अप होता है। आप ऐसी कंपनियों में काम करने का मौका पा सकते हैं।
हॉलीडे कंसल्टेंसी – ट्रैवल एंड टूरिज्म उद्योग में अभी यह नया क्षेत्र है। हॉलीडे कंसल्टेंट टूर से जुड़ी हर तरह की जानकारी अपने क्लाइंट को उपलब्ध कराते हैं, जैसे क्लाइंट के लिए ट्रैवल प्लान करना, टिकट बुकिंग करना आदि।
बैंक – बैंकों में भी विदेशी मुद्रा के लिए आने वाले टूरिस्ट की मदद हेतु प्रोफेशनल्स की सेवाएं ली जाती हैं। तमाम बैंक आजकल पर्यटकों के लिए होटल और टिकट बुकिंग की सुविधाएं भी उपलब्ध करा रहे हैं। बैंकों में ऐसे जॉब के लिए आम तौर पर एमबीए स्टूडेंट्स को हायरिंग में खास तवज्जो दी जाती है।

पर्सनल स्किल्स

ट्रैवल एंड टूरिज्म उद्योग में कम्युनिकेशन स्किल सबसे जरूरी है क्योंकि यहां लोगों को अक्सर पर्यटकों से बातचीत करके उनकी जिज्ञासाओं को शांत करना होता है। आपका व्यवहार कुशल होना भी जरूरी है। अच्छी पर्सनैलिटी से फायदा होगा। क्षेत्र विशेष की भौगोलिक जानकारी भी होनी चाहिए। अगर आप मैनेजेरियल या एडमिनिस्ट्रेटिव पद पर हैं, तो लीडरशिप क्वॉलिटी के साथ-साथ त्वरित समस्या समाधान की क्षमता और टीमवर्क की भावना भी आपमें होना जरूरी है।

कोर्स व क्वॉलिफिकेशन

टूरिज्म इंडस्ट्री में करियर बनाने के लिए डिग्री, पीजी डिग्री, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स के रूप में कई प्रकार के कोर्स उपलब्ध हैं। डिग्री कोर्स की अवधि 3 वर्ष होती है। इसमें किसी भी स्ट्रीम के युवा 12वीं के बाद प्रवेश ले सकते हैं। अगर आप ग्रेजुएट हैं, तो टूरिज्म में पीजी या डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। कुछ संस्थान सर्टिफिकेट कोर्स भी कराते हैं, जिसे 12वीं के बाद करके आप टूर एजेंसीज या टूर प्रमोशन एंड सेल्स कंपनियों में जॉब पा सकते हैं।

सैलरी कितनी?

टूरिज्म उद्योग में सैलरी काफी आकर्षक है। एयरलाइंस, ट्रैवल एजेंसीज आदि में ऐसे प्रोफेशनल्स और उनके परिवारों को कई मुफ्त सुविधाएं भी मिलती हैं। प्रोफेशनल्स को शुरूआत में 15 से 20 हजार रुपए प्रति माह की सैलरी आसानी से मिल जाती है। अनुभव बढ़ने पर ऐसे प्रोफेशनल्स 40 हजार से लेकर 1 लाख रुपए महीना तक कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म एंड ट्रैवल मैनेजमेंट, नई दिल्ली
- दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
- कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, हरियाणा
- डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी

कौन-से कोर्स?

- बैचलर ऑफ टूरिज्म एडमिनिस्ट्रेशन
- बैचलर ऑफ टूरिज्म स्टडीज
- मास्टर ऑफ ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट
- फाउंडेशन कोर्स इन ट्रैवल एंड टूरिज्म
- ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट कोर्स
- इंटीग्रेटेड डिप्लोमा इन ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट।

ग्रुप डिस्कशन में पीछे न रह जाएं, अपनाएं ये टिप्स

कुछ एग्जाम में ग्रुप डिस्कशन का बहुत बड़ा रोल होता है। कई बार आप लिखित परीक्षा में तो अच्छे अंक से पास हो जाते हैं लेकिन जब ग्रुप डिस्कशन का समय आता है तो वहां विफल हो जाते हैं। आखिर ऐसी कौन-कौन सी बातें है जिनका ध्यान रखा जाए तो आप ग्रुप डिस्कशन में भी बाजी मार सकते हैं। सबसे पहली बात इसके लिए आपको अपडेट होने के साथ-साथ आपकी बॉडी लैंग्वेज भी अच्छी होनी चाहिए।

- जीडी के दौरान किसी एक मेंबर की और फोकस न करें। सभी पर नजर आई-कॉन्टेक्ट बनाए रखें।
- जीडी में आप अपनी बात तभी रख पाएंगे जब आपको जीडी वाले टॉपिक का नॉलेज हो। अगर नॉलेज नहीं है तो आप अच्छे से डिस्कशन नहीं कर पाएंगे।
- इस बात का जरूर ध्यान रखें कि जब दूसरा बोल रहा हो तो उसे बीच में टोके नहीं, चाहे आप उसकी बात से सहमत न भी हों। जब आपको मौका मिले तो अपनी बात को विनम्रता के साथ कहें।
- जो भी बोलें बिलकुल साफ बोलें, वरना सामने बाकी लोगों को या तो समझ नहीं आएगा या वो आपकी बात का कोई और मतलब निकाल सकते हैं।
- ध्यान रखें कि जिस टॉपिक पर डिस्कशन हो रहा है, उससे भटके नहीं। टॉपिक की थीम को ध्यान में रखकर उसी पर अपना व्यूज रखें।
- पॉजिटिव एटीट्यूड रखें और कॉन्फिडेंस बनाए रखें। लेकिन ध्यान रखें कि न तो किसी को नीचा दिखाना है और ही खुद को बहुत नॉलेजेबल शो करना है।
- आपको बस अपनी बात शेयर करनी है न कि किसी को मानने के लिए फोर्स करना है।
- जो भी बोलें उसमें दम होना चाहिए। आपकी बात में अगर प्वॉइंट नहीं होगा तो आप इंम्पैक्ट डालने से चूक जाएंगे।
- दूसरे जो बोल रहे हैं, उसे ध्यान से सुनें। सिर्फ खुद ही न बोलते चले जाएं। इससे आपका नॉलेज बढ़ेगा और आप एक अच्छा डिस्कशन कर पाएंगे।

इन 5 तरीकों से एल्यूमिनी नेटवर्किंग के जरिए ढूंढे जॉब

जॉब सर्च में एल्यूमिनी सबसे मूल्यवान नेटवर्किंग कॉन्टेक्ट्स हो सकते हैं, बशर्ते आप इसका प्रभावी तरीके से उपयोग करें। आज के समय में प्रभावकारी एल्यूमिनी नेटवर्किंग टेक्निक्स ज्यादा फोकस्ड होती है जिसके विशेष टारगेट, गोल और एक्शंस होते हैं। अगर आप यह सीख लें कि इनका सही तरीके से फायदा किस तरह उठा सकते हैं तो एल्यूमिनी नेटवर्किंग कॉन्टेक्ट्स बेहतरी नौकरी दिलवाने में मददगार साबित हो सकता है। आप एल्यूमिनी की नेटवर्किंग का उपयोग कर इन तरीकों से जॉब सर्च कर सकते हैं –

- एल्यूमिनी नेटवर्क का जानकारी लेने में आप अच्छा यूज कर सकते हैं। आपको टारगेट कंपनियों के एचआर मैनेजर्स को लेकर जानकारी मिलेगी और आपकी पहुंच भी बनेगी। हो सकता है कि नेटवर्किंग के जरिए आप आपने टारगेट तक पहुंच जाए। इसके लिए आपको सही एल्यूमिनी के पहचाने की जरूरत है।
- आप उस एल्यूमिनी से संपर्क कर सकते हैं जो कि कंपनी, उसके डिपार्टमेंट या मैनेजर की जानकारी दे। आप यह पता कर सकते हैं वाकई कंपनी में वैकेंसी है या नहीं। कई बार कंपनी अपनी वेबसाइट पर करंट ओपनिंग में वैकेंसी मेंशन नहीं करती लेकिन उन्हें हायरिंग की जरूरत होती है। आप बेहतर तरीके से एल्यूमिनी से यह पूछ सकते हैं।
- सही बात तो यह है कि सही एल्यूमिनी से आप आसानी से संपर्क नहीं साध सकते क्योंकि वे व्यस्त इंसान होते हैं। हालांकि अगर आपका वह साथ दें तो वे कंपनी और आपके बीच में ब्रिज का काम करेगा।
- कई बार हायरिंग मैनेजर अपने स्टाफ से किसी पोस्ट के लिए कैंडीडेट की सिफारिश चाहता है। ऐसे में यह आपके लिए अच्छी बात होती है। अगर आप एल्यूमिनी से टच में रहेंगे तो ऐसे मौके पर सबसे पहले आपका नाम ही उसके दिमाग में आएगा। साथ ही आपको यह अपना इरादा उसे बताकर रखना होगा कि अगर उसकी कंपनी में कोई वैकेंसी निकलेगी तो आप इच्छुक होंगे।
- इसके अलावा एल्यूमिनी से टच में रहने पर उसे संपर्क सूत्रों के हवाले से भी आपको जॉब सर्च में आसानी होगी। इसका सीधा मतलब यह है कि उसके कॉन्टेक्ट्स भी कहीं न कहीं सोशल मीडिया पर आपसे जुड़े होंगे।

मैं हमेशा अपने किरदार और उसकी सच्चाई पर फोकस करती हूं

अदा शर्मा स्टारर फिल्म द केरला स्टोरी ने हाल ही में नेशनल अवॉर्ड हासिल किया। आगे वह एक इंटरनेशनल फिल्म में भी दिखेंगी। उनसे आगामी प्रोजेक्ट्स समेत कई पहलुओं पर हुई बातचीत...

द केरला स्टोरी को नेशनल अवॉर्ड मिलने का पल आपके लिए कैसा रहा?

यह बहुत ही खास होता है। मुझे लगता है कि सबसे पहले तो हमें दर्शकों की तरफ से ही अवॉर्ड मिल चुका था, क्योंकि इस फिल्म ने इतने सारे रिकॉर्ड तोड़े, वह सब तो दर्शकों ने ही करवाया था लेकिन असल में भी नेशनल अवॉर्ड मिला तो वह पहचान मिलना बहुत अच्छा लगता है। एक एक्टर के तौर पर और द केरला स्टोरी जैसी फिल्म के लिए बहुत ही स्पेशल महसूस होता है।

सुदीप्तो सेन बोले कि बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड आपको भी मिलना चाहिए था?

वह फिल्म के डायरेक्टर हैं, तो उनका प्यार और सपोर्ट बहुत नैचुरल है। यह एक कलेक्टिव एफर्ट था। द केरला स्टोरी सिर्फ मेरी नहीं, पूरे देश की फिल्म रही है। बिना बड़े प्रमोशन या मार्केटिंग के दर्शकों ने इसे हिट बनाया। इसलिए जो भी अवॉर्ड या कॉम्प्लिमेंट इसे मिल रहा है, उसे दर्शकों के साथ शेयर करती हूं।

जब ऐसे बोल्ड या संवेदनशील मुद्दे वाली फिल्में ऑफर होती हैं तो आपका क्या माइंडसेट रहता है?

मेरे लिए पहली फिल्म 1920 भी बोल्ड थी, क्योंकि पहली बार दर्शक मुझे देख रहे थे। मैं हीरोइन थी लेकिन मेरे अंदर भूत था। यह दिखाता है कि बोल्ड सिर्फ रोमांस या ग्लैमरस दिखने में नहीं है, बल्कि किरदार की सच्चाई में है। चाहे फिल्म रियल लाइफ पर बेस्ड हो या फिक्शनल, मैं हमेशा एक ही एप्रोच अपनाती हूं कि किरदार को रियल बनाना है। मेरी कोशिश यह रहती है कि दर्शक महसूस करें कि वह मेरे साथ वह पल जी रहे हैं। बोल्ड या संवेदनशील होने की चिंता मेरे लिए सेकेंडरी है। मैं हमेशा किरदार और उसकी सच्चाई पर फोकस करती हूं।

रीता सान्याल का सीजन 2 भी आने वाला है, इसके बारे में क्या कहेंगी?

हां, रीता सान्याल का सीजन 2 अनाउंस कर दिया गया है, तो मैं कह सकती हूं कि यह डेफिनेटली आएगा। इसके सीजन 1 को इतना प्यार मिला था, तो मुझे उम्मीद है कि सीजन 2 भी लोगों को उतना ही पसंद आएगा। द केरला स्टोरी के बाद लोगों ने शायद सोचा था कि मैं सिर्फ सीरियस चीजें ही करूंगी, इसलिए रीता सान्याल और सनफ्लावर सीजन 2 जैसे प्रोजेक्ट्स का मिलना अच्छा था। यह इसलिए भी अच्छा था क्योंकि लोगों ने मुझे उस अंदाज में भी देखा।

इन दिनों आप किन प्रोजेक्ट्स की शूटिंग कर रही हैं?

मैं अभी तीन फिल्में शूट कर रही हूं, पर मैं चाहती हूं कि प्रोड्यूसर्स ही उनके बारे में अनाउंस करें। जैसे द केरला स्टोरी, रीता सान्याल, उसके बाद सनफ्लावर भी रिलीज हुई थी। तब मैंने किसी को नहीं बताया था और फिर ट्रेलर के साथ हम लोग आए, तो सब लोग उत्साहित थे। हालांकि अभी मैं एक–दो हॉरर फिल्में कर रही हूं, जो एक–दूसरे से बहुत अलग हैं। मैं एक इंटरनेशनल एक्शन फिल्म भी कर रही हूं, एक रोमांटिक फिल्म भी कर रही हूं और एक ट्राइ–लैंग्वेज फिल्म भी कर रही हूं।

रोमांटिक फिल्म बनाना चाहते हैं अमर कौशिक

फिल्म स्त्री, भेड़िया, स्त्री 2 और बाला जैसी फिल्मों के निर्देशक अमर कौशिक ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अपनी आगामी फिल्मों को लेकर कई खुलासे किए। इसके साथ ही अमर ने महावतार और मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स को लेकर भी कई बाते बताईं।

अमर कौशिक का बयान

एक इंटरव्यू में निर्देशक अमर कौशिक ने अपनी फिल्मों को लेकर कहा, मैं महावतार पर काम कर रहा हूं। मैंने बाला का निर्देशन किया है। मैं बाकी फिल्मों का निर्माण भी कर रहा हूं। लेकिन मैं (हॉरर–कॉमेडी यूनिवर्स) की दुनिया को नहीं छोड़ सकता क्योंकि लोगों ने इसे बहुत प्यार दिया है। मैं उस जिम्मेदारी को नजर अंदाज नहीं कर सकता। एक निर्देशक के तौर पर, मैं बहुत कुछ करना चाहता हूं, लेकिन मैं इस दुनिया को नहीं छोड़ सकता। मुझे इसे सुरक्षित रखना है। मैं रोमांटिक ड्रामा फिल्में भी बनाना चाहता हूं। इस फिल्म इंडस्ट्री में आठ साल हो गए हैं, मैं 80 साल की उम्र तक काम करते रहना चाहता हूं।

अमर कौशिक के बारे में

अमर कौशिक एक भारतीय फिल्म निर्माता–निर्देशक हैं। उन्हें मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की फिल्मों स्त्री, भेड़िया और स्त्री 2 के साथ–साथ फिल्म बाला का निर्देशन किया है। अमर ने 2008 में आमिर पर राज कुमार गुप्ता के सहायक निर्देशक के रूप में काम करते हुए अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। बहरहाल, अमर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म महावतार पर काम कर रहे हैं। इस फिल्म में विक्की कौशल मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

राजेश-डिंपल की पोती नाओमिका बॉलीवुड में करने जा रही हैं डेब्यू

बॉलीवुड की लेजेंडरी जोड़ी राजेश और डिंपल कपाड़िया की पोती नाओमिका सरन जल्द ही बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। यह उनकी पहली फिल्म मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले दिनेश विजान द्वारा प्रोड्यूस की जा रही रोमांटिक कॉमेडी होगी। फिल्म की शूटिंग 2026 के बीच में शुरू होने की संभावना है। फिल्म में नाओमिका के अपोजिट होंगे वेदांग रैना, जिन्हें आखिरी बार जिगरा में देखा गया था। रिपोर्ट के मुताबिक... नाओमिक पिछले एक साल से इस फिल्म के लिए अभिनय और डांस वर्कशॉप में तैयारी कर रही हैं, ताकि वह बड़े परदे पर पूरी तरह तैयार होकर कदम रखें। नाओमिका की मां हैं रिंकी खन्ना, जिन्होंने 1998 में प्यार में कभी कभी से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। नाओमिका, ट्विंकल खन्ना और अक्षय कुमार की भतीजी भी हैं। हालांकि नाओमिका ने अब तक मीडिया की निगाहों से दूरी बनाए रखी थी लेकिन हाल ही में उनकी मैडॉक फिल्म्स के ऑफिस विजिट्स ने उनके डेब्यू की अफवाहें बढ़ा दी हैं। दिलचस्प बात यह है कि इस प्रोजेक्ट में पहले अगस्त्य नंदा अमिताभ बच्चन के पोते के रूप में कास्ट थे लेकिन शेड्यूलिंग और चर्चा के बाद इस भूमिका को वेदांग रैना से बदल दिया गया। सूत्रों के अनुसार... दोनों की ऑन–स्क्रीन केमिस्ट्री टीम को बेहद पसंद आई। फिल्म के निर्माता दिने श विजन चाहते हैं कि नाओमिका का डेब्यू धीरे और प्रोफेशनल तरीके से हो, ताकि वह पूरी तरह तैयार होकर दर्शकों के सामने आएं।

संजय की फिल्म खलनायक 2 का निर्देशन नहीं करेंगे सुभाष

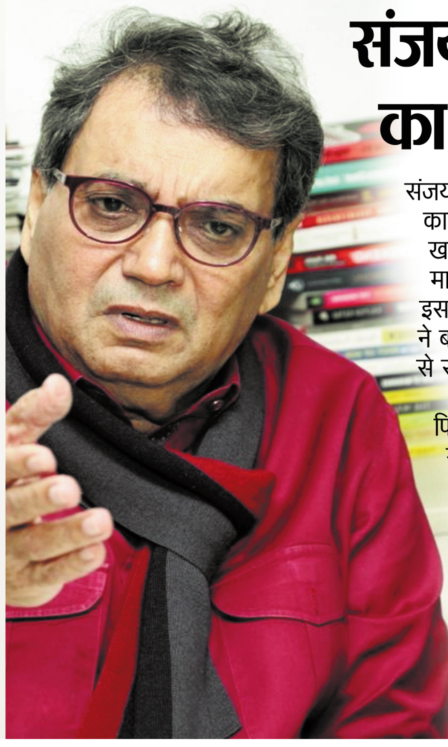

संजय दत्त ने कई सफल फिल्मों में काम किया है, उन्हीं में से एक है खलनायक, जिसमें उनकी जोड़ी माधुरी दीक्षित के साथ बनी थी। इस एक्शन फिल्म को सुभाष घई ने बनाया था। इसी फिल्म के बाद से संजय को हर कोई खलनायक कहने लगा था, उधर घई की फिल्मावली में भी चार चांद लग गए थे। अब फिल्म के सीक्वल पर निर्देशक ने खुलकर बात की और ये भी बताया कि वो इसका निर्देशन नहीं करेंगे। उन्होंने कहा... खलनायक को एक सिनेमैटिक यूनिवर्स में ढालने की तैयारी चल रही है और सीक्वल को काफी बड़े स्तर पर बन रहा है। मैं इसे निर्देशित नहीं कर रहा हूं, क्योंकि मैं 80 साल का हूं। मैं बस रचनात्मक रूप से मार्गदर्शन कर सकता हूं। संजय दत्त सीक्वल में अभिनय करेंगे। हमसे कई बड़े स्टूडियो रीमेक और सीक्वल के लिए हमसे संपर्क कर रहे हैं। हमने एक स्टूडियो को इसके राइट्स देने का फैसला किया है। सुभाष बोले... अधिकारों में सीक्वल के लिए स्क्रिप्ट, किरदार, कथानक, कहानी, नाम, डायलॉग और संगीत शामिल हैं, इसलिए खलनायक के गीतों का इस्तेमाल दूसरे भाग में किया जा सकता है। 32 साल बाद एक बार फिर संजू बाबा को उसी अंदाज में देखना बेहद दिलचस्प होने वाला है।

फिल्म संक्रांतिकी वास्तुनम की आएंगे अक्षय हिंदी रीमेक में नजर

अक्षय कुमार एक बार फिर साउथ की ब्लॉकबस्टर फिल्म के हिंदी रीमेक में नजर आने वाले हैं। हाल ही में वे जॉली एलएलबी 3 में दिखे थे और अब उनकी अगली फिल्म को लेकर चर्चा है कि उन्होंने तेलुगु सुपरस्टार वेंकटेश दग्गुबाती की इसी साल रिलीज हुई ब्लॉकबस्टर फिल्म संक्रांतिकी वास्तुनम के हिंदी रीमेक के लिए हामी भर दी है। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह फिल्म एक एक्शन–कॉमेडी ड्रामा होगी। सूत्रों का कहना है... अक्षय को फिल्म की कहानी और ट्रीटमेंट काफी पसंद आया। उन्होंने फिल्म देखने के बाद खुद इसका हिंदी रीमेक बनाने का वास्तुनम का निर्देशन अनिल रविपुड़ी ने किया था। फैसला किया। बता दें, मूल फिल्म संक्रांतिकी यह 14 जनवरी को रिलीज हुई थी और दुनियाभर में 250 से 300 करोड़ रुपए का बिजनेस किया था। फिल्म की कास्टिंग प्रोसेस पर इस वक्त काम चल रहा है। फिलहाल लीड एक्ट्रेस को फाइनल नहीं किया गया है। शूटिंग पहले शुरू हो जानी थी लेकिन अक्षय के बिजी शेड्यूल के चलते इसे फिलहाल डिले किया गया है। अगले साल अक्षय भूत बंगला में भी नजर आएंगे। इसके अलावा उनके पास हैवान, फिर हेरा–फेरी और वेलकम टू द जंगल जैसी फिल्में भी कतार में हैं।

सरकार 4 में फिर साथ आएंगे अमिताभ और अभिषेक, राम गोपाल वर्मा ही करेंगे निर्देशन

अमिताभ बच्चन के 83वें जन्मदिन पर बॉलीवुड से एक बड़ी खबर आई है। राम गोपाल वर्मा अपनी चर्चित सरकार फ्रेंचाइज के चौथे भाग के साथ लौट रहे हैं। इस बार कहानी में सबसे बड़ा सरप्राइज यह है कि अमिताभ के साथ अभिषेक भी अपने लोकप्रिय किरदार शंकर नागरे के रूप में वापसी कर सकते हैं। दरअसल, सरकार राज (2008) में शंकर नागरे की मौत दिखाई गई थी, जिसके बाद फ्रेंचाइज की तीसरी फिल्म सरकार 3 एक अलग दिशा में चली गई थी।

स्क्रिप्ट हुई लॉक, 2026 के फर्स्ट हाफ में होगी शुरू

सूत्रों का कहना है कि अमिताभ और अभिषेक दोनों को नई कहानी की रूपरेखा सुनाई जा चुकी है और दोनों ने इस विचार को पसंद करते हुए प्रोजेक्ट के लिए मौखिक सहमति दे दी है। वहीं, राम जो शुरुआत में इस फिल्म को लेकर असमंजस में थे, उन्होंने भी नई स्क्रिप्ट को मंजूरी दे दी है। योजना के अनुसार, सरकार 4 की शूटिंग 2026 के फर्स्ट हाफ में शुरू हो सकती है। पहले सरकार 4 की जिम्मेदारी प्रकाश झा को सौंपने की बात चल रही थी लेकिन आखिरकार निर्माताओं ने इस प्रोजेक्ट को वापस राम को ही सौंपने का फैसला किया।

इस बार कहानी प्रीक्वल के तौर पर जा सकती है...

फिल्म की कहानी प्रीक्वल के तौर पर भी जा सकती है, जिसमें शंकर नागरे की पृष्ठभूमि और उसके सत्ता में आने की कहानी दिखाई जा सकती है। निर्माताओं ने कुछ समय पहले आदित्य रॉय कपूर को एक समानांतर भूमिका के लिए अप्रोच किया था लेकिन बाद में उस विचार को छोड़ दिया गया। अब फोकस पूरी तरह बच्चन परिवार की वापसी पर है, जिससे फ्रेंचाइज की मूल आत्मा बरकरार रहेगी। यह फ्रेंचाइज के लिए एक निर्णायक मोड़ साबित होगी। अगला साल अमिताभ–अभिषेक के लिए बेहद व्यस्त साल साबित होने वाला है। बिग बी की झोली में पहले से कई बड़े प्रोजेक्ट हैं। जिनमें रामायण: पार्ट 1, जिसमें वह दशरथ की भूमिका निभा रहे हैं। इसके अगले साल दीपावली तक रिलीज की उम्मीद है। ब्रह्मास्त्र 2 में भी वह गुरुजी के किरदार में दोबारा दिखेंगे। आंखें 2 में भी उनका किरदार निगेटिव शेड्स लिए होगा। कल्कि 2898 ष्ठ 2 में भी बिग बी का किरदार आगे बढ़ेगा, जिसकी शूटिंग अगले साल शुरू होगी। वहीं, अभिषेक के लिए भी अगला साल काफी अहम रहेगा। वह किंग में विलन की भूमिका निभाते नजर आएंगे, जबकि धूम 4 में एसीपी जय दीक्षित बनकर फिर एक्शन करते दिखेंगे। इसके अलावा वह राजा शिवाजी जैसी फिल्म में भी हैं।

वर्मा भी डी कंपनी वेब सीरीज पर कर रहे काम

सरकार 4 के साथ राम गोपाल की मेनस्ट्रीम सिनेमा में बड़ी वापसी मानी जा रही है। इसे उनके पॉलिटिकल क्राइम यूनिवर्स के रूप में भी देखा जा रहा है। दूसरी ओर वर्मा सरकार 4 के अलावा अपने डिजिटल प्रोजेक्ट्स पर भी काम कर रहे हैं। उनकी वेब सीरीज डी कंपनी मुंबई अंडरवर्ल्ड पर आधारित है। हालांकि, अब सबकी निगाहें सरकार 4 पर हैं जो संभवत: 2027 में रिलीज हो सकती है।

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 9210761111 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009